CMYK

www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ... | छत्तीसगढ़ का पहला राष्ट्रीय दैनिक | संपर्क करें : bilaspurdeshbandhu@gmail.com

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

बिलासपुर, शनिवार, 18 नवंबर 2023 I वर्ष – 33 I अंक –199 I पृष्ठ –12 I मूल्य – 4.00

मोदी जनता से किए वादे पूरे करते तो आज भारत दुनिया का दूसरा विशाल देश होता: शर्मा पृष्ठ 3

अभिमत
■ मुफ्त खाद्यान्न और चुनावी वादे पृष्ठ 4

■ शेख हसीना ने बीएनपी, जमात से कहा, माफी मांगें और चुनाव में हिस्सा लें पृष्ठ 9

हार को पचा पाना मुश्किल है : तेम्बा बावुमा पृष्ठ 10

सुबह से शाम तक लंबी कतारें, 68 फीसदी से ज्यादा पड़े वोट

प्रदेश में मामूली हिंसा के साथ शांतिपूर्ण मतदान, तीन दिसंबर को आएगा परिणाम

रायपुर, 17 नवंबर (देशबन्धु)। प्रदेश में आज दूसरे चरण के लिए शांतिपूर्ण मतदान हुआ। अब तक 68.15 प्रतिशत वोटिंग होने की खबर गई।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबासाहेब कंगाले ने चुनाव होने के बाद पत्रकार वार्ता में बताया दूसरे चरण के लिए शाम 5 बजे तक 68.15 प्रतिशत मतदान हुआ है। वहीं पिछले विधानसभा चुनाव के मुकाबले पहले चरण में डेढ़ प्रतिशत की बढ़त हुई है। उन्होंने बताया कि इस बार दूरस्थ और कम से कम मतदाताओं वाले क्षेत्रों में भी मतदान केंद्र स्थापित किए गए थे।मतदान के दौरान 1962 सेक्टर अधिकारियों ने अपनी जिम्मेदारीपूर्ण निभाई।18833 मतदान केंद्रों में से 9 हज़ार से ज़्यादा मतदान केंद्रों में वेब कास्टिंग की गई थी.। वहीं मतदान के दौरान मशीन एक से दो प्रतिशत खराबी हुई है। इस दौरान मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि पोलिंग पार्टी के वापस लौटते समय हेड कांस्टेबल योगेंद्र सिंह आई डी ब्लास्ट में शहीद हो गए, इसके अलावा सभी पोलिंग पार्टियां सुरक्षित वापस लौट चुकी हैं।

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण का मतदान 8 बजे से शुरू हुआ। वोट डालने मतदान केंद्र के बाहर मतदाताओं की लंबी लाइन लग गई है। वहीं अपने मतों का प्रयोग करने प्रत्याशी भी पहुंचे हैं। जहां वे वोटर्स के साथ लाइन में लगे नजर आए और अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

दूसरे चरण के 70 सीटों में वोटिंग हुई। जहां कांग्रेस प्रत्याशी मंत्री अनिला भेड़िया, भाजपा प्रत्याशी रंजना साहू, कांग्रेस प्रत्याशी धनेंद्र साहू, बीजेपी प्रत्याशी नारायण चंदेल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव, कांग्रेस प्रत्याशी पंकज शर्मा और उनके पिता सत्यनारायण शर्मा, ताम्रध्वज साहू, भाजपा प्रत्याशी ओपी चौधरी, मंत्री अमरजीत भगत ने मतदान किया है। ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

धमतरी जिले में सबसे अधिक मतदान, रायपुर में सबसे कम

निर्वाचन आयोग ने 5 बजे तक के वोटिंग के आंकड़े जारी किया है। जिसमें पूरे 70 सीटों में 68.15 प्रतिशत मतदान हुआ है। जिसमें से धमतरी जिले में सबसे अधिक मतदान हुआ है। वहीं रायपुर जिले में सबसे कम मतदान हुआ है। हालांकि ये अंतिम आंकड़े नहीं है। वोटिंग परसेंटेज में और बढ़ोतरी हो सकती है।

मतदान करने लाइन में खड़ी महिला की मौत

कसडोल। कसडोल विधानसभा क्षेत्र से एक बुरी खबर सामने आई है, जहां मतदान केंद्र क्रमांक 76 मल्दा में मतदान करने के लिए लाइन में खड़ी 58 वर्षीय सहोदरा की हार्ट अटैक आने से मौत हो गई। रिटर्निंग अधिकारी भूपेंद्र अग्रवाल ने इसकी पुष्टि की है।

लंबी लाइन में खड़े होकर सीएम बघेल ने किया मतदान, बोले- अबकी बार 75 पार

दूसरे चरण का मतदान जारी है। पाटन के कुरूदडीह के प्राइमरी स्कूल में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ वोट दिया। इस दौरान लल्लूराम डॉट कॉम से बातचीत करते हुए भूपेश बघेल ने जीत का दावा करते हुए कहा, अबकी बार 75 पार। इतना ही नहीं अपने प्रतिद्वंदी भाजपा प्रत्याशी के लिए भूपेश बघेल ने चुटकुले अन्दाज़ में कहा कि, रिश्ते में हम तुम्हारे बाप लगते हैं। आगे सीएम बघेल ने यह भी कहा, हमने किसानों के लिए, महिलाओं के लिए, युवाओं के लिए, मज़दूरों के लिए जो गारंटी दी है। उस गारंटी का नतीजा है कि, बूथों में लोग बढ़-चढ़कर आ रहे हैं।

आईडी ब्लास्ट में एक जवान शहीद

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद में विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में नक्सलियों की कायराना करतूत सामने आई है। नक्सलियो द्वारा लगाए गए आईडी बम के ब्लास्ट होने से एक जवान शहीद हो गया है। एएसपी डीसी पटेल ने इसकी पुष्टि की है। घटना गरियाबंद जिले के मैनपुर ब्लॉक के बड़े गोबरा के पास हुई है। मतदान के बाद मतदाल डाल वापस लौट रहा था इस दौरान बम ब्लास्ट हो गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डीसी पटेल ने बताया कि मतदान समाप्त होने के बाद बड़े गोबरा से मतदान दल सुरक्षा बलों के जवान के साथ वापस लौट रहा था। इस दौरान नक्सलियों ने आईडी ब्लास्ट किया। जिससे एक जवान शहीद हो गया। घटना के बाद मृतक जवान का पार्थिव शरीर मैनपुर अस्पताल लाया गया। वही सपोर्टिंग बल के मदद से मतदान दल सकुशल गरियाबंद पहुंच गया है। दल से कोई हताहत नहीं है। एसपी अमित कांबले ने भी पुष्टि की है।

मध्यप्रदेश में 72 फीसदी मतदान

भोपाल। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को मतदान खत्म हो गया। मध्य प्रदेश में लगभग पांच करोड़ 60 लाख मतदाताओं में से कम से कम 72 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाले। मध्यप्रदेश सहित पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव का परिणाम तीन दिसंबर को घोषित किया जाएगा। मध्य प्रदेश में इक्का-दुक्का घटनाओं को छोड़कर मतदान प्राय: शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया और इस तरह 2533 उम्मीदवारों की किस्मत इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में कैद हो गई। वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में 75.63 प्रतिशत और वर्ष 2013 के चुनाव में 72.69 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाले थे। मतों की गिनती का कार्य तीन दिसंबर को होगा। मप्र में सभी 230 सीटों के लिए मतदान एक ही चरण में हुआ है।

4 जगहों पर ईवीएम में आई खराबी नहीं डल पाया है एक भी वोट

दूसरे चरण का मतदान शुरू होते ही ईवीएम में खराबी की जानकारी सामने आ रही है। जानकारी के अनुसार, 4 जगहों पर ईवीएम मशीन खराब हो गई है। जिसकी वजह से मतदान अब तक शुरू नहीं हो पाया है। मशीन को जल्द से जल्द सुधारने की कोशिश हो रही। अभनपुर के बेंद्री मतदान केंद्र के ईवीएम मशीन में तकनीकी खराबी आ गई है। भाजपा प्रत्याशी इंद्र कुमार साहू के गृह ग्राम है बेंद्री। भाजपा प्रत्याशी तकनीकी खराबी के चलते मतदान के लिए इंतजार कर रहे हैं। ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

कहां कितना रहा मतदान का प्रतिशत

भरतपुर सोनहत–	67.94	जैजैपुर–	60.70
मनेन्द्रगढ़–	69.90	पामगढ़–	60.20
बैकुंठपुर–	73.56	सरायपाली–	61.12
प्रेमनगर–	68.05	बसना–	70.30
भटगांव–	67.50	खल्लारी–	70.69
प्रतापपुर–	63.46	महासमुंद–	68.16
रामानुजगंज–	65.50	बिलाईगढ़–	69.18
सामरी–	70.04	कसडोल–	67.19
लुण्ड्रा–	70.50	बलौदाबाजार–	72.00
अंबिकापुर–	65.05	भाटापारा–	74.27
सीतापुर–	68.40	धरसींवा–	71.86
जशपुर–	70.47	रायपुर ग्रामीण–	53.08
सोनपुरी–	72.66	रायपुर पश्चिम–	54.68
पत्थलगांव–	71.25	रायपुर उत्तर–	54.05
लैलुंगा–	76.42	रायपुर दक्षिण–	52.11
रायगढ़–	71.23	आरंग–	68.60
सारंगढ़–	78.04	अभनपुर–	60.13
खरसीया–	81.43	राजिम–	71.23
धरमजयगढ़–	72.36	बिन्द्रानवागढ़–	71.02
रामपुर–	70.34	सिहावा–	78.20
कोरबा–	65.83	कुरुद–	82.60
कटघोरा–	71.63	धमतरी–	78.80
पाली-तानाखार–	79.35	संजारी बालोद–	79.63
मरवाही–	71.20	डौण्डीलोहारा–	75.01
कोटा–	65.69	गुण्डरदेही–	78.27
लोरमी–	64.48	पाटन–	75.54
मुंगेली–	65.89	दुर्ग ग्रामीण–	69.00
तखतपुर–	61.50	दुर्ग शहर–	62.80
बिल्हा–	66.39	भिलाईनगर–	63.54
बिलासपुर–	56.28	वैशालीनगर–	53.00
बेलतरा–	59.08	अहिवारा–	67.77
मस्तुरी–	59.50	साजा–	72.62
अकलतरा–	67.97	बेमेतरा–	73.44
जांजगीर चांपा	68.63	नवागढ़–	72.73
सक्ती–	68.90		
चंद्रपुर–	62.50	**कुल मतदान**	**68.15**

सार संक्षेप

नहाय-खाय के साथ महापर्व छठ का हुआ आगाज

नई दिल्ली/पटना। पूर्वांचल के लोगों का महापर्व छठ की शुरुआत शुक्रवार से हो गई। नहाय-खाय के साथ ही लोक आस्था का पर्व या कहें प्रकृति पर्व, सूर्योपासना के पर्व की शुरुआत हो चुकी है। चार दिनों तक चलने वाले इस महापर्व का समापन सोमवार सुबह उगते हुए सूर्य को अर्घ्य के साथ होगा। वैसे तो यह बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोगों का प्रमुख पर्व है, लेकिन समय के साथ दूसरे प्रदेश के लोग भी अब इस महापर्व को मनाने लगे हैं। खासकर दिल्ली और एनसीआर में देश के विभिन्न हिस्से के लोग एक साथ एक ही घाट पर यह पर्व करते देखे जा सकते हैं।

केरल ब्लास्ट में मरने वालों की संख्या छह हुई

एर्नाकुलम। केरल के एर्नाकुलम में 29 अक्टूबर को ईसाई प्रार्थना सभा में हुए विस्फोट में मरने वालों की संख्या बढ़कर 6 हो गई। घटना के वक्त दो लोगों की मौत हुई थी। जबकि 5 घायल हुए थे। बाद में 3 अक्टूबर, 6 नवम्बर, 11 नवम्बर और 16 नवम्बर को चार और लोगों की इलाज के दौरान जान चली गई। पुलिस ने इस ब्लास्ट के आरोपी डोमिनिक मार्टिन को गिरफ्तार कर केस दर्ज किया है। कोर्ट ने आरोपी मार्टिन को 29 नवम्बर तक ज्यूडिशियल कस्टडी में भेज दिया है। पुलिस ने इस मामले में 54 केस दर्ज किए हैं। सबसे अधिक 26 मामले मलप्पुरम जिले में दर्ज किए गए, इसके बाद एर्नाकुलम में 15 और तिरुवनंतपुरम में पांच मामले दर्ज हुए।

जगन्नाथ मंदिर के नटमंडप की मरम्मत करेगा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

पुरी। ओडिशा के पुरी स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को 12वीं सदी के जगन्नाथ मंदिर के 'नटमंडप' का मरम्मत काम शुरू करने की सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। एसजेटीए से मिली इस मंजूरी से एक दिन पहले उड़ीसा हाईकोर्ट ने एएसआई को इस मंदिर के नटमंडप का मरम्मत कार्य गुरुवार से शुरू करने के लिए कहा था।

पश्चिम एशिया में हुई घटनाओं से उभर रहीं नई चुनौतियां : मोदी

नई दिल्ली,17 नवम्बर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए दूसरी वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हम सभी देख रहे हैं कि पश्चिम एशिया क्षेत्र की घटनाओं से नई चुनौतियां उभर रही हैं। भारत ने सात अक्तूबर को इस्राइल में हुए आतंकी हमले की निंदा की है। हमने संयम भी बरता है। हमने बातचीत और कूटनीति पर जोर दिया है। हम इस्राइल और हमास के बीच संघर्ष में नागरिकों की मौत की भी कड़ी निंदा करते हैं। फलस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास से बात करने के बाद हमने फलस्तीन के लोगों को मानवीय सहायता भी भेजी है। यह वह समय है जब ग्लोबल साउथ के देशों को व्यापक वैश्विक भलाई के लिए एकजुट होना चाहिए। इस दौरान उन्होंने ग्लोबल साउथ के देशों के लिए एक ग्लोबल केंद्र का उद्घाटन किया, जिसका नाम दक्षिण रखा। प्रधानमंत्री ने बताया कि इस केंद्र का प्रस्ताव उन्होंने वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट के पहले चरण यानी जनवरी में रखा था। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दूसरे वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट के उद्घाटन सत्र में कहा कि मैंने पहले सम्मेलन के दौरान ग्लोबल साउथ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना का प्रस्ताव दिया था। मोदी ने कहा कि वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ 21वीं सदी की बदलती हुई दुनिया का सबसे अनूठा मंच है। भौगोलिक रूप से ग्लोबल साउथ हमेशा से रहा है, लेकिन उसे इस प्रकार से आवाज पहली बार मिल रही है। ये हमारे साझा प्रयासों से हो पाया है।

कांग्रेस का तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए घोषणा पत्र जारी

मतदाताओं से छह गारंटियों का वादा

हैदराबाद, 17 नवम्बर (एजेंसियां)। तेलंगाना विधानसभा चुनाव के शुक्रवार 17 को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने घोषणा पत्र जारी किया। कांग्रेस ने मैनिफेस्टो में 6 गारंटी 'अभय हस्तम' देने का वादा किया है। पार्टी ने महिलाओं और किसानों पर फोकस करते हुए कई योजनाओं को मैनिफेस्टो में शामिल किया है। कांग्रेस ने बेघरों और छात्रों को 5 लाख रुपए देने का वादा किया है। साथ ही महिलाओं हर महीने ढाई हजार रुपए और फ्री बस यात्रा की सुविधा देने की बात कही है। वहीं राज्य के सभी किसानों के लिए 15 हजार देने की घोषणा की है। इस मौके पर टीपीसीसी अध्यक्ष रेवंत रेड्डी और नेता प्रतिपक्ष बट्टी विक्रमार्का हैदराबाद के गांधी भवन में मौजूद रहे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि घोषणापत्र हमारे लिए गीता, कुरान या बाइबिल की तरह है। हम इसे लागू करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी छह गारंटी को मंत्रिमंडल की पहली बैठक में लागू करने के लिए पारित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी छह गारंटी को मंत्रिमंडल की पहली बैठक में लागू करने के लिए पारित किया जाएगा। कर्नाटक की महिलाएं राज्य में आज कहीं भी जा सकती हैं। बस में मुफ्त यात्रा के कारण कर्नाटक में महिलाएं विभिन्न मंदिरों में जा रही हैं। हम तेलंगाना को दी गई सभी छह गारंटी को लागू करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव पर निशाना साधते हुए कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि आज, मैं चुनौती दे सकता हूं और कह सकता हूं कि मोदी और केसीआर मिलकर जो भी प्रयास करें, कांग्रेस निश्चित रूप से सत्ता में आएगी। उन्होंने तेलंगाना के लोगों को दी गई पार्टी की छह गारंटियां भी गिनाईं।

- हर परिवार को 2 यूनिट बिजली फ्री
- किसानों को 15 हजार, विद्यार्थियों-बेघरों को पांच लाख
- महिलाओं को हर माह दिए जाएंगे 2500 रुपए

कांग्रेस में शामिल हुई अभिनेत्री विजयशांति

तेलंगाना विधानसभा चुनाव से पहले पूर्व सांसद व मशहूर अभिनेत्री विजयशांति ने कांग्रेस ज्वाइन कर लिया है। उन्होंने हाल ही में भाजपा से इस्तीफा दे दिया था। विजयशांति ने 2009 में अपना राजनीतिक करियर शुरू किया और बीआरएस (तब टीआरएस) के टिकट पर मेडक लोकसभा सीट से सांसद चुनी गईं थीं। बाद में तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के साथ मतभेदों की वजह से वे कांग्रेस में शामिल हो गईं थीं और उसी निर्वाचन क्षेत्र से उन्होंने फिर से चुनाव लड़ा था, जिसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

तेलंगाना में आएगा कांग्रेस का तूफान : राहुल

हैदराबाद। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि राज्य के विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी के समर्थन का तूफान आने वाला है और सत्तारूढ़ बीआरएस बुरी तरह हारेगी। खम्मम जिले के पिनापाका में एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस का भ्रष्टाचार पूरे राज्य में देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का पहला लक्ष्य तेलंगाना में जनता की सरकार बनाना है और उसके बाद केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार को बाहर किया जाएगा। राहुल गांधी ने कहा कि केसीआर को पता चल गया है कि तेलंगाना में कांग्रेस का तूफान आने वाला है... ऐसा तूफान आने वाला है कि केसीआर और उनकी पार्टी तेलंगाना में नजर नहीं आएगी। उन्होंने कहा कि चंद्रशेखर राव पूछते हैं कि कांग्रेस पार्टी ने क्या किया है। मुख्यमंत्री साहब, आपने जिस स्कूल और कॉलेज में पढ़ाई की.. उसे कांग्रेस ने ही बनाया। जिन सड़कों पर आप यात्रा करते हैं, कांग्रेस ने उन सड़कों को बनाया।

जम्मू-कश्मीर में नौ आतंकी ढेर

जम्मू, 17 नवम्बर (देशबन्धु)। कश्मीर में पिछले 36 घंटों में 9 आतंकी ढेर किए जा चुके हैं। इनमें से चार को उड़ी में एलओसी पार करते हुए मार डाला गया तो पांच को शुक्रवार सुबह कुलगाम में ढेर कर दिया गया। इस बीच जम्मू मंडल के राजौरी जिले के बुद्धल इलाके में भी समाचार लिखे जाते समय तक मुठभेड़ जारी थी। कुलगाम जिले में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ शुक्रवार दूसरे दिन भी जारी रही। सूत्रों के अनुसार, मुठभेड़ स्थल पर पांच आतंकियों को मार गिराया गया है। मारे गए आतंकी लश्करे तौयबा से जुड़े हुए बताए जा रहे हैं। इलाके में सुरक्षाबलों का आप्रेशन जारी रहा। आईजीपी कश्मीर विके बिरदी ने कहा कि सुरक्षा बलों को कुलगाम में कुछ आतंकवादियों की आवाजाही के बारे में एक खुफिया इनपुट मिला था। तलाशी अभियान के दौरान, एक आतंकवादी ने एक घर से गोलीबारी की जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। लश्करे तौयबा के पांच आतंकवादी मारे गए हैं। बाद में सेना के जवानों ने जिस घर में आतंकी छिपे थे, उसे राकेट लान्चर से उड़ा दिया। आतंकी पांच थे और उन्होंने दो अलग अलग मकानों में ठिकाना बना रखा था।

- 36 घंटों की मुठभेड़ में कुलगाम में पांच व उड़ी में चार आतंकी मारे गए

बिहार में 75 फीसदी आरक्षण का रास्ता साफ

पटना, 17 नवम्बर (देशबन्धु)। राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर ने आरक्षण संशोधन बिल 2023 को मंजूरी दे दी है। बिहार में 65 प्रतिशत आरक्षण का रास्ता साफ हो गया है। एससी-एसटी, ओबीसी-ईबीसी के लिए आरक्षण का दायरा बढ़ा। इस संदर्भ में बिहार का सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से गजट प्रकाशन करेगा। उसके बाद यह लागू हो जाएगा। बिहार विधानमंडल के शीतकालीन सत्र में विधानसभा और विधान परिषद में सर्वसम्मति से बिल पारित हुआ था। आरक्षण का दायरा 50 से 65 प्रतिशत करने का प्रस्ताव था। ईडब्ल्यूएस के 10 फीसद जोड़कर यह 75 प्रतिशत हो जाएगा।

- राज्यपाल ने आरक्षण संशोधन बिल को दी मंजूरी

अनुसूचित जाति को 20 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति को 2 प्रतिशत, अति पिछड़ा जाति को 25 प्रतिशत और पिछड़ा वर्ग को 18 प्रतिशत आरक्षण मिल सकेगा। वहीं, आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग वाले लोगों को पहले की तरह 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान लागू रहेगा।

उत्तरकाशी टनल की ड्रिलिंग में चट्टान बनी मुसीबत

उत्तरकाशी, 17 नवम्बर (एजेंसियां)। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में निर्माणाधीन सिल्क्यारा टनल में शुक्रवार दोपहर को ड्रिलिंग कर रही ऑगर मशीन के सामने भारी पत्थर आ जाने से रेस्क्यू स्पीड काफी कम हो गई है। ऑगर मशीन के जरिए मलबे में रास्ता बनाकर भेजे जा रहे पाइप इंच-दर-इंच आगे बढ़ रहे हैं। इस बीच 6 दिन से फंसे 40 मजदूरों में से 2 की तबीयत भी शुक्रवार दोपहर को खराब हो गई। लैंडस्लाइड में टनल में मलबे के साथ बड़े बोल्डर भी फंसे हुए हैं। 30 फीट की ड्रिलिंग के बाद इनके मशीन के सामने आने से ऑगर मशीन को भारी मशक्कत करनी पड़ रही है। दोपहर 12 बजे से रेस्क्यू ऑपरेशन भी करीब दो घंटे के लिए रोकना पड़ा था। गुरुवार रात और शुक्रवार के दिन ड्रिलिंग करने वाली ऑगर मशीन को फिलहाल रेस्ट दिया गया है। अब ड्रिलिंग का काम शुरू किया जाएगा। ड्रिलिंग के काम में लगी अमेरिकन हैवी ऑगर्स मशीन के रास्ते में चट्टान आने से दोपहर 12 बजे रेस्क्यू ऑपरेशन 2 घंटे तक बंद रहा। इसके बाद फिर से शुरू किया। हालांकि, ड्रिलिंग में चट्टान मुसीबत बनी हुई है। चट्टान से रेस्क्यू की स्पीड धीमी हो गई।

मौसम बंगाल की खाड़ी में उठा चक्रवाती तूफान 'मिधिली'

बंगाल, ओडिशा समेत आठ राज्यों में होगा असर, अलर्ट जारी

भुवनेश्वर/कोलकाता,17 नवम्बर (एजेंसियां)। बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र साइक्लोन का रूप ले रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, इस साइक्लोन का नाम मिधिली रखा गया है। शनिवार 18 नवम्बर की सुबह यह पश्चिम बंगाल के सुंदरवन के पास से गुजरते हुए बांग्लादेश के खेपुपारा के नजदीक तट से तूफान टकराएगा।

इस दौरान इसकी रफ्तार 80 किमी प्रतिघंटा रहेगी। भारत के 8 राज्यों में इसका असर देखा जाएगा। इन राज्यों में पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, असम, नागालैंड और मेघालय शामिल हैं। आईएमडी ने इन राज्यों में 40 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज हवा चलने के साथ भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

बंगाल के तटीय इलाकों में सबसे ज्यादा असर होगा

आईएमडी के मुताबिक, पश्चिम बंगाल के तटीय क्षेत्र में मिधिली का असर सबसे ज्यादा होगा। इनमें पूर्वी मेदनीपुर, कोलकाता, हावड़ा, नादिया, पूर्वी बर्दमान, उत्तर और दक्षिण 24 परगना शामिल हैं। इनके अलावा 20 नवम्बर तक तामिलनाडु और केरल के कुछ इलाकों में इसके कारण हल्के से मध्यम बारिश हो सकती है। आईएमडीने बताया कि बंगाल की खाड़ी में कम दबाव क्षेत्र नॉर्थ और नॉर्थ-ईस्ट में अभी मौजूद है। इसकी लोकेशन पश्चिम बंगाल के दीघा से 460 किमी साउथ और साउथ वेस्ट में ट्रेस की गई है। आगे बढ़कर ये दबाव साइक्लोन में तब्दील होगा। पश्चिम बंगाल के राज्य सचिवालय नबन्ना की कहा गया कि राज्य के तीन तटीय क्षेत्रों में साइक्लोन के बारे में पहले से चेतावनी दी जा चुकी है। साथ ही मिधिली से निपटने के लिए सभी उपाय करने के लिए निर्देश जारी किए जा चुके हैं। इसके साथ ही मछुआरों को 16 से 18 नवम्बर के बीच मछली पकड़ने और समुद्र में जाने से मना किया गया है। साइक्लोन का नाम मिधिली रखा गया है जो कि मालदीव की ओर से दिया गया था। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी के चक्रवातों से प्रभावित देश बारी-बारी से एक क्रम में चक्रवातों के नाम देते हैं।

लोकतंत्र के महापर्व पर मतदाताओं ने किया जमकर मतदान

- सुबह से लेकर शाम तक मतदान केंद्रों में लगी रही लंबी लाइन
- ईवीएम मशीन से मतदान की गति हुई कम
- निर्विवाद एवं शांत मतदान हुआ जीपीएम जिले में

गौरेला पेंड्रा मरवाही 17 नवंबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 में मतदान प्रक्रिया सुबह 8.00 बजे शुरू हो गई है, मतदान करने के लिए मतदाताओं में काफी उत्साह देखा जा रहा है, बुजुर्ग महिलाएं पुरुष युवा सभी बढ़ चढ़ कर मतदान कर रहे हैं, मतदान केंद्रों में सुबह से भीड़ देखी जा सकती है ,मतदान की लंबी-लंबी कटारे इस बात का प्रमाण है कि मतदाता मतदान करने के लिए जागरुक है, अपने मतों का उपयोग सुबह जल्दी कर दिन भर के काम को कर मतदान के महापर्व में अपने हिस्सेदारी निभा रहा है। मतदान की अनिवार्यता प्रदर्शित करती हुई कोटा विधानसभा से दिलचस्प तस्वीरें सामने आई है जहां 79 साल के बीमार बुजुर्ग मतदाता व्हीलचेयर जिन्हे कैथेटर लगा हुआ था मतदान केंद्र पर अपने मताधिकार का उपयोग करने पहुंचे बुजुर्ग मतदाता ने कहा कि मतदान इसलिए आवश्यक है कि अच्छे लोग सरकार में और विधानसभा में पहुंचे इसलिए वह अपने मताधिकार का उपयोग करने पहुंचे हैं..

– पहाड़ी इलाकों में मतदान का समय सुबह 8.00 बजे से निर्धारित किया गया है पर मतदान के 1 घंटे पूर्व ही जागरूक मतदाता लंबी-लंबी लाइनों में लगकर अपने मताधिकार का उपयोग करने मतदान केंद्रों में पहुंच रहे हैं, मतदान केदो में जो कटारे देखी जा रही है उनमें महिला मतदाता बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही है, वही उम्र दराज बुजुर्ग भी सुबह से ही मतदान केदो में नजर आ रहे हैं सभी सबसे पहले अपना वोट देकर लोकतंत्र के महापर्व पर अपना योगदान देना चाहते हैं, चुकी यह वह समय है जब खेतों में धान की फसल पककर तैयार है मतलब किसानों को अपने खेतों में फसल भी काटना है तो जो किसान मतदाता है वे पहले वोट डालकर वोटिंग के काम से निवृत होकर अपने रोजमर्रा के काम में लगना चाहते हैं इसलिए मतदान के एक घंटे पूर्व ही ग्रामीण मतदाता मतदान केदो के बाहर मौजूद हो गए हैं।

विशेष पिछले जनजाति बैगा ने किया बढ़-चढ़कर के मतदान

छत्तीसगढ़ के सीमांत गांव धनौली गांव में राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र कहे जानें वालें बैगा जनजाति के विशेष पिछड़ी जन जाति में मूलभूत सुविधाओं को पाने किया मतदान

जोगी परिवार ने भी किया मतदान

छत्तीसगढ़ जनता कांग्रेस जोगी के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी एवं कोटा विधानसभा की विधायक प्रत्याशी डॉक्टर य रेणु जोगी ने किया मतदान... अमित जोगी ने कहा हम किंग मेकर नहीं , जनता को किंग बनाने के लिए चुनाव मैदान पर उतरें है... जिन लोगों को यह लग रहा है कि अजीत जोगी की निधन के बाद जोगी पार्टी खत्म हो जाएगी.. उन्हें समझ में आ गया है कि छत्तीसगढ़ के 3.15 करोड़ जनता के दिलों में अजीत जोगी अब भी वास करते हैं सट्टा नहीं है भले ही हमारे पास पैसा नहीं है लेकिन सत्ता और पैसे से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण लोगों का विश्वास है दोनों पार्टियों एक कोई घोषणा करता है तो दूसरे दिन दूसरी पार्टी कोई दूसरी घोषणा कर देती है 3100 से 3200 कर देते हैं 12000 से 15000 कर देते हैं लेकिन हमारी पार्टी कोई घोषणा नहीं कर रही है ?100 के स्टांप पेपर में हमने शपथ पत्र लिखकर दिया है और वह शपथ पत्र लेकर हम लोगों के बीच जा रहे हैं मेरा चैलेंज है बीजेपी से कांग्रेस से कि अगर आप में थोड़ा भी दम है आपकी घोषणाओं में थोड़ा भी दम है तो आप ?100 का स्टांप पेपर नहीं काम से कम ?10 के स्टांप पेपर में तो लिखकर आज जो मैं पूरे प्रदेश और एक तरफ कांग्रेस है दशा नही है...दूसरी तरफ भाजपा है जिसके पास दिशा नहीं है यह दोनों पार्टियों जब भी छत्तीसगढ़ को देखते हैं तो इनको केवल अपना कमीशन दिखता है लेकिन मुझको अपने पिताजी का विजन जो मेरी लाइफ का मिशन है वह दिख रहा है और मुझे पूरा यकीन है कि इस बार छत्तीसगढ़ में हमारे बगैर कोई भी सरकार नहीं बनेगी

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में 23 आदर्श मतदान केन्द्र तैयार कराये गये जिसमें से 20 संगवारी मतदान केन्द्र 02 युवा प्रबंधित मतदान केन्द्र एवं 01 दिव्यांग प्रबंधित मतदान केन्द्र तैयार कराये गये। उक्त मतदान केन्द्रों में आवश्यक थीम अनुसार सजावट कर मतदाओं के आकर्षण हेतु विभिन्न सेल्फी पाइंट बनाये, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्टून से संबधित झांकियाँ, विज्ञान से संबंधित झांकियाँ सजाई गई जो कि लोगों को आकर्षण का मुख्य केन्द्र बिन्दु रही। उक्त मतदान केन्द्रो में बजुर्गो/दिव्यांगों / एवं मतदाओं के सहयोग हेतु विभिन्न लोगों को जिम्मेवारी सौंपी गई थी।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) अंतर्गत कार्यरत कैडर-मिशन

के पीआरपी, सक्रिय महिला, आर.बी.के.आदि विभिन्न आदर्श मतदान में मतदाओं के सहयोग हेतु उपस्थित रहीं इनके द्वारा बजुर्ग महिलाओं दिव्यांग महिलाओं, बच्चों आदि की मदद कर पोलिंग बूथ तक ले जाने एवं आधार कार्ड वोटर आई.डी. इत्यादि की जाँच कर लोगों को मतदान हेतु जाने दिया गया ।

राष्ट्रीय सेवा योजना विभिन्न स्कूलों के सदस्य छात्र-छात्राओं मतदान सुचारुरुप से व्यवस्थित संपन्न हो सके इसके लिए लोगों को कतार में लगा रहे है, एवं दिव्यांग बुजुर्ग मतदाताओं को प्राथमिकता के आधार पर मतदान करने हेतु ले जा रहे हैं।

सेल्फी पाइंट रहा आकर्षण का केन्द्र– आदर्श मतदान केन्द्रो में सेल्फी पाइंट बनाया गया जिसमें मतदान पश्चात मतदाओं द्वारा के द्वारा सेल्फी लेकर लोगों को मतदान के प्रति प्रोत्साहित किया।

बुजुर्ग मतदाताओं में सेल्फी के प्रति देखा गया उत्साह:– आदर्श मतदान केन्द्रों में बुजुर्गमतदाओं में सेल्फी के प्रति काफी उत्साह देखा गया, उनके द्वारा कहा गया कि यह पहला अवसर है, जब हम वोट करने के बाद अपनी केन्द्र पर आकर्षक डिजाइन से तैयार सेल्फी पाइंट पर फोटो निकलवा रहे हैं।

मतदान केन्द्रो पर चिकित्सा व्यवस्था रही संचालित– जिले के मतदान केन्द्रो में चिकित्सा व्यवस्था विधिवत् रुप से संचालित रही ताकि आम मतदाओं को कोई परेशानी न रहे।

मतदान करने पहुंची महिला बेहोश हुई मीडिया कार्मियो की सहायता से अस्पताल पहुंचाया

गौरेला पेंड्रा मरवाही– वोट करने पहुंची आदिवासी महिला वीरवती हुई बेहोश, धनौली मतदान केंद्र क्रमांक 102 में वोट करने पहुंची थी आदिवासी महिला, मतदान का कवरेज करने पहुंचे रिपोर्टर ने बेहोश महिला ने अपनी गाडी में पहुंचाया अस्पताल...

मतदान प्रक्रिया में तेजी लाने कलेक्टर गोयल व एसएसपी सदानंद कुमार ने किया मतदान केंद्रों का निरीक्षण

मतदान प्रक्रिया में तेजी लाने दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

रायगढ़, 17 नवंबर (देशबन्धु)। विधान सभा आम निर्वाचन-2023 के दूसरे चरण में जिले के चार विधान सभाओं में संपन्न हो रहे मतदान प्रक्रिया के 3 बजे अनुमानित वोटर टर्न आउट के पश्चात कलेक्टर गोयल एवं एसएसपी ने शहर के विभिन्न मतदान केंद्रों का भ्रमण करते हुए वोटिंग में तेजी लाने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर गोयल ने शास.ललित प्राथमिक शाला, शासकीय उच्च.माध्य.विद्यालय जूटमिल रायगढ़, एवं शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय राजीव नगर स्कूल में बने मतदान केंद्रों का भ्रमण किया और मतदान प्रक्रिया में आवश्यक तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने पुलिस फोर्स को वोटिंग के पश्चात कैम्पस में अनाधिकृत व्यक्तियों का प्रवेश रोकने के साथ ही 5 बजे के पश्चात गेट को बंद कर मतदान की प्रक्रिया को जारी रखने के निर्देश दिए। इसी प्रकार मल्टी पोलिंग बूथ वाले स्थानों में जहां मतदान पूर्ण हो चुकी हैं, उन स्थानों के सुरक्षा बलों को अन्य पोलिंग बूथ में शिफ्ट कर मतदान कार्यों को गति देने के निर्देश दिए। जिससे मतदाताओं को मतदान में आसानी हो।

तीन पीढ़ियों में सास, बहू और उनकी बहू ने दी वोट

रायगढ़, 17 नवंबर (देशबन्धु)। विधानसभा आम निर्वाचन-2020 के मतदान दिवस पर आज तीन पीढ़ियों की महिलाओं ने एक साथ वोट दिया। जनपद पंचायत खरसिया के ग्राम रजघटा की श्रीमती केरा बाई उम्र 91 साल, उनकी बहू 66 वर्ष की लीलाबाई पटेल तथा लीला बाई की बहू प्रेमा पटेल ने मतदान केंद्र पहुंच कर मताधिकार का प्रयोग किया।

सार-संक्षेप

कलेक्टर एवं एसएसपी ने उत्साहपूर्वक किया मतदान

रायगढ़, 17 नवंबर (देशबन्धु)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कार्तिकेया गोयल एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री सदानंद कुमार ने आज मतदान क्रमांक 65 रायगढ़ शहर के आदर्श बाल मंदिर स्कूल में कतार में लगकर अपनी बारी का इंतजार किया। उन्होंने उत्साहपूर्वक मतदान कर सभी नागरिकों को मतदान करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान कलेक्टर गोयल एवं एसएसपी सदानंद कुमार ने मतदान केन्द्र में बने सेल्फी प्वाइंट में सेल्फी भी ली।

अपने नवजात शिशु संग अग्रवाल दंपत्ति पहुंचे मतदान देने, तो वही

5 माह की नन्ही बिटिया संग पहुंची डॉ.कुंती चौधरी

रायगढ़, 17 नवंबर (देशबन्धु)। विधानसभा आम निर्वाचन-2023 के दूसरे चरण के मतदान में आज रायगढ़ शहर के रायगढ़ शहर के आदर्श बाल मंदिर स्कूल में श्रीमती मोनिका अग्रवाल अपने पति एवं नवजात शिशु संग वोट देने पहुंची और मतदान किया। इसी कड़ी में कोतरा रोड स्थित संगवारी मतदान केन्द्र में डॉ.कुंती चौधरी अपनी 5 महीने की बेटी चेतना के साथ पहुंची और मतदान किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मैने तो अपने मताधिकार का प्रयोग कर लिया, आप सभी भी अपने मताधिकार प्रयोग अवश्य करें। कलेक्टर गोयल ने मतदान के प्रति उनके उत्साह को देखते हुए उनकी सराहना की तथा उनके साथ फोटो भी खिचवायें। इस दौरान कलेक्टर एसएसपी सदानंद कुमार, सीईओ जिला पंचायत जितेन्दर यादव, अपर कलेक्टर राजीव कुमार पाण्डेय, सहायक कलेक्टर युवराज मरमट उपस्थित रहे।

दादी संग पोती ने किया वोट, बुजुर्ग दंपत्ति ने भी किया अपने मताधिकार का प्रयोग

रायगढ़, 17 नवंबर (देशबन्धु)। रायगढ़ के पालीटेक्निक कालेज में बने संगवारी मतदान केन्द्र में 76 वर्षीय श्रीमती सुषमा श्रीवास्तव आज अपनी पोती न्यू वोटर कनु के साथ वोट देने पहुंची। इस दौरान उनकी पोती आज प्रथम बार अपने मताधिकार का प्रयोग किया और खुशी जाहिर करते हुए सभी मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग करने की बात कही। इसी कड़ी में 82 वर्षीय श्री अम्बा लाल पटेल एवं उनकी धर्मपत्नी 58 वर्षीय श्रीमती फुल कुमारी पटेल ने शास.पी.डी.कालेज पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। साथ ही कलेक्टर एवं एसएसपी संग सेल्फी भी ली। इस दौरान कलेक्टर सीईओ जिला पंचायत जितेन्दर यादव, अपर कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े, सहायक कलेक्टर युवराज मरमट उपस्थित रहे।

मतदान केन्द्रों में वोटर्स को हो रहा हैप्पी वोटिंग का अनुभव, की गई है व्यापक तैयारियां

रायगढ़, 17 नवंबर (देशबन्धु)। मतदाताओं को मतदान केन्द्र पर तमाम सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही मतदान केन्द्र को आकर्षक बनाने के लिए जिला प्रशासन ने विशेष प्रयास किया है। जिससे वहां वोट डालने आने वाले मतदाताओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। साथ ही वे अधिक से अधिक मतदान करने के लिए प्रेरित हो। इसी कड़ी में विधानसभा क्षेत्र रायगढ़ के आदर्श मतदान केन्द्र क्रमांक 131 छुहीपाली में व्यापक तैयारियां की गई है। यहां मतदाताओं के लिए बैठक एवं पेयजल की व्यवस्था की गयी है। पूरे केन्द्र को आकर्षक रूप में सजाया गया है। जिससे मतदाताओं को हैप्पी वोटिंग का अनुभव हो सके।

तखतपुर के 65 प्रतिशत हुआ मतदान,मतदाताओं में दिखा उत्साह

तखतपुर 17 नवंबर (देशबन्धु)। द्वितीय चरण के छत्तीसगढ़ के मतदान में तखतपुर विधानसभा में लगभग 65 प्रतिशत मतदान हुआ है इस बार विधानसभा चुनाव पहली बार काफी कसमकस रही और दोनों प्रमुख पार्टीयों ने जमकर इस चुनाव में पसीना बहाया। भले ही दोनों पार्टी अपने अपने चुनाव जीतने के दावे कर रहे है कोई सरकार के भरोसे की गारेंटी पर चुनाव जीतने की बात कह रहा है तो कोई अपने कार्यकर्ताओं की मेहनत पर चुनाव जीतने की बात कह रहे है। 3 दिसम्बर को ईवीएम खुलने पर खुलने पर पता चलेगा कि किसके भाग्य का सितारा इस बार विधानसभा के दरवाजे तक चमकेगा। तखतपुर को मंत्री या एक नया विधायक मिलेगा। इस बार तखतपुर नगरपालिका क्षेत्र में भी चुनाव पर पड़े मत प्रत्याशी की हार और जीत तय करेगी।

आज तखतपुर विधानसभा क्षेत्र में जमकर सुबह से ही मतदान केंद्रों में मतदाताओं की भीड़ रही और मतदाताओं ने उत्साह के साथ मतदान किया। तखतपुर के 20 मतदान केदो में सुबह से लेकर शाम तक लगातार वोट डालने का सिलसिला जारी रहा पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपने मत का प्रयोग किया तखतपुर में किसी भी केंद्र में विवाद की स्थिति

नजर नहीं आई और शांतिपूर्वक मतदान संपन्न हुआ पुलिस प्रशासन एवं पुलिस बल ने चाक चौबंद व्यवस्था रखी थी एवं दोनों राजनीतिक दलों ने भी सौहाद्रपूर्ण वातावरण में मतदान करने में सहयोग किया। बूथ क्रमांक 167 में 1163 मतदाता में 826, बूथ क्रमांक 168 में 835 मतदाता में 589, बूथ क्रमांक 169 में 878 मतदाता में 548, बूथ क्रमांक 170 में 780 मतदाता में 480, बूथ क्रमांक 171 में 878 मतदाता में 589, बूथ क्रमांक 172 में 682 में 449, बुथ क्रमांक 173 में 1278 मतदाता में 821, बुथ क्रमांक 174 में 606 मतदाता में 389, बूथ क्रमांक 175 में 756 मतदाता में 514, बूथ क्रमांक 176 में 895 में 514, बूथ क्रमांक 177 में 606 मतदाता में 416, बूथ क्रमांक 178 में 719 मतदाता में 523, बूथ क्रमांक 179 में 756 मतदाता में 512, बूथ क्रमांक 180 में 1103 मतदाता में 892, बूथ क्रमांक 181 में 483 मतदाता में 414, बूथ क्रमांक 182 में 948 मतदाता में 722, बूथ क्रमांक 183 में 1040 मतदाता में 752, बूथ क्रमांक 184 में 586 मतदाता में 462, बूथ क्रमांक 185 में 1396 मतदाता में 1060, बूथ क्रमांक 186 में 1130 मतदाता में 860 मतदाताओं ने मतदान किया।

योजनाओं और वादे की जीत चुनाव सम्पन्न होने के बाद तखतपुर कांग्रेस प्रत्याशी श्रीमती रश्मि आशीषसिंह ने कहा कि मुझे और प्रदेश की जनता को प्रदेश के मुखिया भूपेश बघेल की योजनाओं पर पूरा भरोसा था और इसी भरोसे पर प्रदेश की जनता ने मतदान किया है। प्रदेश की जनता योजनाओं और वादों के लाभ को देखते हुए कांग्रेस के पक्ष में मतदान करेगी।

जनता का सहयोग मिलाट्ठ भाजपा प्रत्याशी धर्मजीत सिंह ने कहा कि इस बार तखतपुर विधानसभा क्षेत्र में बदलाव आऐगा और जनता का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ है तखतपुर विधानसभा में इस बार कमल खिलेगा कार्यकर्ताओं की मेहनत रंग लाऐगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष

सुबह से शाम तक ...

मंत्री अनिला भेड़िया सरकारी गर्ल इंग्लिश मिडियम स्कूल डौंडीलोहारा में मतदान करने पहुंची। प्रथम मतदाता होने के चलते मंत्री भेड़िया का तिलक लगा कर माला पहनाकर स्वागत किया गया। मंत्री अनिला जिस स्कूल में पहली क्लास पढ़ी हैं। उसी स्कूल में मतदान की।

धमतरी के बिरेतरा में वर्तमान विधायक और भाजपा प्रत्याशी रंजना साहू मतदान केंद्र पहुंची। बिरेतरा उनका गृह ग्राम है।

अभनपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक और कांग्रेस प्रत्याशी धनेंद्र साहू ने मतदान किया। धनेंद्र साहू ने अपने गृह ग्राम तोरला के मतदान केंद्र पहुंचकर मतदान किया। उन्होंने अभनपुर विधानसभा जीत सहित प्रदेश में 75 प्लस कांग्रेस की सरकार बनाने का दवा किया है।

नेता प्रतिपक्ष और जांजगीर चाम्पा से बीजेपी प्रत्याशी नारायण चंदेल ने नैला वार्ड 3 के बूथ क्रमांक 79 में मतदान किया। मतदान के बाद जनता से मिलने उन्होंने क्षेत्र का भ्रमण किया। नारायण चंदेल ने जिले के मतदाताओ से मतदान करने का आह्वान किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और लोरमी प्रत्याशी अरुण साव ने अपनी पत्नी के साथ बिलासपुर के शेफर्ड स्कूल में मतदान किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश में पूर्ण बहुमत से बीजेपी की सरकार बन रही है।

रायपुर ग्रामीण के कांग्रेस प्रत्याशी और विधायक सत्यनारायण शर्मा अवंति विहार स्थित विजय नगर चौक में शासकीय स्कूल में करेंगे मतदान। इस दौरान सत्यनारायण शर्मा ने कहा कांग्रेस का बहुमत आएगा, कांग्रेस की काम पर जनता को भरोसा है।

सरगुजा संभाग के सीतापुर विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी और खाद्य मंत्री अमरजीत भगत ने मतदान केंद्र में पहुंचकर मतदान किया। वोट देने के बाद अमरजीत भगत ने सेल्फी पॉइंट में फोटो भी खिंचवाई।

सिहावा विधानसभा में कांग्रेस प्रत्याशी अम्बिका मरकाम ने वोट डाला। उन्होंने गृह ग्राम गट्टासिल्ली में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। अम्बिका मरकाम अपने परिवार और समर्थकों के साथ मतदान करने पहुंची।

महासमुंद से कांग्रेस प्रत्याशी डॉ। रश्मि चंद्राकर ने मतदान किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता विकास को चुनेगी और मुझे वियज बनाएंगे।

भिलाई नगर विधायक और कांग्रेस प्रत्याशी देवेंद्र यादव ने सेक्टर 5 के इंग्लिश मीडियम स्कूल में मतदान किया। देवेंद्र यादव अपनी पत्नी श्रुतिका के साथ मतदान करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा मतदाता जकरुक है फिर से कांग्रेस की सरकार बनेगी और एक नया भिलाई हम सब मिलकर बनाएंगे। भिलाई नगर विधानसभा के 167 मतदान केंद्रों में हो रहा मतदान।

बिलासपुर संभाग के कोटा विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी और छग पर्यटन मंडल अध्यक्ष अटल श्रीवास्तव ने अपनी पत्नी के साथ केन मेमोरियल स्कूल में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस दौरान अटल श्रीवास्तव ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस की लहर है, भारी बहुमत से फिर से कांग्रेस की सरकार बनेगी।

मरवाही कांग्रेस प्रत्याशी केके ध्रुव ने मतदान किया। वहीं मरवाही के जनता कांग्रेस प्रत्याशी गुलाब राज ने मतदान किया।

सक्ति विधानसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी और विधानसभा अध्यक्ष चरणदास महंत ने अपनी पत्नी सांसद ज्योत्सना महंत ने मतदान किया।

4 जगहों पर ...

मामले में अभनपुर एसडीएम तकनीकी इंजीनियर को मतदान केंद्र जल्द ही पहुंचने की बात कही है।

वहीं तखतपुर विधानसभा के बूथ क्रमांक 176 में ईवीएम मशीन खराब हुई है। मतदाता की लगी लंबी कतार लगी हुई है। ईवीएम मशीन खराब होने से बूथ क्रमांक 176 में एक भी मतदान नहीं हो सका है। जिसकी वजह से मतदाता परेशान हो रहे हैं। मतदान कर्मी ईवीएम मशीन सुधार में जुटे। भिलाई निगम के वार्ड-1 खम्हरिया के बूथ क्रमांक में मशीन खराब होने की वजह से मतदान शुरू नहीं हो पाया है। स्थानीय लोगों की माने तो 100 से ज्यादा लोग कतार में खड़े हैं। मतदान कर्मियों से मशीन भी नहीं सुधर रही थी। कोटा विधानसभा क्षेत्र के बेलगहना में भी ईवीएम खराब होने की जानकारी है। बेलगहना के बूथ क्रमांक 122 प्राथमिक शाला डोंगरी पारा में मतदान की प्रक्रिया शुरू नहीं हो पाई। जिसकी वजह से मतदान केन्द्र के सामने मतदाता परेशान नजर आए।

मतदान के प्रति बुजुर्गो में दिखा भारी उत्साह, 107 साल के श्री माधव मेहर ने किया मतदान

रायगढ़, 17 नवंबर (देशबन्धु)। जिले भर में सभी वर्ग के मतदाता मतदान करने अपने केन्द्रों में पहुंच रहे है। वहीं वरिष्ठ मतदाता भी मतदान करने में पीछे नहीं है। इसी क्रम में पुसौर के ग्राम-लोहाखान निवासी 107 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक श्री माधव मेहर मतदान केन्द्र पहुंचकर अपना अमूल्य वोट दिया। इस अवसर पर उन्हें पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया गया। इसी कड़ी में 81 वर्षीय श्री जगदीश अग्रवाल एवं 78 वर्षीय समारी धनवार ने भी पूरे उत्साह के साथ संगवारी मतदान केन्द्र गेरवानी में जाकर अपना वोट दिया एवं सेल्फी ली। विधानसभा क्षेत्र लैलूंगा की 80 वर्षीय मायावती भोय ने देलारी मतदान केन्द्र में अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

कांग्रेस पार्टी ने मुझे मुख्यमंत्री के रूप में प्रोजेक्ट नहीं किया है : सिंहदेव

बिलासपुर/अंबिकापुर, 17 नवम्बर (देशबन्धु)। उपमुख्यमंत्री और अंबिकापुर सीट से कांग्रेस के उम्मीदवार टीएस सिंहदेव ने कहा है कि उनके संपर्क में रहने वाले लोगों के मन में इस बार राज्य में कांग्रेस की जीत होने पर मुख्यमंत्री पद के लिए उनका नाम है। छत्तीसगढ़ में आज दूसरे चरण की 70 सीटों पर मतदान हो रहा है। पहले चरण का मतदान 7 नवंबर को 20 विधानसभा क्षेत्रों में हुआ था। उन्होंने कहा कि पार्टी की ओर से कभी भी मेरा नाम सीएम के लिए प्रोजेक्ट नहीं किया गया। हम संयुक्त नेतृत्व में लड़ रहे हैं और इसका नेतृत्व भूपेश बघेल कर रहे हैं। मैंने नहीं सुना कि मेरा नाम सीएम के तौर पर प्रोजेक्ट किया गया है। हां, संपर्क में रहने वाले लोगों के मन में यह बात है।

यह कहते हुए कि उनकी पार्टी राज्य पर दावा करेगी, अंबिकापुर के उम्मीदवार ने कहा, कांग्रेस जीतने जा रही है। मेरी प्राथमिकता व्यक्तियों और परिवारों की बेहतरी है, आप ईडी की पल्लू के पीछे छिपने की कोशिश क्यों कर रहे हैं? उन्होंने यह भी कहा कि लोग उस पार्टी को वोट करेंगे जिससे उनको लगेगा कि वे उनकी भलाई के लिए काम करेगी। लोग ऑपरेशन लोटस के बारे में पूछ रहे हैं। ईडी का राजनीति के लिए ग़लत इस्तेमाल किया जा रहा है। ईडी ने अपनी विश्वसनीयता खो दी है।

गौरतलब है कि चुनाव से पहले कथित तौर पर कांग्रेस को सीएम उम्मीदवार को लेकर पार्टी के भीतर परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। हालाँकि, ऐसा लगता है कि 3 दिसंबर को चुनाव के फैसले की घोषणा होने के बाद स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। वर्तमान में, भाजपा और कांग्रेस दोनों का ध्यान चुनाव जीतने और उन राज्यों को बरकरार रखने पर है, जो उनके पास सत्ता हैं। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्य में लोगों से बड़ी संख्या में मतदान करने का अनुरोध किया। राज्य में हो रहे विधानसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को दूसरे और अंतिम चरण में शेष सभी 70 सीटों पर मतदान हो रहा है। 7 नवंबर को पहले चरण में 20 विधानसभा सीटों पर मतदान हुआ था।

गुम सूचना

सर्वसाधाण को सूचित हो कि मेरा बी.एस.सी. एवं एम. एस. सी. नर्सिंग का मूल डिप्लोमा प्रमाण पत्र एवं अन्य दस्तावेज व्यापार विहार रोड तारबाहर बिलासपुर से उसलापुर जाते समय रास्ते में कहीं पर गुम हो गया है। अतः जिस किसी सज्जन को मिले निम्नलिखित पते पर पहुंचाने का कष्ट करें।

नाम – शिल्पा सिंह
पिता–शैलेन्द्र कुमार सिंह
पता– तारबहार
बिलासपुर (छ.ग.)
मो.नं. 7067631979

देश

उवाच “

तेलंगाना में मतदाताओं को कांग्रेस, भारत राष्ट्रसमिति (बीआरएस) और आल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुसलमीन (एआईएमआईएम) के गुप्त गठबंधन के खिलाफ आगाह किया। ये तीनों पार्टियां विधानसभा चुनाव में राज्य के लोगों को गुमराह करने तथा उनकी आंखों में धूल झोंकने के लिए एक दूसरे के साथ मिलकर काम कर रही हैं:- **तरूण चुग, राष्ट्रीय महासचिव भाजपा**

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	28.2	12.`
मुंबई	34.8	21.6
कोलकाता	27.7	22.9
चेन्नई	27.2	25.1

तेलंगाना विस चुनाव

कांग्रेस ने छह गारंटी समेत 37 सूत्री घोषणापत्र जारी किया

हैदराबाद, 17 नवम्बर (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 30 नवंबर को होने वाले तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए प्रदेश कांग्रेस नेताओं के साथ शुक्रवार को यहां छह गारंटी समेत 37-सूत्रीय पार्टी का घोषणापत्र 'अभय हस्तम' जारी किया। कांग्रेस ने यहां गांधी भवन में 42 पन्नों का घोषणापत्र जारी किया, जिसमें छह गारंटी और नौकरी कैलेंडर शामिल है। कांग्रेस ने कहा है कि तेलंगाना के उन लोगों की आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करने के लिए घोषणापत्र तैयार किया गया है , जो पिछले साढ़े नौ वर्षों से टीआरएस/बीआरएस सरकार के कार्यकाल में पीड़ित हैं ।

घोषणापत्र में कहा गया है कि यह 'बंगारू तेलंगाना के सपने को साकार करना' सुनिश्चित करेगा। चुनावों में जीत हासिल कर कांग्रेस पार्टी की सरकार बनने के बाद पहले ही साल में लोक सेवा आयोग और एक विशेष विभागीय भर्ती मिशन के माध्यम से दो लाख नौकरियां भरी जायेंगी तथा आवेदकों को किसी भी आवेदन शुल्क का भुगतान करने से छूट दी जायेगी। श्री खड़गे ने कहा कि उनकी पार्टी राज्य के लोगों को सामाजिक न्याय, आर्थिक सशक्तिकरण और बेलगाम प्रगति प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस मौक् पर तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस घोषणापत्र समिति के अध्यक्ष डी श्रीधर बाबू ने कहा, 'हम इस घोषणापत्र को तेलंगाना के लोगों को समर्पित कर रहे हैं जो विभिन्न समुदायों, नागरिक समाजों और व्यक्तियों से परामर्श करने और उनकी समस्याओं का विश्लेषण करने के बाद तैयार किया गया है। तेलंगाना के विविध समुदायों की आशाओं और आकांक्षाओं से प्रेरणा लेते हुए एक जीवंत, टिकाऊ और समृद्ध राज्य के लिए यह घोषणापत्र प्रस्तुत किया गया है। हम पूरे तेलंगाना के लोगों को आश्वस्त करते हैं कि एक बार कांग्रेस पार्टी सत्ता में आएगी तो निश्चित रूप से इस घोषणापत्र के हर वादे को लागू किया जायेगा और राज्य के लोगों के भविष्य को सुनहरे रास्ते पर ले जाएंगे।'

कांग्रेस ने समृद्ध राज्य के लिए घोषणापत्र जारी किया

इस मौक पर तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस घोषणापत्र समिति के अध्यक्ष डी श्रीधर बाबू ने कहा कि हम इस घोषणापत्र को तेलंगाना के लोगों को समर्पित कर रहे हैं जो विभिन्न समुदायों, नागरिक समाजों और व्यक्तियों से परामर्श करने और उनकी समस्याओं का विश्लेषण करने के बाद तैयार किया गया है।

तेलंगाना के विविध समुदायों की आशाओं और आकांक्षाओं से प्रेरणा लेते हुए एक जीवंत, टिकाऊ और समृद्ध राज्य के लिए यह घोषणापत्र प्रस्तुत किया गया है। हम पूरे तेलंगाना के लोगों को आश्वस्त करते हैं कि एक बार कांग्रेस पार्टी सत्ता में आएगी तो निश्चित रूप से इस घोषणापत्र के हर वादे को लागू किया जाएगा और राज्य के लोगों के भविष्य को सुनहरे रास्ते पर ले जाएंगे।

मोदी जनता से किए वादे पूरे करते तो आज भारत दुनिया का दूसरा विशाल देश होता: शर्मा

जयपुर, 17 नवम्बर (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री आनन्द शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर उनकी कथनी और करनी में अंतर होने का आरोप लगाते हुए कहा है कि अगर वह जनता से किए 15 लाख रूपए देने एवं दो करोड़ युवाओं को प्रतिवर्ष रोजगार देने के वादे पूर्ण किये होते तो आज भारत दुनिया का दूसरा विशाल देश होता। श्री शर्मा शुक्रवार को यहां प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भाजपा के नेता है उन्हें अधिकार है कि भाजपा के पक्ष में प्रचार करें, पर हर जगह जिम्मेदारी स्वयं लेना उचित नहीं है क्योंकि यह विशाल देश है, कन्याकुमारी से कश्मीर तक फैला हुआ है, इसलिये उन्हें पहले देश को सम्भालना चाहिये, बाद में राज्यों की जिम्मेदारी लेना चाहिये। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले किये गये वादे ही पूर्ण नहीं हुये, किन्तु प्रधानमंत्री अब विधायक के लिये वोट मांगते हुये उसकी जिम्मेदारी ले रहे हैं, क्या प्रधानमंत्री विधायक और मुख्यमंत्री का भी काम करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भाजपा के नेता है उन्हें अधिकार है कि भाजपा के पक्ष में प्रचार करें, पर हर जगह जिम्मेदारी स्वयं लेना उचित नहीं है क्योंकि यह विशाल देश है, कन्याकुमारी से कश्मीर तक फैला हुआ है, इसलिये उन्हें पहले देश को सम्भालना चाहिये, बाद में राज्यों की जिम्मेदारी लेना चाहिएः-आनन्द शर्मा

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने जो 15 लाख रूपये देने का, दो करोड़ युवाओं को प्रतिवर्ष रोजगार देने का वादा किया था, यदि पूर्ण किया होता तो आज भारत दुनिया का दूसरा विशाल देश होता। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की कथनी और

करनी में अंतर है, यह समझना जरूरी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने जो कहा है वो प्रतिबद्धता के साथ पूर्ण किया है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग काम करते हैं और कुछ लोग प्रचार करते हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान की सरकार ने जो कल्याणकारी कार्य किये हैं वे सर्वविदित है।

उन्होंने कहा कि जरूरी है कि देश तेजी से आगे बढ़े, किन्तु यह भी सत्य है कि मोदी शासन से पहले भी देश सोया हुआ नहीं था। देश पहले भी मजबूत था और मोदी के प्रकट होने से पहले भी परमाणु शक्ति बन चुका था। उन्होंने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे तब देश की अर्थव्यवस्था 2 ट्रिलियन डॉलर की थी जब हमने सरकार छोड़ी, 2004 में 480 बिलियन डॉलर जीडीपी थी देश की, इतने कम समय में अथक् मेहनत एवं सही नीतियों से देश का विकास करने से यह सम्भव हो सका।

सार संक्षेप

तेलंगाना के मंत्री पर पैसे की पेशकश करने का मामला

महबूबाबाद। तेलंगाना पुलिस ने राज्य में 3 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार के दौरान कथित तौर पर महिलाओं को पैसे की पेशकश करने के आरोप में महिला एवं बाल कल्याण मंत्री सत्यवती राठौड़ के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक सुश्री राठौड़ महबूबाबाद जिले के कोंगरागिद्दर गांव में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) उम्मीदवार शंकर नाइक के समर्थन में प्रचार कर रही थी। इसी दौरान उन पर 'मंगला हरथी' अनुष्ठान में भाग लेने वाली महिलाओं को 4 रुपए की पेशकश करने का आरोप है। फ्लाइंग क्वाड टीम (एफक्यूटी) की ओर से दायर शिकायत पर कार्रवाई करते हुए गुडूर पुलिस ने सुश्री राठौड़ के खिलाफ चुनाव नियमों के उल्लंघन के लिए भारतीय दंड संहिता की धारा 188 के साथ ही धारा 171-ई और 171-एच के तहत मामला दर्ज किया है।

माणिक सरकार ने भाजपा पर ड्रग डीलरों को शरण देने का लगाया आरोप

अगरतला। त्रिपुरा में विपक्षी मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर (भाजपा) पर असामाजिक तत्वों, ड्रग डीलरों और सीमा पार अपराधियों को शरण देने का आरोप लगाया है। माकपा ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ पार्टी के नेता प्रशासन के साथ अपनी घनिष्ठता का दुरुपयोग कर अपने अवैध व्यापार को अंजाम दे रहे हैं हालांकि, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीब भट्टाचार्य ने आरोपों से इनकार किया और कहा कि ऐसे बयान प्रेरित और अपमानजनक हैं। उन्होंने कहा, 'भाजपा कभी किसी तरह के अपराध में शामिल नहीं रही और अपराधियों के लिए पार्टी में कोई जगह नहीं है। लेकिन अगर कुछ अपराधी अपने निजी उद्देश्यों के लिए भाजपा का नाम लेते हैं, तो पार्टी इसकी जिम्मेदारी नहीं उठा सकती।

एमपी के छतरपुर में कांग्रेस पार्षद की हत्या

भोपाल। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में मतदान से पहले शुक्रवार तड़के भाजपा और कांग्रेस समर्थकों के बीच झड़प के दौरान एक पार्षद की कथित तौर पर मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मृतक की पहचान खजुराहो के मंजूर नगर गांव के निवासी सलमान खान के रूप में हुई, जिसे कथित तौर पर भाजपा उम्मीदवार अरविंद पटेरिया और उनके समर्थकों से जुड़े वाहनों ने कुचल दिया था। घटना के वक्त पीड़ित के साथ छतरपुर सीट से कांग्रेस प्रत्याशी विक्रम सिंह नातीराजा भी थे। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटना राजनगर विधानसभा क्षेत्र में रात करीब 2 बजे हुई।

बीआरएस के दस साल के शासन में एक दिन भी कर्फ्यू नहीं लगा: केसीआर

करीमनगर, 17 नवम्बर (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री श्री के चंद्रशेखर राव ने शुक्रवार को करीमनगर में आयोजित आशीर्वाद सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार के पचास वर्षों के दौरान पुराने करीमनगर जिले में एक भी सरकारी कॉलेज नहीं खुला। लेकिन बीआरएस शासन के दौरान चार सरकारी मेडिकल कॉलेज खुल चुके हैं। इसी दस वर्षों के शासन में तेलंगाना प्रति वर्ष दस हजार डॉक्टर पैदा करने की क्षमता तक पहुंच गया है। बीजेपी ने तेलंगाना को एक भी नवोदय स्कूल नहीं दिया है। लोगों को भाजपा को एक भी वोट नहीं देना चाहिए जिसने एक भी मेडिकल कॉलेज या एक नवोदय विद्यालय नहीं दिया। बीआरएस सरकार के दस साल तक शासन में एक दिन के लिए भी कर्फ्यू नहीं लगा। मुख्यमंत्री केसीआर ने कहा कि कांग्रेस वह पार्टी है जिसने तेलंगाना राज्य आंदोलन का नेतृत्व करते समय 400 लोगों की हत्या कर दी थी। 2004 में कांग्रेस राज्य में तेलंगाना देने के लिए चुनाव में हमारे साथ गठबंधन करके केंद्र और राज्य में सत्ता में आई और तेलंगाना नहीं देकर धोखा दिया। मुझे अलुगुनूर चौराहे पर गिरफ्तार कर लिया गया और खम्मम जेल ले जाया गया। करीमनगर की धरती तेलंगाना आंदोलन में सबसे आगे थे।

मुख्यमंत्री केसीआर ने कहा कि जब बी विनोद कुमार सांसद थे तो इसी करीमनगर कस्बे को स्मार्ट सिटी बनाया गया था। इन पांच सालों में वर्तमान बीजेपी सांसद ने क्या किया? देश में बेरोजगारी, गरीबी है, दलित, आदिवासी और बीसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। बीआरएस सरकार ने एससी, एसटी, बीसी और अल्पसंख्यकों के लिए 1019 आवासीय विद्यालय स्थापित किए हैं। उन्हें जूनियर कॉलेज बना दिया गया है। गुरुकुलों के बच्चों को नीट, मेडिकल और आईआईटी में सीटें मिल रही हैं। लोगों को उन लोगों पर ध्यान देना चाहिए जो राज्य को प्रगतिशील तरीके से प्रगति के पथ पर ले जा रहे हैं। इस बार करीमनगर में मेरा अनुरोध है कि विकास अवरोधकों को हटा दिया जाए। बीआरएस सरकार में जिस तरह बथुकम्मा और दशहरा त्योहार मनाया जाता है, उसी तरह हम रमजान त्योहार भी मना रहे हैं।

भाजपा ने बीआरएस, कांग्रेस, एआईएमआईएम के गुप्त गठबंधन के खिलाफ मतदाताओं को किया आगाह

हैदराबाद, 17 नवम्बर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तरूण चुघ ने शुक्रवार को तेलंगाना में मतदाताओं को कांग्रेस, भारत राष्ट्र समिति(बीआरएस) और आल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुसलमीन (एआईएमआईएम) के गुप्त गठबंधन के खिलाफ आगाह किया। श्री चुघ ने अपने बयान में कहा कि ये तीनों पार्टियां विधानसभा चुनाव में राज्य के लोगों को गुमराह करने तथा उनकी आंखों में धूल झोंकने के लिए एक दूसरे के साथ मिलकर काम कर रही हैं। यह एक धोखा है कि तीनों पार्टियां अलग-अलग चुनाव लड़ रही हैं। दरअसल उनके पास भाजपा को किनारे रखने और राज्य के मतदाताओं को गुमराह करने की साझा योजना है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से बीआरएस सुप्रीमो एवं मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने दो विधानसभा सीटों से चुनाव लड़ने का फैसला किया है और उनमें से एक सीट तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने खाली की है, जोकि स्पष्ट रूप से दोनों पार्टियों के बीच मिलीभगत को दर्शाती है। उन्होंने याद दिलाया कि कैसे एआईएमआईएम ने विभाजन के बाद के दिनों में हिंदुओं के खिलाफ विभाजनकारी भूमिका निभाई थी और अब उसी पार्टी ने राज्य में हिंदू विरोधी ताकतों से हाथ मिला लिया है। उन्होंने जनता आह्वान किया कि वे इस खेल को समझें और भाजपा को भारी वोट देकर अपना समर्थन दें।

राजस्थान में मोदी को नहीं मिल रहा है जनता का समर्थन: पायलट

टोंक, 17 नवम्बर (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा है कि विधानसभा चुनाव प्रचार में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जनता का समर्थन नहीं मिल पा रहा है। टोंक से कांग्रेस प्रत्याशी श्री पायलट ने शुक्रवार को मीडिया से रूबरू होते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि भाजपा का नेतृत्व अब कर रहा है चिंता, क्योंकि भाजपा का स्थानीय नेतृत्व के कैम्पन में दम नहीं रहा है। दिल्ली के नेता आ रहे है, सब मंत्री-सन्तरी प्रधानमंत्री भी आ रहे हैं, फिर भी उन्हें जनता का कोई समर्थन नही मिल रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भाजपा के नेता है उन्हें अधिकार है कि भाजपा के पक्ष में प्रचार करें, पर हर जगह जिम्मेदारी स्वयं लेना उचित नहीं है क्योंकि यह विशाल देश है, कन्याकुमारी से कश्मीर तक फैला हुआ है, इसलिये उन्हें पहले देश को सम्भालना चाहिये, बाद में राज्यों की जिम्मेदारी लेना चाहिएः-आनन्द शर्मा

उन्होंने कहा उन्हें पूरा विश्वास है पब्लिक पर पूरा भरोसा है, इस बार फिर कांग्रेस पार्टी की राजस्थान में सरकार बनेगी। मध्यप्रदेश में चुनाव के दौरान हिंसा की खबरों पर श्री पायलट ने कहा कि निर्वाचन विभाग सख्त कार्रवाई करेगा, शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हिंसा की कोई जगह नही है, हर व्यक्ति को अपने मत का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि राजस्थान में बहुत अच्छे माहौल में चुनाव सम्पन्न होंगे। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र हमारे देश मे एक पर्व की तरह होता है, सबको अधिकार है वोट डालने का, शांतिपूर्ण तरीके से मतदान हो, हार-जीत जनता तय करती है।

भारत को वैश्विक महाशक्ति और अत्मनिर्भर बनाने का सपना केवल भाजपा ही कर सकती है पूरा: गडकरी

जयपुर, 17 नवंबर (वार्ता) केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने दावा करते हुए कहा है कि देश को वैश्विक महाशक्ति बनाने और आत्मनिर्भर भारत का सपना केवल भाजपा ही पूरा कर सकती है। श्री गडकरी ने शुक्रवार को जयपुर के झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी एवं सांसद कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ के समर्थन में चुनावी सभा को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा अपने लिए नहीं बल्कि देश के लिए काम करते हुए वह देश के हर एक नागरिक की मजबूती के लिए काम करती है। इसलिए इस चुनाव से ना केवल राजस्थान का बल्कि भारत का भी भाग्य बदलने वाला है। उन्होंने जनता से भाजपा के पक्ष में अधिक से अधिक मतदान करने की अपील भी की। कर्नल राठौड़ ने आज हाथोज, माचवा, चम्पापुरा, रूंझया मोड़, इंदिरा कॉलोनी, भरत अपार्टमेंट, टैगोर नगर, करणी पैलेस, सिरसी मोड़, सिवार, बिन्दायका, मुकुंदपुरा, नटलालपुरा, श्रीरामपुरा, मीणा वाला, धाभास में जनसंपर्क कर जनता से भाजपा के पक्ष में वोट मांगे। उन्होंने कहा कि एक और जहां केन्द्र में भाजपा की मोदी सरकार लगातार देश को मजबूत बनाने का काम कर रही है, वहीं प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने पिछले पांच साल कुर्सी बचाने के लिए भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण किया। उन्होंने आरोप लगाते हुए भ्रष्टाचार के चलते सरकार ने जनता की मेहनत की कमाई को जमकर लूटा, प्रदेश में विकास कार्य ठप रहे, भ्रष्टाचार से बनी सड़के पहली बरसात में ही बह गई और प्रदेश की जनता तक पीने का पानी भी नहीं पहुंच पाया।

मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ में कांग्रेस भारी बहुमत के साथ आ रही है सत्ता में : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 17 नवम्बर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ (दूसरे चरण) में मतदान के साथ, पूर्व कांग्रेस प्रमुख राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि सबसे पुरानी पार्टी दोनों राज्यों में भारी बहुमत के साथ आगे बढ़ रही है और उन्होंने लोगों से भी आग्रह किया कि अपने मताधिकार का प्रयोग करें। राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस प्रचंड बहुमत के साथ आगे बढ़ रही है। अपने घरों से बाहर निकलें, आज भारी संख्या में मतदान करें और ऐसी कांग्रेस सरकार चुनें जिस पर गरीब, किसान, महिलाएं और युवा भरोसा करें।' उन्होंने छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में कांग्रेस के वादों पर एक मिनट का वीडियो भी शेयर की। पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने एक्स पर एक पोस्ट

में कहा, 'आज चुनाव है और मुझे पूरा विश्वास है कि मध्य प्रदेश की जनता घोटालों, झूठ, लोगों को आपस में लड़ाने की साजिशों और कुर्सी को जागीर समझने की मानसिकता को कड़ा सबक सिखाएगी।' उन्होंने कहा, 'लोग हमें बेहद प्यार और समर्थन दे रहे हैं।' मुझे राहत है कि अठारह साल का कुशासन खत्म होने वाला है और मध्य प्रदेश में सच बोलने वाली, जनता की बात सुनने वाली, प्रेम और शांति के रास्ते पर चलने वाली कांग्रेस सरकार आने वाली है।' उन्होंने कहा, 'लेकिन आपके प्यार का आकलन साधारण बहुमत से नहीं होगा। हमारी सरकार को एक विशाल और व्यापक जनादेश की आवश्यकता है, जिसकी प्रतिध्वनि आपके प्यार और उत्साह से ही हो रही है। आज अपने मन के तूफान को वोट में बदल दीजिये। हमें इतनी सीटें जिताकर विधानसभा में भेजें कि कोई हमारी सरकार चुराने या हाईजैक करने का सपने में भी न सोच सके।

मोदी झूठ का जगतगुरु: रमेश

अजमेर। अखिल भारतीय कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए उन्हें झूठ का जगतगुरु करार दिया है। श्री रमेश ने शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में कहा कि राजस्थान विधानसभा चुनाव में भाजपा का घोषणा पत्र झूठ का पुलिंदा है और भाजपा के घोषणा पत्र में कम से कम 20 झूठ हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान चुनाव चेहरे का नहीं बल्कि विरोधी विचारधारा का चुनाव है। उन्होंने राज्य में गहलोत सरकार 500 रूपए में सभी को सिलेंडर उपलब्ध करा रही है जबकि भाजपा के घोषणा पत्र में उज्जवला योजना के लाभार्थियों को 450 में सिलेंडर दिये जाने की बात कही गई जो गुमराह करती है। उन्होंने कहा कि अन्य योजनाओं के लिये भी भाजपा अब 'मोदी गारंटी' का सहारा ले रही है जबकि राजस्थान की गहलोत सरकार 'नई सात गारंटी' के साथ चुनावी मैदान में है और इन गारंटी को सरकार बनने के पहले ही दिन से लागू किया जायेगा। उन्होंने कहा कि जनकल्याण योजना और गारंटी राहत के दम पर जनादेश मांगा जा रहा है और दावा है कि राजस्थान में कांग्रेस की सरकार बहुमत से बनेगी। उन्होंने भाजपा नेताओं पर ध्रुवीकरण करने का भी आरोप लगाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री स्वयं कांग्रेस से घबरा रहे हैं, बौखला रहे हैं और मतदान का बटन फांसी की सजा मिलने की तरह दबाने का बयान दे रहे हैं।

मतदान के प्रति बुजुर्गों में भी दिखा उत्साह, 96 वर्ष की सजनबाई ने मतदान केन्द्र में जाकर किया मतदान

भोपाल, 17 नवम्बर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए आज मतदान में बुजुर्गों में भी मतदान के प्रति भारी उत्साह देखने को मिला। सोनकच्छ विधानसभा के भौंरासा की 96 वर्ष की सजनबाई ने मतदान केन्द्र में जाकर मतदान किया। उन्होंने मतदान केन्द्र पर बनाये गये सेल्फी पाईंट पर उत्साह से फोटो भी खिचवायी। मतदाताओं की सुविधा के लिए जिले में सभी मतदान केन्द्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थी। मतदान केन्द्रों पर रैम्प, पीने के पानी, लाइट, शौचालय, दिव्यांगजन सुगमतापूर्वक मतदान कर सके, इसके लिए व्हील चेयर की व्यवस्था की गई। जिले में आदर्श और पिंक मतदान केन्द्रों मे निर्वाचन आयोग द्वारा दिये निर्देशानुसार व्यवस्थाए की गई थी। आदर्श मतदान केंद्रों पर स्वागत द्वार बनाए गए। मतदाताओं का स्वागत रेड कारपेट से किया। मतदान केंद्रों पर बैठक व्यवस्था व अन्य व्यवस्थाएं भी की गयी।

मध्य प्रदेश में बड़ी संख्या में लोग वोट डाल रहे हैं: चुनाव आयोग

भोपाल। 230 सदस्यीय मध्य प्रदेश विधानसभा में एकल चरण के चुनाव के लिए शुक्रवार सुबह 7 बजे से मतदान जारी है।चुनाव आयोग ने कहा, 'बड़ी संख्या में लोग वोट डाल रहे हैं।' मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, जो सीहोर जिले के अपने गृह नगर बुधनी से चुनाव लड़ रहे हैं, ने अपनी पत्नी साधना सिंह और बेटे कार्तिकेय चौहान के साथ वोट डाला। बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने अपनी पत्नी आशा विजयवर्गीय के साथ इंदौर-1 में वोट डाला। विजयवर्गीय इंदौर-3 सीट से कांग्रेस विधायक संजय शुक्ला के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। वह 10 साल बाद चुनाव लड़ रहे हैं। राज्य के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा और केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद पटेल, जो क्रमश: दतिया और नरसिंहपुर विधानसभा क्षेत्रों से चुनाव लड़ रहे हैं, ने परिवार के सदस्यों के साथ मतदान किया। पूर्व मुख्यमंत्री और मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ, जो अपने गढ़ छिंदवाड़ा से चुनाव लड़ रहे हैं, ने अपने बेटे और छिंदवाड़ा-इंदवारा सांसद नकुल नाथ के साथ वोट डाला।

निर्वाचन आयोग द्वारा दिये निर्देशानुसार आदर्श और पिंक मतदान केन्द्रों में व्यवस्थाए की गयी।

मतदान केन्द्रों पर बनाये गये सेल्फी पाईंट पर मतदाता मतदान के बाद सेल्फी ले रहे हैं। मतदाताओं की सुविधा के लिए जिले में सभी मतदान केन्द्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं की गई। मतदान केन्द्रों पर रैम्प, पीने के पानी, लाइट, शौचालय, दिव्यांगजन सुगमतापूर्वक मतदान कर सके, इसके लिए व्हील चेयर की व्यवस्था की गयी। जिले में आदर्श और पिंक मतदान केन्द्रों मे निर्वाचन आयोग द्वारा दिये निर्देशानुसार व्यवस्थाए की गयी। आदर्श मतदान केंद्रों पर स्वागत द्वार बनाए गए।

मतदाताओं का स्वागत रेड कारपेट से किया।

देवास जिले के बुजुर्गों में भी मतदान के प्रति भारी उत्साह देखने को मिला। नगर परिषद खातेगांव के पोलिंग बूथ 176 मंडी प्रांगण में जाकर 103 वर्षीय मांगीलाल बेनीवाल ने मतदान किया। मतदाताओं की सुविधा के लिए जिले में सभी मतदान केन्द्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं की गई। मतदान केन्द्रों पर रैम्प, पीने के पानी, लाइट, शौचालय, दिव्यांगजन सुगमतापूर्वक मतदान कर सके, इसके लिए व्हील चेयर की व्यवस्था की गयी।

भाजपा ने चुनाव आयोग से की दिमनी विधानसभा में फर्जी मतदान और उपद्रव की शिकायत

भोपाल। मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी के प्रतिनिधि मंडल ने चुनाव आयोग में मुरैना जिले के दिमनी विधानसभा क्षेत्र में कई मतदान केंद्रों पर फर्जी मतदान और उपद्रव किए जाने की शिकायत चुनाव आयोग से करते हुए त्वरित कार्रवाई की मांग की है। पार्टी की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार ज्ञापन में भाजपा प्रतिनिधि मंडल ने कहा है कि मुरैना जिले के दिमनी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी नरेंद्र सिंह तोमर द्वारा अपने निर्वाचन अभिकर्ता के माध्यम से जिला निर्वाचन अधिकारी मुरैना को विधानसभा क्षेत्र में कई मतदान केंद्रों पर फर्जी मतदान और उपद्रव की शिकायत की गई है। प्रतिनिधि मंडल ने मतदान केंद्रों पर उपद्रव करने व फर्जी मतदान करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

अभिमत

मुफ्त खाद्यान्न और चुनावी वादे

डॉ.अजीत रानाडे

स महीने की शुरुआत में एक चुनावी रैली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की थी कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के रूप में जानी जाने वाली मुफ्त भोजन योजना को पांच साल तक बढ़ाया जाएगा। इस घोषणा का अनुमोदन अभी कैबिनेट में होना है। यह योजना अपने वर्तमान स्वरूप में पिछले कैबिनेट निर्णय के अनुसार दिसंबर 2023 में समाप्त होने वाली है। उम्मीद थी कि कैबिनेट के अनुमोदन के बाद यह योजना अब इसे दिसंबर से आगे पांच साल तक बढ़ा दी जाती पर खाद्य मंत्रालय का आदेश एक वर्ष की अवधि का उल्लेख करता है। इसके तहत भारत की 81.4 करोड़ लोगों को प्रति माह प्रति व्यक्ति पांच किलो मुफ्त राशन प्रदान दिया जाता है। पीएमजीकेएवाई का आरंभ कोविड-19 महामारी के दौरान खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे परेशान परिवारों को आपातकालीन राहत प्रदान करने के लिए किया गया था। इसे 2013 में पारित पहले से मौजूद खाद्य सुरक्षा कानून (राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम) के साथ जोड़ा गया था, जो पात्र परिवारों को अत्यधिक सब्सिडी वाले खाद्यान्न प्रदान करता था, जिसमें ग्रामीण भारत का दो तिहाई और शहरी भारत का आधा हिस्सा शामिल था।

खाद्य सुरक्षा कार्यकर्ताओं के एक दशक से अधिक लंबे अभियान के बाद एनएफएसए को संसद में पारित किया गया था जो भुखमरी और भूख के साथ सह-अस्तित्व वाले सरकारी अनाज भंडार में एकाधिकार खरीद योजना के कारण अनाज के बढ़ते स्टॉक से चिंतित थे। कोविड के दौरान सरकार ने एनएफएसए के तहत पात्रता को दोगुना कर दिया और दोगुना आबंटन पूरी तरह से मुफ्त कर दिया। इसलिए 'अत्यधिक सब्सिडी' में मिलने वाले यानी क्रमशः 3, 2 और 1 रुपये प्रति किलो वाले चावल, गेहूं और मोटे अनाज लाभार्थियों को पूरी तरह से मुफ्त में मिलने लगे। इस सीमा तक सरकार पर वृद्धिशील राजकोषीय बोझ कम था क्योंकि अनाज पर वैसे भी अत्यधिक सब्सिडी दी जा रही थी। यह मुफ्त अनाज योजना ही है जिसने बड़ी संख्या में परिवारों को उच्च खाद्य मुद्रास्फीति से सुरक्षा दी है। यदि इसके बजाय प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के रूप में एक निश्चित राशि दी जाती है तो खाद्यान्न की बढ़ती लागत उन्हें तेजी से अवहनीय बना देगी।

पीएमजीकेएवाई (जिसका नाम कोविड के पहले आवश्यक एनएफएसए प्लस समान आबंटन था) को चार चरणों में कई बार विस्तारित करने के बाद सरकार ने अतिरिक्त घटक (जिसने पात्रता को दोगुना कर दिया था) को बंद करने का फैसला किया और अब केवल एनएफएसए कानून द्वारा गारंटीकृत घटक देता है। लेकिन इसकी कीमत 3, 2 या 1 रुपये तय करने के बजाय यह पूरी तरह फ्री हो गई है और एनएफएसए का नाम बदलकर (शायद अनौपचारिक रूप से) पीएमजीकेएवाई कर दिया गया है। अब एक चुनावी रैली के दौरान प्रधानमंत्री की घोषणा के कारण इसने एक चुनावी वादे को पूरा करने की छवि हासिल कर ली है। लेकिन अगर कैबिनेट वैसे भी 'मुफ्त' योजना को पांच साल तक बढ़ाने जा रही थी तो आदर्श आचार संहिता खत्म होने तक इंतजार क्यों नहीं किया गया? ऐसा प्रतीत होता है कि सत्तारूढ़ दल को ऐसी योजना के लिए श्रेय लेने में अनुचित लाभ मिलता है जिसे जल्द ही कैबिनेट द्वारा पारित किया जाना चाहिए था।

इससे संबंधित कई मुद्दे हैं जिन पर चर्चा करने और बोलने की जरूरत है। सबसे पहले, यह निर्णय देश के भविष्य के राजस्व के कम से कम 110 खरब रुपये की प्रतिबद्धता को व्यक्त करता है। क्या यह आर्थिक रूप से टिकाऊ है? क्या मुफ्त देने के बजाय अनाज की कीमतों को थोड़ा अधिक बढ़ाया नहीं जा सकता है? यहां तक कि एनएफएसए में भी कीमतों में संशोधन की परिकल्पना की गई थी। 2015 से 2022 के दौरान औसत खाद्य मूल्य सूचकांक में 45 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और इसमें भी सिर्फ गेहूं की कीमतों में वृद्धि अधिक हो सकती है। सरकार को विभिन्न प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए करीब 10 करोड़ टन अनाज की वार्षिक खरीद का प्रबंधन करना होगा। अनाज मंडी के खरीद पक्ष पर इतना बड़ा एकाधिकारवादी हस्तक्षेप स्थिति को अत्यधिक बिगाड़ने वाला साबित होगा। भंडारण और वितरण के बोझ के बारे में तो बात नहीं करते हैं। इसके अलावा गेहूं और चावल के न्यूनतम समर्थन मूल्य का बोझ बढ़ता रहेगा। क्या खरीद का विकेन्द्रीकरण किया जा सकता है और इसे राज्यों को दिया जा सकता है? क्या कुछ योजनाओं को नकद के प्रत्यक्ष हस्तांतरण द्वारा प्रतिस्थापित किया जा सकता है?

दूसरा मुद्दा भूख और कुपोषण के बारे में है। वार्षिक ग्लोबल हंगर इंडेक्स रैंकिंग में भारत को मिलने वाले खराब रैंक पर भारतीय अधिकारियों को आपत्ति है। वे शिकायत करते हैं कि सूचकांक बच्चों के शारीरिक विकास और बौनेपन को अनुचित महत्व देता है और यह कि भारत में कुपोषण की समस्या है, भूख की समस्या नहीं। शब्दार्थ को छोड़ दें तो निश्चित रूप से सरकारी नीति में केवल अनाज पर ही नहीं बल्कि सूक्ष्म पोषक तत्वों, दूध, अंडे या मांस के रूप में प्रोटीन के संतुलित सेवन और मध्याह्न भोजन कार्यक्रम को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। नीति आयोग ने बहु-आयामी दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए अनुमान लगाया है कि गरीबी 15 प्रतिशत से नीचे आ गई है। यदि ऐसा है तो फिर 58 प्रतिशत भारतीयों को मुफ्त भोजन क्यों मिल रहा है? या यहां तक कि अगर उनकी खाद्य सुरक्षा की जरूरतों को पूरा करना है, तो क्या यह प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण द्वारा बेहतर नहीं होगा?

तीसरा मुद्दा यह है कि क्या हमें खाद्य और पोषण सुरक्षा के संबंध में लक्ष्य केन्द्रीत दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। एनएफएसए राशन वितरण, दुकानों की सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से लागू किया जाता है और सार्वभौमिक बन गया है।

वास्तव में पहले संस्करण में एनएफएसए को केवल 100 सबसे पिछड़े जिलों में लागू किया जाना था। इसे चुनावी हथकंडे के रूप में पूरे देश में लागू किया गया। 1960 के दशक से लागू मूल पीडीएस को 1990 के दशक के मध्य में लक्षित पीडीएस (टीपीडीएस) के साथ बदलकर सुधार करने की मांग की गई थी। लेकिन इसके लिए केंद्र सरकार के संसाधनों का उपयोग करते हुए देश के कुछ (पिछड़े) क्षेत्रों का पक्ष लेने के लिए कठोर राजनीतिक निर्णयों की आवश्यकता है। चूंकि प्रमुख रूप से उत्तरी राज्यों और हिंदी बेल्ट में अधिक पिछड़ापन है इसलिए इस तरह का लक्ष्य केन्द्रित दृष्टिकोण अंतर-राज्य निष्पक्षता और संघवाद को सहकारी और निष्पक्ष तरीके का मार्गदर्शन करने जैसे जटिल मुद्दों को उठाता है। बहरहाल यह तय है कि सार्वभौमिक एनएफएसए में कुछ सुधार करने की आवश्यकता है।

चौथा मुद्दा यह है कि क्या यह खाद्य सुरक्षा प्रणाली में व्यापक आमूलचूल परिवर्तन का समय है। एकाधिकार खरीद प्रणाली का उद्देश्य तीन उद्देश्यों को पूरा करना है- किसानों को (समय-समय पर संशोधित न्यूनतम समर्थन मूल्य के माध्यम से) पर्याप्त मूल्य का भुगतान, गरीब परिवारों को (उनके राशन पात्रता के माध्यम से) खाद्य सुरक्षा और (कीमतों पर नीचे की ओर दबाव डालने के लिए बाजार में आवधिक थोक बिक्री के माध्यम से) खाद्य मूल्य स्थिरता।

मतलब एक तीर से तीन शिकार। इसके कारण कई समस्याएं उत्पन्न होती हैं। जैसे कि पंजाब में गहन रासायनिक खेती जो अप्रत्यक्ष रूप से पराली जलाने से जुड़ी हुई है। उच्च भंडारण लागत और परिणामस्वरूप नुकसान। राउंड ट्रिपिंग की प्रवृत्ति, जहां व्यापारियों को अनाज सस्ते में खरीदने और बाद में उच्च खरीद कीमतों पर सरकार को फिर से बेचने के लिए प्रोत्साहन मिलता है। 1990 के दशक के बाद के दशकों में प्रौद्योगिकी और अधिक हस्तक्षेप सतर्कता के साथ कुछ समस्याओं को हल किया गया है। लेकिन यह एक भयावह समस्या बनी हुई है जिसके समाधान की आवश्यकता है।

(लेखक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री हैं। सिंडिकेट : दी बिलियन प्रेस)

राउंड ट्रिपिंग की प्रवृत्ति, जहां व्यापारियों को अनाज सस्ते में खरीदने और बाद में उच्च खरीद कीमतों पर सरकार को फिर से बेचने के लिए प्रोत्साहन मिलता है। 1990 के दशक के बाद के दशकों में प्रौद्योगिकी और अधिक हस्तक्षेप सतर्कता के साथ कुछ समस्याओं को हल किया गया है। लेकिन यह एक भयावह समस्या बनी हुई है जिसके समाधान की आवश्यकता है।

बीता सप्ताह

11 नवंबर
- आईसीसी, सीआरपी व साक्ष्य में बदलाव करने गृह मामलों की स्थायी समिति ने राज्य सभा के सभापति जगदीप धनकड़ को सौंपी रिपोर्ट।
- पुर्तगाल के राष्ट्रपति मार्सेलो रेबेलो चुनाव कराने की घोषणा की।
- रूस में गायब हुआ ए एन-2 विमान रूस के चुकोतका में मिला।
- विदेशी मुद्रा भंडार 4.7 अरब डॉलर से बढ़कर 590.8 रुपए डॉलर हुआ।

12 नवंबर
- भारत दुनिया के मुकाबले नवंबर 21 से अक्टूबर 23 तक तीन गुना तापमान बढ़ा। हर महीना इतिहास का सबसे गर्म महीना रहा।
- दीपोत्सव पर अयोध्या नगरी में 24 लाख दीए जलाए गए।
- पूर्वी इंडोनेशिया में मालकु में 6.2 रिएक्टर तीव्रता वाला शक्तिशाली भूकम्प आया।
- उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू करने जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में विशेषज्ञ समिति गठित की गई।

14 नवंबर
- मणिपुर में हुई हिंसा के मद्देनजर 9 मैतेई उग्रवादी संगठनों पर गृह मंत्रालय ने प्रतिबंध लगाया।
- मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के नेता वासुदेव आचार्य का निधन हो गया।
- ब्रिटेन मंत्रिमंडल में हुआ बड़ा उलटफेर। गृहमंत्री सुएला बेवरमैन को बर्खास्त किया गया।
- पाकिस्तानी गेंदबाजी कोच मोर्ने मेर्विल ने पुरुष टीम की गेंदबाजी कोच से इस्तीफा दे दिया।

15 नवंबर
- देश के प्रसिद्ध होटल व्यवसायी पृथ्वी राज सिंह (पीआरएस) ओबेरॉय का निधन हो गया।
- दिल्ली में 42वां अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला शुरु हुआ।
- संसदीय समिति पैनल ने सरकार से सिफारिश की है कि -व्यभिचार को फिर अपराध की श्रेणी में लाया जाए।
- अमेरिकी राष्ट्रपति पद के चुनाव की दौड़ में दक्षिण कैरोलिना के रिपब्लिकन सिनेटर टिम स्कॉट बाहर हो गए।

16 नवंबर
- जम्मू-कश्मीर के डोडा क्षेत्र में सड़क हादसे में 36 लोगों की मौत हो गई।
- भारतीय क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड को हराकर विश्व कप सेमीफाइनल में कदम रखा।
- साहित्य अकादमी के वृत्तचित्र को मणिपुर राज्य फिल्म पुरस्कार-2023 प्रदान किया गया।
- मिलावटी खाद्य पदार्थ बेजने वाले को 6 माह की जेल व न्यूनतम 25 हजार रुपए जुर्माना होगा-संसदीय समिति ने सिफारिश की।

17 नवंबर
- मध्यप्रदेश की 230 और छत्तीसगढ़ के 70 सीटों के लिए मतदान हुआ।
- रूस के सेंट पीट्सबर्ग में खुलेगा अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक मंच।
- चीन के शाक्सी प्रांत के एक इमारत में आग लगने से 26 लोगों की मौत हो गई।
- दक्षिण कोरिया में गैस रिसाव से एक रेस्तरां में पांच नागरिक घायल हो गए।

प्रौद्योगिकी संस्थान में भी असुरक्षित हैं महिलाएं

■ संदीप पाण्डेय

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय' के 'भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान' में इस समय तूफान बरपा हुआ है। 1-2 नवम्बर की रात डेढ़ बजे परिसर के अंदर एक छात्रा को उसके पुरुष सहपाठी से अलग कर तीन मोटरसाइकिल सवारों ने उसका चुम्बन ले उसे निर्वस्त्र कर मोबाइल पर उसकी तस्वीर खींची। छात्रा के मजिस्ट्रेट व विवेचना अधिकारी के सामने दिए गए बयान के बाद अज्ञात अभियुक्तों के खिलाफ सामूहिक बलात्कार की धारा भी मुकदमे में जोड़ दी गई है। बताया जा रहा है कि कुछ दिनों पहले एक अन्य छात्रा के साथ भी ऐसी दुर्घटना हुई थी। छात्र-छात्राओं के जबरदस्त विरोध के बाद विश्वविद्यालय व जिला प्रशासन 'भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान' की सीमा पर एक दीवार खड़ी करने की सोच रहे हैं।

इसको लेकर विश्वविद्यालय के अन्य विभागों के छात्र-छात्रा नाराज हैं। उनका सवाल है कि क्या विश्वविद्यालय में अन्य छात्राएं नहीं हैं जिनकी सुरक्षा की चिंता भी होनी चाहिए? फिर सवाल तो यह भी है कि विश्वविद्यालय के बाहर गांवों या वाराणसी शहर में रहने वाली लड़कियों को क्यों छोड़ा जाए? क्या इन सभी की सुरक्षा की चिंता नहीं होनी चाहिए? क्या प्रौद्योगिकी संस्थान के बाहर की लड़कियों को छेड़ने वालों के लिए छोड़ दिया जाएगा? और यह भी सवाल है कि प्रौद्योगिकी संस्थान के अंदर क्या यह सम्भव नहीं कि किसी लड़की या महिला का किसी पुरुष प्रोफेसर, कर्मचारी या छात्र द्वारा यौन शोषण हो?

जो आपराधिक मानसिकता के लोग हैं उनसे तो आपराधिक न्याय व्यवस्था को ही निपटना पड़ेगा, लेकिन समाज में ऐसे सुरक्षा के कवच बनाने होंगे कि महिलाएं अपने को सुरक्षित महसूस कर सकें। सार्वजनिक स्थानों पर सशक्त महिलाओं की उपस्थिति बढ़ने से यौन शोषण और मुश्किल होगा, किन्तु मुख्य बात है कि डॉ. राम मनोहर लोहिया ने अपनी 'सप्त क्रांति' में पहले स्थान पर नर-नारी समानता का जो सपना देखा था उसे साकार करना होगा।

'काशी हिन्दू विश्वविद्यालय' के 'चिकित्सा संस्थान' में 2012 में एक प्रोफेसर को छात्रा के यौन शोषण के आरोप में समय से पहले सेवानिवृत किया गया था। इस तरह की और भी दुर्घटनाएं इस विश्वविद्यालय परिसर में हो चुकी हैं। 2017 में एक छात्रा के यौन शोषण के बाद विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर लड़कियों द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन पर कुलपति गिरीशचंद्र त्रिपाठी ने पुलिस से लाठी चलवाई तो उन्हें लम्बी छुट्टी पर भेजकर उन्हें सेवानिवृत किया गया।

इसी वर्ष 22 मई को एक महिला दलित सहायक प्रोफेसर ने आरोप लगाया है कि उसके विभाग के ही दो प्रोफेसरों, जिनमें एक महिला है, व दो छात्रों ने उसका यौन शोषण किया जिसकी प्राथमिकी पुलिस ने 27 अगस्त को तब दर्ज की जब इस महिला ने अनुसूचित जाति आयोग, शिक्षा मंत्रालय व मुख्यमंत्री, आदि कई जगह शिकायत की।

2014 में 'काशी हिन्दू विश्वविद्यालय' के 'भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान' के सिविल अभियांत्रिकी विभाग की अंतिम वर्ष की एक छात्रा ने विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर जो विभागाध्यक्ष व डीन भी रहे, पर आरोप लगाया कि उन्होंने उसे पहले परिसर स्थित मंदिर पर चाय पिलाई, फिर विश्वविद्यालय के बाहर लंका बाजार में लस्सी पिलाने के बहाने अपने नए बन रहे घर ले गए और वहां उसका चुम्बन लेने और घर के अंदर ले जाने की कोशिश की। संस्थान की 'महिला शिकायत प्रकोष्ठ' द्वारा जांच में शिकायत सही पाए जाने पर निदेशक ने इन प्रोफेसर की सेवा निवृति उपरांत नियुक्ति को रद्द किया। यानी कि प्रौद्योगिकी संस्थान की लड़कियां संस्थान में ही सुरक्षित नहीं तो दीवार बनाकर क्या होगा?

छात्राओं को सोचना होगा कि यह मामला भौतिक सुरक्षा का नहीं है। वह तो जितना किया जा सकता है, किया ही जाना चाहिए, लेकिन जब तक पुरुषों की महिलाओं के प्रति सोच नहीं बदलेगी तब तक उनके लिए यौन शोषण का खतरा बना ही रहेगा। घर के बाहर नहीं तो घर के अंदर भी अपने सगे रिश्तेदार खतरा बन सकते हैं। बेहतर होगा कि महिला सुरक्षा के लिए माहौल बनाया जाए। आखिर विश्वविद्यालय की अन्य महिलाएं व परिसर के बाहर रहने वाली लड़कियों का भी तो उतना ही अधिकार है कि उन्हें सुरक्षित माहौल मिले। बल्कि परिसर के बाहर तो गांवों में वे महिलाएं रहती हैं जिनके परिवारों ने विश्वविद्यालय बनाए जाने के लिए अपनी जमीनें खाली कीं।

आप देखेंगे कि विस्तृत परिसर जिसमें खुली जगह पर्याप्त है, के चारों ओर घनी आबादी है। ऐसा प्रतीत होता है कि लोगों से जमीन खाली कराकर उन्हें विश्वविद्यालय के हाशिए पर ढकेल दिया गया। जिन परिवारों ने विश्वविद्यालय के निर्माण के लिए कुर्बानी दी क्या हम उन्हें बाहरी मानकर उनके साथ सौतेला व्यवहार करेंगे? क्या हम विश्वविद्यालय के द्वार बंद कर गांव वालों को उनकी पुरानी जमीनों पर आने से वंचित करेंगे? याद रखें पुराने गांवों के कई पवित्र स्थान इस समय परिसर के अंदर हैं जहां गांव के लोग दर्शन करने आते हैं।

हमें सभी महिलाओं की सुरक्षा के बारे में सोचना होगा तभी वे सभी जगहों पर सुरक्षित रहेंगी। इसके लिए दोनों स्तरों पर काम करने की जरूरत है। एक तो महिला खुद सशक्त हो तथा अपनी रक्षा खुद कर सके। दूसरा, पुरुषों का नजरिया बदला जाए ताकि वे महिला को बराबर का सम्मान दें, उनके निजता के अधिकार को पहचानें और उन्हें सिर्फ भोग की वस्तु के रूप में न देखें।

ये दोनों ही प्रक्रियाएं समाज में चल रही हैं और देश में 'निर्भया कांड' के बाद काफी गुणात्मक परिवर्तन आया है। अब महिलाएं खुलकर अपने यौन शोषण के बारे में बात कर रही हैं जैसा पहले नहीं करती थीं। अब इसे कोई इज्जत बचाने के नाम पर छुपाता-दबाता नहीं है। पुरुष भी महिलाओं के प्रति पहले से ज्यादा संवेदनशील हैं और भले ही मजबूरी में, लेकिन महिलाओं को समाज में बराबरी का स्थान दे रहे हैं। इन प्रक्रियाओं को और तेज करने की जरूरत है।

सरकारों को भी इस मुद्दे पर संवेदनशील रवैया अपनाना होगा। यदि महिला पहलवानों के मामले में सांसद बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती तो संदेश यही जाएगा कि सरकार राजनीतिक लाभ के लिए एक आरोपी को बचा रही है। ऐसी सरकार पर कौन महिला अपनी सुरक्षा के लिए भरोसा कर सकती है?

अपराधी को भी संदेश जाता है कि यदि आप शासक दल के साथ हैं तो आपको कोई चिंता करने की जरूरत नहीं। यही निर्भीकता अपराधियों को 1-2 नवम्बर जैसा दुस्साहस करने की हिम्मत देता है।

जो आपराधिक मानसिकता के लोग हैं उनसे तो आपराधिक न्याय व्यवस्था को ही निपटना पड़ेगा, लेकिन समाज में ऐसे सुरक्षा के कवच बनाने होंगे कि महिलाएं अपने को सुरक्षित महसूस कर सकें। सार्वजनिक स्थानों पर सशक्त महिलाओं की उपस्थिति बढ़ने से यौन शोषण और मुश्किल होगा, किन्तु मुख्य बात है कि डॉ. राम मनोहर लोहिया ने अपनी 'सप्त क्रांति' में पहले स्थान पर नर-नारी समानता का जो सपना देखा था उसे साकार करना होगा। जब सही मायने में पुरुष महिला को बराबरी का स्थान व सम्मान देगा तभी यौन शोषण खत्म होगा।

(लेखक वैज्ञानिक, समाजकर्मी एवं हैं।)

कर्नाटक में भाजपा और कांग्रेस दोनों में नेतृत्व का संकट

■ अरुण श्रीवास्तव

कर्नाटक भाजपा में हाल के घटनाक्रम इस बात का खुलासा करते हैं कि अमित शाह, अपनी तथाकथित 'चाणक्य' प्रसिद्धि के बावजूद, पार्टी मामलों पर पकड़ खो चुके हैं और उनके पास विचारों की भी कमी है। केवल एक सप्ताह पहले, भाजपा नेतृत्व ने कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के छोटे बेटे, पहली बार विधायक बने बीवाई विजयेंद्र को राज्य इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया। इसे पुराने लिंगायत नेता बीएस येदियुरप्पा को एक बार फिर से पार्टी की कमान सौंपने की एक घुमावदार चाल के रूप में देखा जा रहा है, जिन्हें इस साल मई में राज्य चुनाव के ठीक बीच में मोदी और शाह ने किनारा लगा दिया था ताकि पार्टी को लिंगायत ताकतवर नेता की छाया से दूर ले जाया जा सके।

मोदी और शाह का वह निर्णय आत्मघाती साबित हुआ, क्योंकि लिंगायतों ने कांग्रेस के प्रति अपनी वफादारी बदल दी और कम से कम 30 निर्वाचन क्षेत्रों में उसकी जीत सुनिश्चित की। हालांकि भाजपा के राष्ट्रीय नेताओं का दावा है कि विधानसभा में हार से सबक लेते हुए उन्होंने येदियुरप्पा को कमान सौंपी है, लेकिन इसका राज्य इकाई पर पहले ही हानिकारक प्रभाव पड़ चुका है। पार्टी की राज्य इकाई में बड़ी संख्या में प्रमुख लिंगायत चेहरे हैं। वे शाह और मोदी के इस कदम से आहत हैं और खुलेआम कहते हैं कि वे अपमानित महसूस कर रहे हैं।

उनके पास वाजिब तर्क है। वे बीएस येदियुरप्पा का सम्मान करते थे, क्योंकि वह एक वरिष्ठ नेता थे और उन्होंने राज्य में पार्टी को पुनर्जीवित किया था। लेकिन उनके प्रति सम्मान को मोदी और शाह द्वारा यह समझना भूल है कि वरिष्ठ लिंगायत नेता नवसिखिये विजयेंद्र के आदेशों को सुनेंगे। उन्होंने यह कदम इसलिए उठाया क्योंकि मई 2023 की हार के बाद और 2024 के राष्ट्रीय चुनावों से पहले लिंगायत वोट पार्टी पर भारी है। भाजपा को उम्मीद है कि विजयेंद्र की स्थापना से लिंगायतों को पार्टी में वापस लाया जा सकेगा और 2019 के लोकसभा प्रदर्शन को दोहराने में मदद मिलेगी, जब उसने कर्नाटक में 28 में से 25 सीटें जीती थीं।

अंदरूनी कलह ने सरकार के कामकाज पर प्रतिकूल असर डाला है। राहुल और प्रियंका द्वारा किये गये अधिकांश चुनाव पूर्व वायदे अभी तक पूरे नहीं हुए हैं क्योंकि वरिष्ठ नेता होने के नाते मंत्री अपने-अपने नेताओं के लिए समर्थन जुटाने में व्यस्त हैं। लोकसभा चुनाव से पहले अंदरूनी कलह के कारण भी पार्टी में फेरबदल में बाधा आ रही है।

स्वाभाविक रूप से, राज्य इकाई के अध्यक्ष के रूप में विजयेंद्र की नियुक्ति के बाद भाजपा को 'वंशवाद की राजनीति' की आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। वरिष्ठ लिंगायत नेताओं का मानना है कि राष्ट्रीय नेतृत्व के पास इस बारे में विचारों की कमी है कि राज्य में पार्टी का आधार कैसे बढ़ाया जाये और संभवतः उन्होंने कैडर-आधारित नेतृत्व प्रणाली विकसित करने की रणनीति को छोड़ दिया है। ध्यान रहे कि 2021 में येदियुरप्पा को मुख्यमंत्री पद से बीच में ही हटाया गया था।

येदियुरप्पा जैसी प्रमुख जातियों के कद्दावर नेताओं को संदेश देते हुए कि वे अब पार्टी नेतृत्व पर अपनी शर्तें नहीं थोप सकते, और वंशवाद की राजनीति के खिलाफ अपने रुख का हवाला देते हुए, भाजपा ने 2018 में विजयेंद्र को चुनावी टिकट देने से इनकार कर दिया था और उन्हें 2021 और 2023 के बीच मंत्री पद से भी वंचित कर दिया था।

सूत्रों का कहना है कि मई के बदतर चुनावी हार के बाद, राष्ट्रीय नेतृत्व ने वोक्कालिंगा समुदाय को जोड़ने का फैसला किया था। लेकिन यह सफल नहीं हुआ। उन्होंने यह भी बताया कि एचडी देवेगौड़ा की जद (एस) द्वारा भाजपा के साथ गठबंधन करने का फैसला करने के बाद इस विचार को छोड़ दिया गया था क्योंकि वोक्कालिगा देवेगौड़ा का मुख्य समर्थन आधार रहा है। 'जद (एस) के एनडीए में आने के साथ, भाजपा प्रमुख के रूप में वोक्कालिंगा नेता की नियुक्ति व्यवहार्य नहीं थी। जाहिर है, पार्टी को सार्वजनिक चेहरे के रूप में लिंगायत समुदाय से किसी को लेने के लिए मजबूर होना पड़ा।' अब विजयेंद्र को राज्य प्रमुख के रूप में स्थापित करने के बाद, नेतृत्व विधायक दल के नेता के रूप में नियुक्त करने के लिए किसी प्रमुख ओबीसी नेता की तलाश कर रहा है,' एक वरिष्ठ नेता ने कहा।

एक और कारक जो महत्वपूर्ण रूप से सामने आया है वह है संघ परिवार का रवैया। कर्नाटक के आरएसएस कैडरों ने वरिष्ठ येदियुरप्पा को कभी भी बहुत सम्मान नहीं दिया। उन्हें लगता है कि वह भले ही राज्य में लिंगायत समुदाय का चेहरा रहे हों, लेकिन उन्होंने कभी भी सभी जातियों और समुदायों को साथ लेकर चलने की कोशिश नहीं की। संघ की राज्य इकाई के साथ उनके कभी भी सहज और सौहार्द्रपूर्ण संबंध नहीं रहे। जाहिर है, संघ के प्रति वफादार लोगों से विजयेंद्र को समर्थन देने की उम्मीद नहीं की जा सकती थी। कुछ संघ नेता याद करते हैं कि जब उनके पिता मुख्यमंत्री थे तो विजयेंद्र कैसे 'सुपर सीएम' की तरह व्यवहार करते थे। उनका यह भी आरोप है कि उनकी कार्यशैली निचले स्तर के कार्यकर्ताओं और नेताओं के राज्य के नेताओं से अलगाव का एक प्रमुख कारण था। कर्नाटक में पार्टी के पतन का यह एक बड़ा कारण था।

लिंगायतों को हिंदुत्व विरोधी प्रवृत्ति वाला माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि लिंगायतवाद की स्थापना हिंदू धर्म की ब्राह्मणवादी व्यवस्था को बाधित करने के लिए की गई थी। सदियों बाद, समुदाय के सामाजिक अभिजात वर्ग और नए मध्यम वर्ग ने संघ परिवार की प्रिय नवउदारवादी और सांप्रदायिक नीतियों को अपना लिया है। अपने विचारों का समर्थन करने के लिए, वे भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के बयानों का उल्लेख करते हैं, कि 'हिजाब और हलाल चुनावी मुद्दे नहीं हैं'। येदियुरप्पा से भी उम्मीद नहीं है कि वे किसी भी सामाजिक ध्रुवीकरण वाले मुद्दे को मंजूरी देंगे।

कांग्रेस में भी प्रदेश के नेता राहुल गांधी की वैचारिक लाइन को लागू करने का प्रयास करने के बदले कड़वे सत्ता संघर्ष में शामिल हैं। कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने भाजपा पर 'ऑपरेशन कमल' के जरिये राज्य की कांग्रेस सरकार को अस्थिर करने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। लेकिन उनके आरोप को स्वीकार करने वाले कम ही लोग हैं। उन्होंने कांग्रेस विधायक रविकुमार गौड़ा की शिकायत के बाद यह आरोप लगाया था कि भाजपा की एक टीम ने कांग्रेस विधायकों से भगवा पार्टी में जाने के लिए प्रत्येक के लिए 50 करोड़ रुपये और एक मंत्री पद की पेशकश के साथ संपर्क किया था।

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने भी कहा, 'एक बड़ी साजिश रची जा रही है, लेकिन इसका फल नहीं मिलेगा।' उन्होंने कहा कि भाजपा राज्य सरकार को अस्थिर करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस विधायकों ने उन्हें और सीएम को सूचित किया था कि कौन उनके संपर्क में है और क्या पेशकश की जा रही है।

वास्तव में, अवैध शिकार का डर इतना गंभीर नहीं है। यह सिद्धारमैया और शिवकुमार के नेतृत्व वाले दो युद्धरत गुटों के बीच की अंदरूनी लड़ाई है जो राज्य में कांग्रेसियों के लिए चिंता का प्रमुख स्रोत रही है। शिवकुमार के समर्थक पार्टी नेतृत्व पर उन्हें मुख्यमंत्री बनाने का दबाव बना रहे हैं। उनके समर्थक रणनीति तैयार करने के लिए रात्रिभोज और मिलन समारोह भी आयोजित कर रहे हैं।

अपनी ओर से सिद्धारमैया भी अपने समर्थकों की बैठकें कर रहे हैं। हाल ही में, सिद्धारमैया ने राज्य के गृह मंत्री जी परमेश्वर द्वारा आयोजित रात्रिभोज पार्टी में भाग लिया, जहां शिवकुमार अनुपस्थित थे। पिछले रात्रिभोज के साथ ही एक और रात्रिभोज का आयोजन किया गया था, जहां मांड्या विधायक रविकुमार गौड़ा ने दावा किया था कि शिवकुमार ढाई साल बाद मुख्यमंत्री बनेंगे। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने सुझाव दिया कि रात्रिभोज का उद्देश्य पीडब्ल्यूडी मंत्री सतीशजारकी होली को शांत करना है, जिन्होंने बेलगावी राजनीति में शिवकुमार की बढ़ती भागीदारी पर असंतोष व्यक्त किया है।

मई में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल होने वाले लोग अंदरूनी कलह के खेल में प्रमुख खिलाड़ी रहे हैं। दरअसल, जारकीहोली ने पार्टी नेताओं को संदेश भेजने के लिए लगभग 20 समान विचारधारा वाले विधायकों के साथ दुबई की यात्रा करने की योजना बनाई थी, हालांकि कांग्रेस आलाकमान के हस्तक्षेप के बाद मैसूर की पिछली यात्रा रद्द कर दी गई थी।

अंदरूनी कलह ने सरकार के कामकाज पर प्रतिकूल असर डाला है। राहुल और प्रियंका द्वारा किये गये अधिकांश चुनाव पूर्व वायदे अभी तक पूरे नहीं हुए हैं क्योंकि वरिष्ठ नेता होने के नाते मंत्री अपने-अपने नेताओं के लिए समर्थन जुटाने में व्यस्त हैं। लोकसभा चुनाव से पहले अंदरूनी कलह के कारण भी पार्टी में फेरबदल में बाधा आ रही है। कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी को गुटबाजी के कारण कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के पुनर्गठन में देरी का सामना करना पड़ रहा है।

राहुल गांधी की सलाह के बाद प्रदेश कमेटी में नये युवा चेहरों को शामिल करने का फैसला किया गया। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है क्योंकि दोनों नेता सिद्धारमैया और शिवकुमार इस कवायद के इच्छुक नहीं हैं। लोकसभा चुनाव से पहले पार्टी में 'नया खून' भरने और मंत्रियों पर काम का बोझ कम करने का कदम अभी तक अमल में नहीं आया है। हालांकि एआईसीसी महासचिव, कर्नाटक के प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला और अन्य केंद्रीय नेता समाधान खोजने के लिए नेताओं के साथ बैठकें करेंगे, लेकिन पार्टी में व्याप्त दुश्मनी की प्रकृति एक स्पष्ट संदेश भेजती है कि निकट भविष्य में एक बड़ा टकराव हो सकता है।

देशबन्धु
संस्कारधानी
5 बिलासपुर

शनिवार 18 नवंबर 2023

उल्टा पुल्टा

चिंटू (मोनू से)- तुम्हें अपने पापा से पिटे हुए कितने दिन हो गये?

मोनू- अगर पापा ने आज शाम को होमवर्क करते समय मुझे चांटा नही मारा, तो पूरा एक दिन हो जाएगा।

नहाय-खाय के साथ आज से आरंभ हुआ सूर्य उपासना का महापर्व छठ

शाम को अरपा मैया की हुई महा आरती, किया गया 11,000 दीपदान

बिलासपुर, 17 नवंबर (देशबन्धु)। पूरे देश में जैसा उत्साह दीपावली को लेकर रहता है वैसा ही उत्साह बिहार में छठ महापर्व को लेकर है। बिलासपुर में भी रहने वाले बिहार के प्रवासी और उत्तर भारतीयो द्वारा उसी उत्साह- उमंग के साथ छठ मनाया जाता है। बिलासपुर में तो छठ मनाने के लिए विश्व का सबसे बड़ा पक्का छठ घाट भी तोरवा में स्थित है। पिछले करीब महीने भर से घाट की साफ सफाई का जो काम आरंभ किया गया था, उसे पूरा कर लिया गया है।

छठ पूजा समिति के अध्यक्ष डॉ धर्मेंद्र कुमार दास ने बताया कि इन दिनों पूरा घाट दूधिया रोशनी से नहा रहा है, तो वही रंग-बिरंगे बिजली के झालरो से भी तोरवा पुल और घाट की सजावट की गई है। घाट और नदी की सफाई के बाद अब नदी में लबालब पानी भर चुका है, जहां आगामी 19 नवंबर की रविवार की शाम 5.12 और 20 नवंबर सोमवार की सुबह 6.21 पर सूर्य देव को अर्घ्य दिया जाएगा।

आस्था और समर्पण के छठ महापर्व पर छठी मैया और प्रत्यक्ष भगवान सूर्य देव की पूजा अर्चना की जाती है। संतान और पूरे परिवार की मंगल कामना के साथ महिलाएं 36 घंटे का कठिन निर्जला व्रत रखकर यह पूजा अर्चना करती है। छठी मैया सूर्य देव की बहन और भगवान कार्तिकेय की पत्नी है।

छठ पूजा की तिथि और मुहूर्त

इस वर्ष छठ महापर्व का आरंभ 17 नवंबर को नहाय खाय के साथ हुआ। 19 नवंबर को पूरी पवित्रता के साथ महिलाएं खरना के दिन व्रत रखकर प्रसाद बनाएंगी। 19 नवंबर को घाट पर पहुंचकर व्रती पूजा अर्चना करते हुए सूर्य देव को संध्या अर्घ्य देंगे, तो वही 20 नवंबर की सुबह एक बार फिर घाट पर पहुंचकर उदय होते सूर्य देव को अर्घ्य दिया जाएगा। इसके बाद निर्जला व्रत का परायण करते हुए व्रत खोला जाएगा।

अरपा मैया की महाआरती

विगत 12 वर्षों से गंगा मैया की तर्ज पर बिलासपुर में भी अरपा नदी की महिमा से शहर को परिचित कराने और अरपा नदी के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य के साथ महा आरती की जाती है। इस वर्ष भी आज 17 नवंबर संध्या 6 बजे अतिथियों की उपस्थिति में अरपा मैया की महा आरती की जाएगी।

इस अवसर पर 11 हजार दीपक नदी प्रवाहित किए जाएंगे। इससे पहले शाम 4 से मंचीय कार्यक्रम होगा।

छठ पूजा समिति, पाटलिपुत्र संस्कृति विकास मंच, भोजपुरी समाज एवं सहजानंद सरस्वती समाज द्वारा आयोजित अरपा मैया की आरती के अवसर पर श्री श्री 1008 प्रेम दास जी महाराज, ब्रह्म बाबा के साथ धरमलाल कौशिक, श्रीमती रश्मि सिंह, अटल श्रीवास्तव, अमर अग्रवाल, शैलेश पांडे, रजनीश सिंह, रामशरण यादव, शेख नजरुद्दीन, अरुण सिंह चौहान, प्रमोद नायक, धनराज आहूजा, अरविंद भानूशाली और रामावतार अग्रवाल सम्मिलित रहेंगे, जिनकी उपस्थिति में अंचल शर्मा के स्वर में गाये अरपा मैया की आरती के साथ सम्मिलित रूप से महा आरती की जाएगी।

एक अनुमान के अनुसार छठ महापर्व पर बिलासपुर तोरवा स्थित छठ घाट में 50 हजार से अधिक लोग पहुंचते हैं। उनके लिए पार्किंग की व्यवस्था बेहद आवश्यक पहलू है, जिसे ध्यान में रखकर समिति द्वारा 9 पार्किंग स्थल बनाए गए हैं। जिसके लिए अलग-अलग 4 गेट है।

छठ घाट के सामने पुलिस चौकी के पीछे, बिलासा उपवन और ट्रांजिट भवन के पास टू व्हीलर और फोर व्हीलर पार्किंग की व्यवस्था होगी। साथ ही पार्किंग एवं अन्य व्यवस्थाओं के सुचारू संचालन के लिए समिति के 150 से अधिक वॉलिंटियर्स भी यातायात विभाग, पुलिस, स्काऊट गाइड साथ सक्रिय रहेंगे। इस अवसर पर अपोलो बिलासपुर द्वारा फर्स्ट ऐड सेवा, डॉक्टर धर्मेंद्र दास द्वारा निशुल्क चाय की सेवा और व्रतियों को निशुल्क दूध की सेवा प्रदान की जाएगी। घाट पर आतिशबाजी जोन और वस्त्र बदलने के लिए केबिन का भी निर्माण किया जाएगा।

समय से पहले ही मतदान कर्मी ईवीएम मशीन किया बंद

हंगामें के बाद बैलेट पेपर से कराया गया मतदान

बिलासपुर, 17 नवंबर (देशबन्धु)। एक तरफ तो चुनाव आयोग से लेकर जिला प्रशासन लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करता रहा लेकिन बिलासपुर जिले के बेलतरा विधानसभा के बसंत विहार कॉलोनी बूथ क्रमांक 233 में उस समय विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई जब तय समय से 10 मिनट पहले ही वोटिंग मशीन बंद कर दिया गया। इस दौरान बिलासपुर की स्त्री रोग विशेषज्ञ और जिला चिकित्सालय की डॉक्टर वंदना चौधरी, डिप्टी सीएमओ डॉक्टर श्याम बाबू चौधरी, पहली बार वोट डाल रहे सौम्या चौधरी, आदित्य चौधरी मतदान कर्मियों की लापरवाही के चलते वोट देने से वंचित हो गए। खास बात यह है कि डाक्टर दंपति के दोनों बच्चे केवल वोट डालने के लिए दिल्ली से बिलासपुर पहुंचे थे।

लाइन में लगने के बाद जब उनकी बारी आई तो पता चला कि मतदान कर्मियों ने ईवीएम मशीन बंद कर दिया है, जबकि नियम यह है कि तय समय 5 के पहले जो भी मतदाता परिसर के भीतर प्रवेश कर जाएंगे उनका अनिवार्य रूप से मतदान कराना है, लेकिन यहां तो 5:00 बजे से 10 मिनट पहले ही मशीन बंद कर दिए गए। जब इसकी जानकारी भाजपा और कांग्रेस के कार्यकर्ताओ को हुई तो उन्होंने जमकर हंगामा मचाया। फिर भी निर्वाचन कार्य में लगे कर्मचारी अपनी गलती मानने को तैयार नहीं थे। उनका तर्क था कि दोबारा ईवीएम मशीन ऑन नहीं किया जा सकता। बाद में उच्च अधिकारियों के दखल के बाद मौके पर एसडीएम और पुलिस पार्टी पहुंची जिन्होंने पंचनामा कार्यवाही पूरी कर शाम 7 बजे बैलेट पेपर से इनका मतदान कराया।

इस पूरे घटनाक्रम ने मतदान कर्मियों की लापरवाही उजागर की तो वही दिल्ली से बिलासपुर पहुंचे मतदाताओं ने कहा कि ऐसी लापरवाही के चलते उन्हें न सिर्फ परेशानी हुई बल्कि व्यवस्था के प्रति घोर निराशा भी उत्पन्न हुई, जो शत प्रतिशत मतदान की राह में रोड़ा बन सकता है।

सार-संक्षेप

लायंस क्लब बिलासपुर का दीपावली मिलन

बिलासपुर, 17 नवंबर (देशबन्धु)। लायंस क्लब की सामान्य सभा एवं दिवाली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सभा में सभी सदस्यों के मनोरंजन हेतु हौजी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के संचालक एम जे एफ लायन सुनील मारदा थे। सदस्यों ने कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

रात्रि 9.15 पर पी एस टी द्वारा सामान्य सभा का आयोजन किया गया, जिसमें ध्वज वंदना लायन श्रीमती कृष्णा मित्तल द्वारा किया गया। उसके बाद अध्यक्षीय प्रतिवेदन तथा सचिवीय प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। लायंस क्लब बिलासपुर के अध्यक्ष एम जे एफ लायन उमेश मुरारका के द्वारा सभी सदस्यों को दीपावली की बहुत-बहुत बधाई दी गई। लायंस क्लब बिलासपुर के सचिव लायन सी ए नवीन कुमार अग्रवाल द्वारा बताया गया कि आज के कार्यक्रम को मिलाकर यह अब तक का 50 वां आयोजन है । सचिव ने सभी सदस्यों को इस तरह सहयोग करने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद दिया।

उसके बाद हमारे रीजन चेयरमैन लायन परमजीत सिंह सलूजा के द्वारा दो नए सदस्यों राकेश अग्रवाल एवं मनोज गुप्ता को लायंस क्लब बिलासपुर की सदस्यता की शपथ दिलाई। कार्यक्रम के आगे की कड़ी में लायन नंदलाल पुरी के द्वारा नवंबर माह में जिन सदस्यों के बर्थडे एवं शादी की सालगिरह थी उन्हें स-सम्मान मंच पर आमंत्रित किया गया एवं केक काटकर बधाइयां दी गई। कार्यक्रम का संचालन लायन डॉक्टर राजकुमार खेत्रपाल .मंजीत अरोड़ा के द्वारा किया गया एवं आभार प्रदर्शन लायन श्रीकांत सहारे के द्वारा किया गया। सभा में सी ए एस एस अग्रवाल पूर्व गवर्नर उपस्थित थे। सभा समाप्ति के पश्चात सदस्यों के मनोरंजन हेतु आतिशबाजी का आयोजन किया गया । तत्पश्चात कपल गेम खिलाया गया तथा रात्रि भोज के बाद कार्यक्रम समाप्त हुआ। इस कार्यक्रम में लायंस क्लब बिलासपुर के सदस्यों ने अपने पूरे परिवार के साथ बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

अमर अग्रवाल ने किया परिवार सहित किया मतदान

बिलासपुर, 17 नवंबर (देशबन्धु)। अमर अग्रवाल ने किया आज परिवार सहित किया मतदान। उन्होने कहा प्रदेश एवं बिलासपुर की शांति, सुरक्षा, सुशासन, विकास एवं आने वाले बेहतर कल के लिए भाजपा की जीत होगी, छत्तीसगढ़ में पूर्ण बहुमत से भाजपा की सरकार बनेगी।

21 नवंबर को मनाया जाएगा आंवला नवमी का त्योहार

बिलासपुर, 17 नवंबर (देशबन्धु)। इस साल आंवला नवमी का त्योहार 21 नवंबर को पड़ रहा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, आंवला नवमी से आंवले के पेड़ में भगवान विष्णु का वास होता है और कार्तिक पूर्णिमा तक उसमें श्रीहरि का वास रहता है। वैदिक पंचांग के अनुसार, कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि 21 नवंबर दिन मंगलवार को तड़के 03 बजकर 16 एएम पर शुरू हो रही है और इस तिथि का समापन 22 नवंबर दिन बुधवार को 01 बजकर 09 एएम पर होगा. उदयातिथि के आधार पर इस साल आंवला नवमी 21 नवंबर को मनाई जाएगी। 21 नवंबर को आंवला नवमी 2023 की पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 06 बजकर 48 मिनट से दोपहर 12 बजकर 07 मिनट तक है. इस दिन पूजा के लिए आपको 05 घंटे से अधिक का समय प्राप्त होगा. उस दिन का शुभ मुहूर्त या अभिजित मुहूर्त दिन में 11 बजकर 46 मिनट से दोपहर 12 बजकर 28 मिनट तक है। इस बार आंवला नवमी वाले दिन रवि योग बन रहा है. रवि योग रात में 08 बजकर 01 मिनट से बन रहा है, जो अगले दिन सुबह 06 बजकर 49 मिनट तक रहेगा. वहीं पूरे दिन पंचक लगा है।

आंवले के वृक्ष में भगवान विष्णु का वास होता है, इस वजह से आंवले के पेड़ की पूजा करते हैं और आंवले का भोग लगाते हैं. आंवले को ही प्रसाद स्वरूप ग्रहण करते हैं. विष्णु कृपा से अक्षय पुण्य प्राप्त होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, आंवला नवमी के दिन आंवले के पेड़ से अमृत की बूंदें टपकती हैं, इसलिए इस दिन आंवले के पेड़ के नीचे बैठने और भोजन करने की परंपरा है. ऐसा करने से सेहत अच्छी रहती है. आंवला नवमी को भगवान विष्णु ने कूष्मांड राक्षस का वध किया था, इसलिए इसे कूष्मांड नवमी कहते हैं. आंवला नवमी पर कूष्मांड यानि कद्दू का दान करते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, आंवला नवमी से ही द्वापर युग का प्रारंभ हुआ था।

सात दमकल के भरोसे पूरा शहर

बिलासपुर, 17 नवंबर (देशबन्धु)। शहर हर दिन बढ़ रहा है और साथ में बढ़ रही है यहां की आबादी। जिले की जनसंख्या भी अब बढ़कर 16 लाख 28 हजार के पार पहुंच चुकी है। इसके बाद भी जिले का दमकल सिस्टम अपडेट नहीं हो सका है। शासन-प्रशासन स्तर पर कोशिशें भी जारी हैं, लेकिन उनकी सुरक्षा जिले के सात दमकल वाहन और एक अफसर समेत नगर सेना के 41 कर्मचारी कर रहे हैं। जिले की फायर टीम के पास संसाधन तो पर्याप्त हैं लेकिन गाड़ियां और कर्मचारी आज भी पर्याप्त नहीं हैं। नगर सैनिक के पास दमकल की कहने को 10 गाड़ियां और एक बाइक है, लेकिन इनमें से तीन गाड़ियां कंडम हो चुकी हैं और सात गाड़ियों में से दो छोटी और पांच बड़ी हैं। इनसे बिलासपुर की जनता और उनके जान-माल की सुरक्षा की जा रही है।

होना अनिवार्य, पर है नहीं

शहर की बढ़ती आबादी और क्षेत्रफल को देखते हुए शहर की चारों दिशाओं में एक-एक फायर का सब-स्टेशन होना अनिवार्य हो गया है, क्योंकि अब ट्रैफिक की वजह से भी कई बार दमकल की टीम समय पर नहीं पहुंच पाती। इसके अलावा हर स्टेशन में कम से कम सात गाड़ियां और 50 का प्रशिक्षित स्टाफ होना जरूरी है। पर अब तक ऐसा हो नहीं पाया है।

हाइड्रोलिक फायर ब्रिगेड की जरूरत

इस समय बिलासपुर के फायर ब्रिगेड वाहन केवल तीन से चार फ्लोर की आग पर ही काबू पाने में सक्षम हैं। जबकि, अब शहर की इमारते पांच से सात मंजिल की होने लगी हैं। इस लिहाज से बिलासपुर के फायर सिस्टम को हाइड्रोलिक फायर ब्रिगेड वाहनों की जरूरत है। तभी यह हर तरह की आपात स्थिति से निपटने को तैयार रह सकता है।

प्रशिक्षित कर्मचारियों की जरूरत

नगर सेना के पास अभी जो कर्मचारी मिले हैं, वो नगर निगम के हैं, जो ट्रांसफर होकर नगर सेना में शामिल हुए हैं। हालांकि वे भी प्रशिक्षित हैं लेकिन उनकी संख्या काफी कम है। इस लिहाज से नई भर्तियों की अब आवश्यकता हो गई है। उनका काम केवल फायर सेफ्टी का ही रहना चाहिए और उन्हें बेहतर प्रशिक्षण दिया जाना भी जरूरी है।

नहीं देते रास्ता

फायर ब्रिगेड के अधिकारियों और कर्मचारियों की मानें तो बिलासपुर में दो चीजों की सबसे अधिक समस्या होती है। एक ट्रैफिक जाम और दूसरा आम जनता का व्यवहार। दिन में अधिकांश सड़कें जाम मिलती हैं। इस वजह से समय पर फायर ब्रिगेड की गाड़ियां घटनास्थल पर नहीं पहुंच पातीं। दूसरी ओर, गाड़ियां लगातार सायरन बजाती रहती हैं। इसके बावजूद लोग उन्हें साइड तक नहीं देते। पब्लिक को इस बारे में अवेयर होने की आवश्यकता है।

दुर्व्यवहार से परेशान कर्मी

कई बार दमकलकर्मियों को दुर्व्यवहार का भी सामना करना पड़ता है। घटनास्थल पर अवांछित भीड़ अपने मन से काम करती है और दमकलकर्मियों के काम पर हस्तक्षेप करती है। उन्हें ऐसा करने से मना करने पर उल्टा दमकलकर्मियों से दुर्व्यवहार किया जाता है. जबकि दमकलकर्मी प्रशिक्षित होते हैं और उन्हें मालूम रहता है कि उन्हें क्या करना है और क्या नहीं। इसलिए ऐसे समय पर फायर ब्रिगेड कर्मचारियों को उनका काम करने देना चाहिए, उनके काम में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।

भीड़भाड़ क्षेत्र में फायर सेफ्टी नहीं

कई बार स्कूल, कालेज, कोचिंग इंस्टीट्यूट, अस्पताल, भवन, काम्प्लेक्स इत्यादि में आग लगने की घटनाएं हो चुकी हैं। इसके बाद भी शहर के अधिकांश स्कूल, कालेज, इंस्टीट्यूट, अस्पताल, भवन इत्यादि में यह सिस्टम नजर नहीं आता है। जबकि फायर सेफ्टी के अधिकारी कई बार उन्हें चेतावनी भी दे चुके हैं। इसके बावजूद कुछ नहीं हो रहा है। जिला प्रशासन और नगर निगम भी इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है।

फायर सेफ्टी सिस्टम लगवाने के बजाए दिखा रहे ऊंची पकड़

फायर ब्रिगेड के अधिकारियों की मानें तो कई जगहों पर निरीक्षण किए जाने पर उन्हें फायर सेफ्टी सिस्टम नहीं मिलते तो वे उन्हें नोटिस देते हैं। विभिन्न प्रतिष्ठान और हाउसिंग सोसाइटी वाले उल्टा अपनी पहुंच-पकड़ का हवाला देना शुरू कर देते हैं। जबकि, उन्हें फायर सेफ्टी को लेकर गंभीरता दिखानी चाहिए. क्योंकि हादसे कभी किसी को बताकर नहीं आते हैं।

आग लगने की सूचना मिलते ही हमारे कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंच जाते हैं। कई बार ट्रैफिक के चलते फायर ब्रिगेड गाड़ियों को पहुंचने में समय लग जाता है। कुछ क्षेत्र ऐसे हैं, जहां गाड़ियां नहीं जा पाती हैं। इसके बावजूद हमारी टीम किसी भी तरह मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने और लोगों की जान और उनके सामान की सुरक्षा करने की कोशिश करती है। बढ़ते शहर को देखते हुए नए सब-स्टेशनों व अतिरिक्त फायर ब्रिगेड गाड़ियां होनी चाहिए. कुछ गाड़ियां जल्द ही आने वाली हैं।

रेलवे में लाला लाजपत राय की पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

उनके जीवन एवं चरित्र पर व्याख्यानमाला

बिलासपुर, 17 नवंबर (देशबन्धु)। लाला लाजपत राय भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में लड़ने वाले स्वतंत्रता सेनानियों में से एक थे। उनका जन्म वर्ष 1865 में भारत में हुआ था और उन्हें प्यार से पंजाब केसरी कहा जाता था। कहा जाता है जब भी वो बोलते थे तो उनकी आवाज केसरी के जैसे गूंजती थी। केसरी की दहाड़ से जंगल के जानवर डर जाते हैं, ठीक उसी तरह लाला लाजपत राय की आवाज से अंग्रेज सरकार कांप उठती थी। आज उनकी पुण्यतिथि के अवसर पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में श्रद्धांजलि दी गई। ऑनलाइन आयोजित हुए इस कार्यक्रम में उनके जीवन और चरित्र पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया गया। जिसमे अधिकारियों एवं रेलकर्मियों ने उत्साहित होकर भाग लिया ।

लाला लाजपत राय के जीवनवृत पर प्रकाश डालते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी साकेत रंजन ने कहा कि देश के लिए प्राण न्यौछावर कर युवा पीढ़ी और क्रांतिकारियों में नई शक्ति का संचार करने वाले महान स्वतंत्रता सेनानी और 'पंजाब केसरी' के नाम से मशहूर लाल, पाल, बाल की क्रांतिकारी तिकड़ी में से एक लाला लाजपतराय

माता-पिता से मिले संस्कारों के कारण बचपन से निर्भीक और साहसी लाजपत राय ने देश को अंग्रेजों के चंगुल से मुक्त करवाने के लिए क्रांतिकारी गतिविधियों में हिस्सा लेना शुरू कर दिया । 'साइमन कमीशन' के लाहौर पहुंचने पर लाला जी के नेतृत्व में उसका विरोध किया गया,

उन पर लाठियां बरसाईं गई, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गए। इसके बावजूद जनसभा को संबोधित करते हुए घोषणा की कि "मेरे शरीर पर पड़ी एक-एक लाठी अंग्रेजी हुकूमत के राज में आखिरी कील साबित होगी।" तद्नंतर में ऐसा ही हुआ।

उनकी आर्थिक नीतियों की विवेचना करते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के पूर्व उपमुख्य सुरक्षा आयुक्त कुमार निशांत ने कहा कि आजादी की लड़ाई में बड़ा योगदान देने के साथ ही, लाला लाजपत राय ने देश को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए भी काफी प्रयास किया। उनका यह योगदान आज भी देश की अर्थव्यवस्था में अपनी भूमिका को अदा कर रहा है।

लाला लाजपत राय ने 19 मई 1894 को लाहौर में पंजाब नेशनल बैंक की नींव रखी थी। आज के दौर में यह देश का दूसरा सबसे बड़ा सरकारी बैंक है। इस बैंक को एक स्वदेशी बैंक के तौर पर शुरू किया गया था और इसमें सिर्फ भारतीय जनता की पूंजी लगी थी। उस दौर में सिर्फ अंग्रेजों द्वारा संचालित बैंक ही होते थे और वे भारतीयों को बहुत अधिक ब्याज दर पर कर्ज देते थे। लालाजी ने स्वदेशी को स्वाबलंबन से जोड़कर देश की आर्थिक मजबूती के लिए दूरदर्शी प्रयास किया।

लाला लाजपत राय की राजनीतिक चिंतन की व्याख्या करते हुए उत्तर सीमांत रेलवे के उप महाप्रबंधक राजभाषा विक्रम सिंह ने कहा कि लाजपत राय को अहसास हुआ कि यदि देशवासियों पर अंग्रेजों के अत्याचार को कम करना है, तो अपनी लड़ाई को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाना होगा। इस कड़ी में वह 1914 में ब्रिटेन और फिर 1917 में अमेरिका गए। वह 1920 तक अमेरिका में ही युवाओं को शिक्षित और देशभक्ति से ओतप्रोत करने के लिए इन्होंने अपनी जेब से 40,000 रुपए देकर अपने मित्र के सहयोग से लाहौर में ही 'दयानंद एंग्लो विद्यालय' की स्थापना की।रहे और न्यूयॉर्क में इंडियन होम रूल लीग की स्थापना की। इस दौरान उन्होंने पहले विश्वयुद्ध में अंग्रेजों की ओर से भारतीय सैनिकों के भाग लेने का भी विरोध किया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य पब्लिसिटी इंस्पेक्टर संजय कुमार पांडेय ने बताया कि लाला लाजपत राय को लिखने और भाषण देने का काफी शौक था। स्कूली दिनों में ही उनकी मुलाकात आर्य समाज के संस्थापक दयानंद सरस्वती से हुई थी और उनके विचारों से वह काफी प्रभावित थे।

शहर से गांव तक पड़े झारो-झार वोट, 72 फीसदी से अधिक मतदान

ग्रामीण मतदाताओं में दिखा उत्साह, देर शाम तक होती रही वोटिंग

71.62 प्रतिशत मतदान दर्ज, फाइनल आंकड़ा और बढ़ेगा

कोरबा, 17 नवंबर (देशबन्धु)। कोरबा जिले में विधानसभा निर्वाचन 2023 के दूसरे चरण के तहत शुक्रवार को शांतिपूर्ण मतदान संपन्न हुआ। अपने मताधिकार का उपयोग करने के लिए युवा से लेकर वृद्ध मतदाताओं में खासा उत्साह देखा गया। शहर से लेकर गांव तक झारो-झार वोट देर शाम तक पड़ते रहे। चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों ने भी अपने-अपने मतदान केन्द्र में पहुंचकर मताधिकार का उपयोग किया। समाचार लिखे जाने तक मतदान का प्रतिशत 71.62 दर्ज किया गया जबकि कुछेक ग्रामीण मतदान केन्द्रों में रात 8 बजे तक भी कतार लगी रही। अंतिम आंकड़ा में मतदान प्रतिशत और बढऩे की पूरी संभावना है।

शुक्रवार को सुबह 8 बजे से लेकर 5 बजे तक मतदान केन्द्रों में मतदान करने के लिए मतदाताओं की आवाजाही लगी रही। कामकाजी और व्यवसायी लोगों ने सुबह 10 बजे तक मतदान कर फ्री होने की मंशा से पहले ही पहुंचकर मतदान किया, तो अधिकांश केन्द्रों में दोपहर 2 बजे के बाद भीड़ लगनी शुरु हुई। शहर से लगे खरमोरा, तुलसीनगर जैसे मतदान केन्द्रों 6 बजे के बाद भी वोटिंग होती रही। ग्रामीण इलाके के रामपुर विधानसभा के ग्राम घिनारा मतदान केन्द्र में तो 8 बजे भी मेला सा नजारा रहा। मतदाता इधर-उधर बैठकर अपने पारी का इंतजार करते दिखे। कुल मिलाकर जिले भर में मतदान का आंकड़ा 71.62 प्रतिशत दर्ज किया गया। निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त प्रेक्षक मतदान की प्रक्रिया का जायजा लेते रहे। कलेक्टर सौरभ कुमार, पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला, सहित सभी जोनल अधिकारी मतदान केंद्रों का भ्रमण करते रहे।

ईव्हीएम बिगडऩे से बाधित होता रहा मतदान

कुछ मतदान केन्द्रों में ईव्हीएम बिगडऩे के मामले भी सामने आए जिनमें दूसरी ईव्हीएम लगाने अथवा सुधार होने तक मतदान प्रभावित रहा। कोरबा विधानसभा क्षेत्र के सीएसईबी जूनियर क्लब मतदान केन्द्र क्रमांक-164, मुड़ापार के मतदान केन्द्र क्र.-225, मतदान केन्द्र 197 प्राथमिक शाला पुरानी बस्ती में ईव्हीएम में खराबी आने के कारण मतदान करीब आधा से डेढ़ घंटा तक थमा रहा। इसी तरह कटघोरा विधानसभा क्षेत्र के छुरीकला मतदान केन्द्र क्रमांक-55 शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में ईव्हीएम में दो बार खराब हुआ तो दूसरा ईव्हीएम लगाया गया। इस बीच लगभग दो घंटे तक मतदाता परेशान रहे।

वेबकास्टिंग से मतदान केंद्रों की होती रही निगरानी

जिले में कुल 1081 मतदान केंद्र बनाए गए थे। इन मतदान केंद्रों में सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए थे। मतदान केंद्रों की लाइव स्थिति जानने के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई थी। जिले में कुल 541 मतदान केंद्रों की वेबकास्टिंग की गई। जिला स्तर पर भी मतदान केंद्रों की जानकारी ली जा रही थी।

पाली-तानाखार में सर्वाधिक वोट, कोरबा में कम: इस बार के चुनाव में मतदाताओं का रुख शुरू से लेकर अंत तक कुछ साफ-साफ नजर नहीं आया। उनका रुझान किस पार्टी या प्रत्याशी की तरफ ज्यादा है यह जानने की कोशिशें अंत तक अपेक्षाकृत कामयाब नहीं रही। कांग्रेस के द्वारा विकास, कर्ज माफी, समर्थन मूल्य और तमाम वादों के नाम पर वोट मांगे गए तो वहीं भाजपा ने केन्द्र सरकार के विकास कार्यों और योजनाओं का हवाला देकर मोदी की गारंटी के नाम से घोषणाओं के बूते वोट मांगा। मतदान केन्द्रों में प्रत्याशियों और समर्थकों की उपस्थिति लगातार बनी रही। इन सबके बीच प्राप्त आंकड़ों में पाली-तानाखार विधानसभा में शाम 5 बजे तक 79.35 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ। कटघोरा विधानसभा में 71.63, रामपुर विधानसभा में 70.34 और कोरबा विधानसभा में 65.83 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। ग्रामीण इलाकों में मतदान जारी रहने से आंकड़े और भी बढ़ेंगे।

मतदान प्रतिशत से नफा-नुकसान का आंकलन: मतदान समाप्त होने के पश्चात सभी प्रत्याशियों के द्वारा बूथों में पडऩे वाले वोटों का आंकड़ा और प्रतिशत एकत्र कर विश्लेषण भी शुरु कर दिया गया है। बूथवार घटते-बढ़ते मतदान प्रतिशत को मिलाकर इस चुनाव में नफा-नुकसान का आंकलन होने लगा है। वैसे यदि मतदान अधिक हुआ या अपेक्षाकृत कम वोटिंग हुई तो इसका सीधा-सीधा आंकलन परिवर्तन से लगाया जाता है। कोरबा विधानसभा में जयसिंह अग्रवाल कांग्रेस-लखनलाल देवांगन भाजपा, कटघोरा विधानसभा में पुरुषोत्तम कंवर कांग्रेस-प्रेमचंद पटेल भाजपा, रामपुर में फूलसिंह राठिया कांग्रेस-ननकीराम कंवर भाजपा और पाली तानाखार विधानसभा में दुलेश्वरी सिदार कांग्रेस-तुलेश्वर मरकाम गोंगपा-रामदयाल उईके भाजपा के बीच सीधा मुकाबला है।

लोकतंत्र के पर्व का उत्साह

कलेक्टर-आयुक्त ने किया मतदान

कोरबा, 17 नवंबर (देशबन्धु)। कलेक्टर सौरभ कुमार ने कोरबा विधानसभा के मतदान केन्द्र क्रमांक 127 में मतदान किया। उन्होने उपस्थित मतदाताओं को मतदान के लिए प्रोत्साहित किया। सुबह आठ बजे कलेक्टर मतदान केन्द्र क्रमांक 127 रामपुर कोरबा पीडब्ल्यूडी प्राथमिक शाला पहुंचे और पीठासीन अधिकारी से मतदान की तैयारियों संबंधी जानकारी ली। इस स्कूल परिसर में दो मतदान केन्द्र 126 तथा 127 स्थित है। कलेक्टर ने दोनों केन्द्रों में मतदान की तैयारियों का जायजा लिया। वे मतदाताओं के साथ कतार में लगभग 1 घंटे लगे रहे और अपनी बारी आने पर मताधिकार का उपयोग किया। इसी तरह निगम आयुक्त सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने भी कतारबद्ध होकर मतदान किया।

मतदाता मित्रों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

मतदान केंद्रों में वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगों और शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों को मतदान कराने स्कूली विद्यार्थियों, मतदाता सहायक, स्काउट्स एवं गाइड्स ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्हें मतदान केंद्र तक पहुंचाने, पेयजल उपलब्ध कराने का कार्य किया। मतदान में दिव्यांग मतदाताओं ने भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। दिव्यांगों ने व्हील चेयर, ट्रायसायकल आदि के सहारे मतदान केन्द्र पहुंच कर अपने पसंद के उम्मीदवार को वोट डाला।

संगवारी मतदान केंद्रों में दिखा उत्साह

जिले में 40 संगवारी 20 आदर्श मतदान केंद्र बनाए गए थे। सभी विधानसभा क्षेत्रों में एक-एक युवा और दिव्यांग कर्मियों द्वारा प्रबंधित मतदान केंद्र बनाए गए थे। इन सभी केंद्रों में मतदान करने उत्साह का माहौल नजर आया। महिला मतदाताओं ने संगवारी बूथों में बढ़-चढ़ कर मतदान किया। इस दौरान संगवारी बूथ में वोट डालने के पश्चात् हरमीत कौर, दीपा कौर, आइशा रिज़वी सहित अन्य मतदाताओं ने संगवारी बूथ की सराहना की।

गंभीर बीमारियों के बाद भी मतदान का हौसला

जिले के वरिष्ठ पत्रकार प्रधान संपादक प्रदीप महतो, बरपाली ने व्हील चेयर से मतदान केंद्र पहुंच कर अपना मत डाला। ब्लड कैंसर के मरीज प्रदीप महतो कुछ माह पहले सर्वाइकल की सर्जरी के बाद से चल फिर नहीं पा रहे हैं किंतु चुनाव में बरपाली के बूथ क्रमांक 190 में व्हीलचेयर पर जाकर मताधिकार का प्रयोग किया। उनका कहना है कि प्रत्येक भारतीय को अपने मत का सदुपयोग बिना भय, लोभ के निस्स्वार्थ भाव से क्षेत्र के हित को ध्यान में रखते हुए जनप्रतिनिधि का चयन हेतु करना चाहिए।

मतदान के बाद सेल्फी भी लेते रहे मतदाता

मतदान केंद्रों में अनेक स्थानों पर सेल्फी जोन बनाया गया था। मतदान करने के पश्चात् अनेक मतदाताओं ने सेल्फी लेकर अपनी फोटो जगह-जगह शेयर की और लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी भागीदारी देने का प्रमाण प्रस्तुत किया।

व्हील चेयर की बनी रही कमी, दिव्यांग मतदाताओं को हुई परेशानी

कोरबा, 17 नवंबर (देशबन्धु)। जिला निर्वाचन अधिकारी के मार्गदर्शन में वैसे तो मतदान केन्द्रों में व्यवस्थाएं बेहतर से बेहतर बनाने के लिए कार्य किए जाते रहे लेकिन मतदान के दिन कुछ केन्द्रों में स्थानीय जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता के कारण व्हील चेयर की कमी बनी रही। 3 से 4 मतदान केन्द्र होने के बावजूद एक व्हील चेयर दिए जाने से दिव्यांग और अशक्त मतदाताओं को लाने-ले-जाने में असुविधाओं का सामना करना पड़ा। कई मतदान केन्द्रों में स्काउट गाइड व एनएसएस के छात्रों ने महत्वपूर्ण भागीदारी निभाई तो कई मतदान केन्द्रों में औपचारिकता निभाई गई। मतदाता के परिजन अथवा राजनीतिक दल से जुड़े एजेंट ऐसे मतदाताओं को केन्द्र तक ले जाने और लाने का काम करते दिखे। एक व्हील चेयर देने के कारण असहज स्थिति निर्मित होती रही।

मतदाता सूची से नाम गायब, बदला हुआ केन्द्र तलाशने भटकते रहे

कोरबा, 17 नवंबर (देशबन्धु)। मतदान के दौरान अनेक ऐसे मतदाता भी सामने आए जिनका मतदाता सूची से नाम विलोपित रहा। वे मतदाता सूची में अपना नाम तलाशने के लिए कोशिश करते रहे और अंततः नाम न मिलने पर वापस घर लौट गए। इसी तरह कुछ मतदान केन्द्रों का भवन/स्थल बदल दिया गया है, जिसके कारण मतदाता भटकते रहे। पूर्व के मतदान केन्द्र में पहुंचने वाले मतदाताओं को नए केन्द्र की जानकारी देकर मतदान कर्मी बीएलओ द्वारा भेजा जाता रहा। इस दौड़-भाग में खासकर महिला मतदाताओं को ज्यादा परेशानी उठानी पड़ी। इसी प्रकार अनेक मतदाता जानकारी के अभाव में तो बहुतों ने बेखयाली में बिना किसी फोटोयुक्त परिचय पत्र के मतदान केन्द्र पहुंचकर मतदान करने का प्रयास किया। प्रारंभिक समय में तो इन्हें बिना किसी फोटोयुक्त परिचय पत्र दिखाए बगैर मतदान करने से मना किया जा रहा लेकिन बाद में पर्ची के आधार पर मतदान करने दिया गया। मतदाताओं के मोबाइल मतदान केन्द्र के मुख्य द्वार से ही ले जाने की मनाही सुरक्षाकर्मियों द्वारा की जाती रही, जिसके कारण अधिकांशतः मतदाता जो अपनी जानकारी और दस्तावेज मोबाइल में रखते हैं, उन्हें वापस घर जाकर परिचय पत्र लाने के बाद मतदान करने का अवसर मिला। इसके अपवाद स्वरूप अनेक मतदान केन्द्रों में मोबाइल ले जाने की कोई मनाही नहीं देखी गई बल्कि मतदाता अपने जेब में रखकर मतदान करने जाते रहे। कुछ ही मतदान केन्द्रों में सख्ती देखने को मिली।

निवासी कहीं के, परिचय पत्र कहीं और बना

मतदान करने पहुंचे कई मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में मिलान करने पर नहीं मिले। जब इसकी ऑनलाइन चेकिंग की गई तो उसके निवास क्षेत्र से अलग दूसरे इलाके में उसका नाम जुड़ा होना पाया गया। ऐसे में मतदाता ने दूसरे मतदान केन्द्र में जाकर मतदान करने से किनारा कर लिया। कई लोगों का नाम सीतामढ़ी से 15 किलोमीटर दूर बालको या एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरण होना पाया जिससे लोगों में काफी नाराजगी देखी गई। जीवित कई मतदाताओं के नाम बिना आवेदन के ही सूची से विलोपित मिले तो दर्जनों नहीं बल्कि सैकड़ों मृत मतदाताओं के नाम आज भी मतदाता सूची में दर्ज हैं। निर्वाचन विभाग की इस तरह की लापरवाही को लेकर भी लोगों में नाराजगी देखी गई। इसी तरह पूर्व निवास स्थान को छोडक़र वर्षों से दूसरे इलाके में रह रहे मतदाताओं के नाम सूची में अनवरत चले आ रहे हैं, इनके द्वारा अपना नाम नये स्थान पर दर्ज कराने में रुचि नहीं ली जा रही, जिसके कारण मतदाता सूची में वास्तविक निवासरत मतदाताओं का सही आंकड़ा दर्शित नहीं हो रहा है।

एसईसीएल सहित पब्लिक सेक्टर के 374 अधिकारी-कर्मचारी मतदान से वंचित

कोरबा, 17 नवंबर (देशबन्धु)। विधानसभा के लिए होने वाले मतदान से एसईसीएल सहित अन्य पब्लिक सेक्टर के 374 अधिकारी कर्मचारी वंचित हो गए। दरअसल 474 अधिकारी कर्मचारियों को माइक्रो आब्जर्वर की ड्यूटी के लिए प्रशिक्षण दिया गया था। उनसे डाक मत पत्र के लिए आवेदन भी लिए गए, लेकिन सौ लोगों की ही ड्यूटी लगाई गई। इसकी जानकारी ना तो अधिकारी कर्मचारियों को मिली और ना ही आवेदन निरस्त किया गया, जिससे कर्मचारी निश्चिंत थे। वे मतदान करने बूथ पहुंचे तो डाक मत पत्र जारी होने की बातें सामने आई। बहरहाल मतदान नहीं कर पाने से कर्मचारी अधिकारियो में आक्रोश और मायूसी दिखी।

ड्यूटी लगी नहीं और हो गया डाक मतपत्र जारी

जिले के चार विधानसभा कोरबा, कटघोरा, रामपुर और पाली तानाखार विधानसभा क्षेत्र के लिए शुक्रवार को मतदान हुआ। जब एसईसीएल कोरबा के अधिकारी कर्मचारी अपने-अपने बूथों में मतदान करने पहुंचे तो कई के नाम पर डाक मतपत्र जारी होने की बातें सामने आई जिससे अधिकारी कर्मचारी चौंक गए। उन्होंने जानकारी ली तो पता चला कि जिला निर्वाचन कार्यालय ने एसईसीएल सहित तमाम पब्लिक सेक्टरों से माइक्रो आब्जर्वर के लिए नाम मांगे थे। एसईसीएल, एनटीपीसी व अन्य पब्लिक सेक्टरों ने 474 अधिकारी कर्मचारियों का नाम भेज दिया था। उन्हें निर्वाचन विभाग के नियमानुसार प्रशिक्षण भी दिया गया। इस दौरान प्रशिक्षण में शामिल अधिकारी कर्मचारी से डाक मत पत्र के लिए आवेदन भी लिए गए, लेकिन ड्यूटी सिर्फ 100 लोगों की लगाई गई। एसईसीएल कोरबा के जीएम ऑफिस में पदस्थ लिपिक भुवनेश्वर कश्यप का कहना है कि निर्वाचन संबंधी तमाम सूचनाएं विभाग के माध्यम से मिलती रही, लेकिन ड्यूटी नहीं लगाए जाने की सूचना दफ्तर से नहीं दी गई, जिससे सभी अधिकारी कर्मचारी निश्चित थे। उन्हें लग रहा था कि अब बूथों में जाकर ही मतदान करेंगे। इसके विपरीत बूथ में पहुंचने पर डाक मत पत्र जारी होने की बातें सामने आई। उनका कहना है कि कर्मचारियों की चुनाव ड्यूटी नहीं लगाए जाने संबंधी सूचना अखबार में प्रकाशित करने की बात कही जा रही है। जिससे कर्मचारियों के सामने ऊहापोह की स्थिति निर्मित हुई। नियमानुसार कार्यालय के माध्यम से ही ड्यूटी निरस्त होने की जानकारी दी जानी थी।

जलाराम जयंती उत्सव कल निकलेगी शोभायात्रा

कोरबा, 17 नवंबर (देशबन्धु)। श्री जलाराम सेवा समिति द्वारा जलाराम मंदिर में संत श्री जलाराम बापा का जयंती उत्सव 19 नवंबर को धूमधाम से मनाया जाएगा।

19 नवंबर रविवार को सुबह ब्रह्म मुहूर्त में मंदिर में विराजित श्री विग्रहो का वस्त्र बदला जाएगा जिसके दाता स्व. निर्मणा बेन जयंती भाई पटेल अग्रसेन मार्ग कोरबा होंगे। सुबह 9.30 बजे जलाराम बापा का अभिषेक पूजन, अखंड दीप प्रागट्य किया जाएगा। दोपहर 3 बजे शोभायात्रा पचाण भाई शामजी भाई पटेल व नानजी भाई शामजी भाई पटेल डीवी प्रोजेक्ट लि. सीतामढ़ी के निवास स्थान से डीडीएम रोड स्थित जलाराम मंदिर तक निकाली जाएगी। शाम 5 बजे संयुक्त सभा, वार्षिक आय-व्यय की प्रस्तुति के बाद दाताओं का आभार व्यक्त किया जाएगा। शाम 6.30 बजे दैनिक पूजा-आरती पश्चात जलाराम बापा की महाआरती होगी। रात्रि 7.30 बजे से महाप्रसाद भंडारा आयोजित होगा। महाप्रसाद भंडारा के दाता पीयूष भाई नितिन भाई राठौड़ व कल्पेश भाई नितिन भाई राठौड़ (पीयूष सीट मेकर्स) होंगे। जलाराम सेवा समिति के किशोर भाई पटेल ने समाज के सभी सदस्यों से सपरिवार आयोजन में शामिल होने आग्रह किया है।

नहाय खाय से शुरू हुआ छठ महापर्व, खरना आज

कोरबा, 17 नवंबर (देशबन्धु)। सूर्य की उपासना का महापर्व छठ शुक्रवार को नहाय खाय से शुरू हुआ। महापर्व को लेकर पूर्वांचल वासियों में उत्साह है। छठ पूजा के लिए जरूरी बांस की सूप और दउरा बाजार में सज गए हैं। व्रती या उनके परिवार की ओर से सूप और दउरा की खरीदी भी शुरू हो गई है।

आज नहाय-खाय से व्रत प्रारंभ हुआ और 18 नवंबर शनिवार की शाम खरना का प्रसाद ग्रहण करेंगे। कार्तिक माह की षष्ठी तिथि को नदी, सरोवर, तालाब या पोखर के किनारे अस्तांचल गामी भगवान सूर्य को अर्घ्य देंगे। रात में घर के आंगन में छठ मईया की पूजा-अर्चना होगी। पारंपरिक छठ गीत गाए जाएंगे। गुरुवार को सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही छठ महापर्व का पारण किया जाएगा।

कोरबा शहर के ढेंगुरनाला, एसईसीएल शिव मंदिर, करण घाट, इंदिरा नगर हसदेव घाट, सर्वमंगला मंदिर के सामने, राताखार के अलावा दीपका, कुसमुण्डा, बालकोनगर और दर्री जमनीपाली में भी छठ महापर्व धूमधाम से मनाने की तैयारी की गई है। छठ घाटों को साफ-सफाई करने के साथ ही आवश्यक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। नगर निगम क्षेत्र में स्थित सभी घाटों की सफाई निगम की ओर से कराई जा रही है जबकि सार्वजनिक उपक्रमों के आवासीय क्षेत्रों में स्थित छठ घाटों की साफ-सफाई का दायित्व संबंधित कंपनी के स्थानीय प्रबंधन को दिया गया है।

छठ पूजा की यह है मान्यता

मनोकामना पूरी होने पर व्रति छठ पूजा करते हैं। छठ देवी की कई कथाएं प्रचलित हैं। इसमें एक पौराणिक कथा भी है। इसके अनुसार छठ देवी भगवान ब्रहजी की मानस पुत्री और सूर्य देव की बहन हैं। उन्हें प्रसन्न करने के लिए छठ पर्व मनाया जाता है। पुराण में उल्लेख है कि ब्रहजी ने सृष्टि की रचना के लिए स्वयं को दो भागों में बांट दिया। दाहिने भाग में पुरुष और बाएं भाग में प्रकृति का रूप सामने आया। सृष्टि की अधिष्ठात्री प्रकृति देवी ने अपने आप को छह भागों में विभाजित किया। इनके छठे अंश को सर्वश्रेष्ठ मातृ देवी या देवसेना के रूप में जाना जाता है। प्रकृति का छठा अंश होने के कारण इनका एक नाम षष्ठी है, जिसे छठी मैया के नाम से जाना जाता है। शिशु के जन्म के छठे दिन इन्हीं की पूजा की जाती है। मान्यता है कि इनकी उपासना करने से बच्चे स्वस्थ, सफल और दीर्घायु होते हैं। पुराणों में इन्हीं देवी का नाम कात्यायनी बताया गया है, जिनकी नवरात्रि की षष्ठी तिथि को पूजा की जाती है।

विशेष पिछड़ी जनजाति के मतदाताओं में दिखा उत्साह

वृद्ध और दिव्यांग मतदाता भी पीछे नहीं रहे

कोरबा, 17 नवंबर (देशबन्धु)। शुक्रवार को विधानसभा निर्वाचन में युवा मतदाता, दिव्यांग, वरिष्ठ नागरिक, महिलाएं सहित विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा, बिरहोर जनजाति के मतदाताओं ने भी मतदान किया। पाली तानाखार विधानसभा क्रमांक 23 के मतदान केंद्र प्राथमिक शाला गुड़रुमुड़ा में विशेष पिछड़ी जनजाति बिरहोर वर्ग के मतदाताओं ने मतदान कर लोकतंत्र के निर्माण में अपना योगदान दिया।

इसी तरह वृद्ध एवं दिव्यांग मतदाताओं में भी मतदान का हौसला दिखाया। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 21 कोरबा के मतदान केंद्र शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला गोपालपुर में वृद्धजन रामनाथ वर्मा ने आदर्श मतदाता होने का परिचय दिया। गोपालपुर में 93 वर्षीय श्रीमती भरोस कुंवर, 78 वर्षीय तीज कुंवर, 68 वर्षीय चरण कुँवर सहित अन्य वरिष्ठजनों ने मतदान का दायित्व निभाया। कोरबा विधानसभा के संगवारी मतदान केंद्र रामपुर में 70 वर्षीय अशुन बाई ने मतदान किया। ग्राम पंचायत घोसरा मतदान केंद्र 61 प्राथमिक शाला बेलपरा में निःशक्तजन धीरसाय पिता शोभनाथ ने, कटघोरा के आदर्श संगवारी मतदान केंद्र 36 में 70 वर्षीय लकवाग्रस्त लक्ष्मी कुमार ने मतदान किया। इसी तरह नगर निगम अंतर्गत स्वच्छता दीदियों ने भी मतदान कर जिम्मेदार नागरिक होने का फर्ज अदा किया।

पहली बार मतदान का मिला मौका

विधानसभा कटघोरा के आदर्श संगवारी मतदान केंद्र (मतदान केंद्र क्रमांक 36) में युवा चंचल शर्मा व चित्रिका उपाध्याय ने पहली बार मतदान किया। उन्होंने बताया कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अपनी सहभागिता दर्ज कर आज वे बेहद खुश एवं उत्साहित हैं। विधानसभा कटघोरा के ग्राम फुलझर निवासी एलएलबी की छात्रा श्वेता रानी दीवान ने भी पहली बार मतदान किया।

सार-संक्षेप

सोनहत के तीन मतदान केंद्रों में 100 प्रतिशत मतदान

कोरिया 17 नवंबर (देशबन्धु)। विधानसभा क्रमांक 01 भरतपुर-सोनहत (आंशिक) के तीन मतदान केन्द्रों में शत प्रतिशत मतदान होने की जानकारी मिली है।

बता दें सोनहत विकासखंड के ग्राम शेहराडांड, कांटो, रवला मतदान केंद्र के सभी मतदाताओं ने अपने मतदान केंद्र जाकर मतदान किया है। कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी श्री विनय कुमार लंगेह ने ग्रामवासियों व सभी मतदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि दूरस्थ वनांचल के इन मतदाताओं ने अपने अधिकार का सही उपयोग किया है। कोरिया जिले के ग्राम खरवत मतदान केंद्र में दोपहर तीन बजे के बाद मतदाता बड़ी संख्या में मतदान करने पहुँचे हैं। बता दें 11 बजे तक बैकुंठपुर विधानसभा निर्वाचन में 39.93 प्रतिशत मतदान हुआ था जो 3 बजे बढ़कर 62.40 प्रतिशत पहुंच गया था। ग्रामीण क्षेत्रों के मतदाता दोपहर के बाद बड़ी संख्या में मतदान करने पहुंचे हैं। मतदाताओं से बात करने पर बताया कि खेती किसानी का काम में लगे थे, इसीलिए अभी मतदान करने पहुंचे हैं। बैकुंठपुर विधानसभा निर्वाचन में अभी तक 73.56 प्रतिशत मतदान होने की जानकारी मिली है। सूत्रों के अनुसार मतदान प्रतिशत और बढ़ने की संभावना है।

कोरिया कलेक्टर ने किया मतदान

कोरिया 17 नवंबर (देशबन्धु)। आज कोरिया कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी श्री विनय कुमार लंगेह ने ओड़गी मतदान केंद्र 131 में जाकर आज 12 बजे मतदान किया साथ ही उनकी पत्नी श्रीमती एकता किशोर सिंह ने लाइन में लगकर मतदान में भाग लिया। श्री लंगेह ने आदर्श मतदान केंद्र के सजावट पर कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देश पर ही बैकुंठपुर में 10 आदर्श संगवारी मतदान केंद्र बनाए गए हैं, उन्हें अलग-अलग थीम पर सजावट की गई है ताकि ज्यादा से ज्यादा संख्या में मतदाता मतदान करने लिए पहुंचे। श्री लंगेह ने जिले के युवाओं से अपील करते हुए कहा कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में मतदान करने पहुंचे, उन्होंने महिलाओं से भी बड़ी संख्या में मतदान करने की अपील की है। कलेक्टर श्री लंगेह कतार में मतदान करने के लिए लगे हुए थे और सामने 46 वर्षीय हरिनन्दन भी लाइन में लगे हुए थे उन्होंने कलेक्टर से आग्रह किया, आप आगे आ जाइए सर! तब कलेक्टर श्री लंगेह ने उन्हें विनम्रता पूर्वक कहा कि मेरी बारी आने पर ही मतदान करने जाऊंगा।

दिव्यांग मदताओं की मदद करते दिखे पुलिसकर्मी

रायगढ़ 17 नवंबर (देशबन्धु)। विधानसभा चुनाव 2023 के द्वितीय चरण के मतदान दौरान मतदान केन्द्रों की सुरक्षा के साथ पुलिसकर्मी सामाजिक सरोकार की अहम जिम्मेदारी निभाते देखे गये।

मतदान केंद्र क्रमांक 108 प्राथमिक शाला तेंदूमार में मतदान करने आई महिला अपने दूधमुंहे बच्चों को लेकर आयी थी। मतदान केन्द्र पर सुरक्षा ड्यूटी में लगी महिला आरक्षक मंगरीता पैंकरा को महिला मतदाता की मदद करते हुए उसके बच्चे को संभालने के साथ अपनी ड्यूटी करते देखा गया। वहीं अपने वोट का महत्व जानते हुए मतदान केंद्र पर पहुंच रहे दिव्यांग मतदाताओं को सुरक्षाकर्मियों ने व्हील चेयर पर मतदान केन्द्र ले जाने में मदद किया गया। अक्सर देखा गया है पुलिसकर्मी अपनी ड्यूटी के साथ सामाजिक सरोकार के कार्य में अग्रणी रहते है।

भयमुक्त होकर मतदाताओं ने किया मतदान

■ पर्याप्त सुरक्षा के साथ पहली बार सड़क मार्ग से पहुंचा मतदान दल

■ सुव्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण तरीके से हुआ मतदान

बलरामपुर 17 नवंबर (देशबन्धु)। विधानसभा आम निर्वाचन 2023 के अंतर्गत विधानसभा क्षेत्रों के लिए सुबह 8 बजे से मतदान प्रारंभ हुआ। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा जिले में सफलतापूर्वक मतदान कराने के लिए निरंतर मॉनिटरिंग की गई थी। जिले में कुछ क्षेत्र ऐसे भी है जो अति संवेदनशील है जहां मतदान सम्पन्न कराने हेतु विशेष सुरक्षा व्यवस्था मुहैया कराई गई थी। ऐसे ही दूरस्थ अंचल चुनचुना एवं पुदांग में स्थित मतदान केन्द्रों मे चॉक-चौबंद सुरक्षा के बीच मतदाताओं ने उत्साहपूर्वक और भयमुक्त होकर लोकतंत्र के महापर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की और विकास का रास्ता चुना। चुनचुना-पुंदाग में गत निर्वाचनों में हेलीकॉप्टर से मतदान दलों को भेजकर मतदान कराया जाता था तब गंभीर परिस्थितियां हुआ करती थी। लेकिन जिला एवं पुलिस प्रशासन के अथक प्रयासों से क्षेत्र में शांति स्थापित कर निर्वाचन के लिए समय अनुकूल बनाया गया। मतदान दिवस प्रात: से ही दोनों मतदान केन्द्रों में मतदाताओं की लम्बी कतार देखी गई। जहां युवाओं, महिलाओं तथा पुरूषों के साथ वरिष्ठ मतदाताओं ने भी अपने मताधिकार का उपयोग किया।

सामरी विधानसभा क्षेत्र के अति संवेदनशील क्षेत्र चुनचुना में 745 मतदाता तथा पुदांग में 587 मतदाताओं के लिए प्राथमिक शाला चुनचुना व माध्यमिक शाला पुंदाग को मतदान केन्द्र बनाया गया है। जहां मतदाताओं ने अपने काम छोड़कर बढ़-चढ़कर मतदान की प्रक्रिया में शामिल हुए। जहां मतदाताओं न केवल मतदान किया अपितु खुशी-खुशी सेल्फी लेते नजर आए और बांए हाथ के तर्जनी उंगली दिखाते हुए अपने आत्मविश्वास और जागरूकता का परिचय दिया। शाम 05 बजे तक चुनचुना में 84.16 प्रतिशत तथा पुंदाग में 71.04 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। गत विधानसभा निर्वाचन 2018 में चुनचुना में 67 प्रतिशत तथा पुंदाग में 47 प्रतिशत मतदान हुआ था, जो कि यह दर्शाता है कि चुनचुना एवं पुंदाग के ग्रामीण भयमुक्त होकर लोकतंत्र के महापर्व में अपनी सहभागिता निभा रहे हैं।

गौरतलब है कि यह पहली बार है की सुरक्षाकर्मियों के साथ मतदान दल सड़क मार्ग से इस क्षेत्र में चुनाव कराने पहुंचा है। सामरी विधानसभा में झारखण्ड की सीमा से लगा चुनचुना-पुंदाग इलाके में स्थित बुढ़ापहाड़ कभी नक्सलियों को गढ़ माना जाता था, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में पुलिस प्रशासन ने अभियान चलाकर नक्सलियों के इरादों को नाकाम करने में सफलता हासिल की है। आज वहां के मतदाताओं ने सुरक्षा और कानून व्यवस्था के घेरे में स्वतंत्र रूप से अपने मत का प्रयोग कर लोकतंत्र के निर्माण में अपना योगदान दिया है।

जिले में शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ मतदान

विधानसभा निर्वाचन 223 के लिये बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में 17 नवम्बर को शांतिपूर्ण ढंग से मतदान सम्पन्न हुआ। सायं 5ः बजे की स्थिति में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र `6-प्रतापपुर में 63.46 प्रतिशत,`7-रामानुजगंज में 65.5 प्रतिशत एवं`8-सामरी में 7.4 प्रतिशत मतदान हुआ। मतदाताओं ने निर्भिक होकर अपना मताधिकार का उपयोग किया। ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष तौर पर युवाओं एवं महिलाओं में मतदान के प्रति खासा उत्साह देखने को मिला। मतदान केन्द्रों में प्रातः `8ः बजे से ही मतदाताओं की लंबी लाईन देखी गई। मतदान के दौरान जिले मे कहीं भी अप्रिय घटना घटित नहीं हुई। इस दौरान सुरक्षा की दृष्टि से सभी मतदान केन्द्रों में पुलिस की चाक-चौबंद व्यवस्था की गई थी। जिले के दो विधानसभा क्षेत्र रामानुजगंज के 11 व सामरी के 13 प्रत्याशियों का भाग्य ई.व्ही.एम. में बंद हो गई है।

364 मतदान केंद्र का किया गया वेब कास्ट

सूरजपुर 17 नवंबर (देशबन्धु)। मतदान दिवस पर जिला निर्वाचन अधिकारी संजय अग्रवाल सुबह से ही प्रबंधन को लेकर सक्रिय दिखे। 364 मतदान केंद्र में किया गया था वेब कास्ट, जिले के तीनों विधानसभा के लिये 364 मतदान केंद्र में वेब कास्ट की व्यवस्था की गई थी । जिसके लिए जिला संयुक्त कार्यालय के सभा कक्ष को कंट्रोल रूम बनाया गया था । वेब कास्ट का संपादन बिना किसी बाधा के हो रहा है, इस पर नजर रखने के लिए मतदान शुरू होने के पूर्व से ही कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजय अग्रवाल व एसपी आई कल्याण एलिसेला सभा कक्ष में उपस्थित थे। जिला निर्वाचन अधिकारी संजय अग्रवाल और एसपी आई कल्याण एलिसेला एक साथ मतदान केंद्र का अवलोकन करने के लिए निकले थे। मतदान केंद्र पहुंचकर उन्होंने अपने मताधिकार के उपयोग करने के लिए आए नागरिकों से मतदान स्थल की व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली। इसी बीच दोनों अपने आबंटित मतदान केंद्र पर भी पहुंचे और और उन्होंने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजय अग्रवाल ने आदर्श मतदान केन्द्र (संगवारी बूथ) मा.शा. नवापारा सूरजपुर में अपना वोट डाला और एसपी आई कल्याण एलिसेला ने शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला बिश्रामपुर में अपना वोट डाला।कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजय अग्रवाल एवं एसपी आई कल्याण एलिसेला के द्वारा आ.जा. क. पूर्व मा. शाला गंगापुर, शा.प्रा. शाला महेशपुर, शा.क.उ.मा. वि. विश्रामपुर, आ.जा. शा.क. मा. शाला, हाई स्कूल नवापारा, शा.प्रा. शाला जुनापारा सिरसी, शा.प्रा. शाला करकोटी मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया गया।

कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक ने किया मतदान

बलरामपुर 17 नवंबर (देशबन्धु)। विधानसभा निर्वाचन 2023 बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री रिमिजियुस एक्का एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। कलेक्टर ने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 07-रामानुजगंज के जिला मुख्यालय बलरामपुर में स्थित मतदान केन्द्र क्रमांक-211 शासकीय प्राथमिक शाला जुड़नियापारा में तथा पुलिस अधीक्षक ने प्राथमिक शाला दहेजवार में पहुंचकर आम नागरिकों के साथ कतारबद्ध होकर मतदान किया। इस दौरान उन्होंने जिले के मतदाताओं से मतदान करने की अपील की और कहा कि मजबूत लोकतंत्र के निर्माण में अपने बहुमूल्य मत का प्रयोग अवश्य करें। उन्होंने लोकतंत्र के इस महापर्व में मतदाताओं को सहभागिता देने और बिना किसी दबाव, प्रलोभन में आये शांतिपूर्ण तरीके से निष्पक्ष होकर मतदान करने की अपील की।

जिले की तीनों विधानसभा में 77.43 प्रतिशत मतदान

देर शाम तक लगी रही मतदाताओं की कतारे, महिलाओं ने दिखाया उत्साह

सूरजपुर 17 नवंबर (देशबन्धु)। विधानसभा निर्वाचन अंतर्गत मतदाताओं में मतदान के लिए भारी उत्साह दिखाया। जिले की तीनों विधानसभा में कुल 77.43 प्रतिशत मतदान रहा।समाचार लिखे जाने तक मतदान केंद्रों में लगी रही जिससे मतदान का प्रतिशत और बढ़ेगी।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में निर्वाचन कार्य शांतिपूर्ण एवं निर्विघ्न संपन्न हुआ। मतदान में सभी आयु वर्ग के लोगो सक्रिय सहभागिता रही। मतगणना रविवार 03 दिसम्बर को सुबह 8 बजे से आई.टी.आई. कॉलेज पर्री में किया जाएगा।निर्वाचन नियंत्रण कक्ष से मिली अंतिम जानकारी के अनुसार शाम 5 बजे तक जिले में 77.42 प्रतिशत मतदान हुआ है। अंतिम जानकारी मिलने तक लोगों के लाईन में मतदान हेतु खड़े होने की जानकारी प्राप्त हुई है। जिससे अंतिम वोटिंग प्रतिशत बढ़ने की सम्भावना है। जिसमें 75.80 प्रतिशत पुरुष मतदाता 79 प्रतिशत महिला मतदाता ने मतदान किया। विधानसभा क्षेत्र प्रेमनगर (04) में 77.38 प्रतिशत मतदान हुआ। जिसमें 90732 पुरुष मतदाता एवं 92698 महिला मतदाताओं ने मतदान किया।विधानसभा क्षेत्र भटगांव (05) में 78.17 प्रतिशत मतदान हुआ। जिसमें कुल 90722 पुरुष मतदाता एवं 94195 महिला मतदाताओं ने मतदान किया।विधानसभा क्षेत्र क्रमांक प्रतापपुर (06) में 76.78 प्रतिशत मतदान हुआ। जिसमें 86287 पुरुष मतदाता एवं 91550 महिला मतदाताओं ने मतदान किया।तीनों विधानसभा में 05 लाख 46 हजार 184 मतदाताओं द्वारा अपने मताधिकार का प्रयोग किया गया है।

जिले के वरिष्ठ अधिकारियों ने मतदान कर लोकतंत्र के महापर्व पर निभाई सहभागिता

अम्बिकापुर, 17 नवंबर (देशबन्धु)। 17 नवम्बर मतदान दिवस पर सरगुजा जिले के नागरिक सुबह सुबह अपने घरों से निकले और लोकतंत्र के महापर्व मतदान में शामिल होकर अपना सबसे महत्वपूर्ण कर्तव्य निभाया। जहां मतदाता उत्साहित थे, वहीं मतदान केन्द्रों में पूरी तैयारी थी। कहीं मतदाताओं का स्वागत तिलक और पुष्प गुच्छ से किया गया, तो कहीं पारंपारिक वाद्य यंत्रों की थाप के साथ मतदाताओं का स्वागत किया गया। जिले में सुबह 8 बजे से मतदान शुरू हुआ। इससे पहले मॉक पोल किया गया। मतदान हेतु आम नागरिकों ने सुबह से कतारें लगाना शुरू कर दीं। बुजुर्ग, महिला और युवा मतदाताओं ने उत्साह के साथ अपना कर्तव्य निभाते हुए मतदान किया। इस अवसर पर जिले के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी मतदान कर अपनी सहभागिता निभाई। सरगुजा सम्भाग आयुक्त श्रीमती शिखा राजपूत तिवारी ने मतदान केंद्र जिला उद्योग केंद्र अम्बिकापुर में तथा आईजी श्री अंकित गर्ग ने सपत्नीक मतदान केंद्र प्राथमिक शाला पुलिसलाइन में मतदान किया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कुन्दन कुमार अपनी धर्मपत्नी श्रीमती पारुल माथुर के साथ मल्टीपरपज स्कूल के मतदान केंद्र क्रमांक 73 में मतदान किया। पुलिस अधीक्षक श्री सुनील शर्मा ने जिला उद्योग केंद्र अम्बिकापुर में मतदान कर लोकतंत्र में अपनी सहभागिता निभाई। इस दौरान मतदान केन्द्रों में बने सेल्फी पॉइंट में सेल्फी लेकर मतदाताओं को मतदान हेतु प्रेरित भी किया। इस अवसर पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कुन्दन ने पहली दफा वोट डालने वाले युवाओं को बधाई देते हुए उनके साथ तस्वीर भी खिंचाई।

युवा मतदाता श्रेया पांडेय ने आज पहली बार अपना वोट दिया। मतदान केंद्र क्रमांक 120 उद्योग केंद्र में अपना वोट देकर वे बेहद उत्साहित दिखी। इसी तरह युवा मतदाता पूर्णिमा ने मतदान कर सभी से लोकतंत्र की मजबूती हेतु मतदान अवश्य करने की अपील की। मतदान केंद्र क्रमांक 58 चांदनी चौक में युवा प्रांजलि शर्मा ने आज पहली बार अपना वोट डाला। उन्होंने बताया कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अपनी सहभागिता दर्ज कर आज वे बेहद खुश एवं उत्साहित हैं।

स्वयं ट्राइसिकल चलाकर पूरे जोश और जज्बे के साथ मतदान देने मतदान केंद्र क्रमांक 58 नगर निगम विद्यालय स्थित आदर्श मतदान केन्द्र पहुंचे दिव्यांग मुन्ना प्रसाद सोनी ने मतदान को सबसे महत्वपूर्ण अधिकार बताया। 84 साल के श्री छेदीलाल गुप्ता ने मतदान केंद्र क्रमांक 66 चांदनी चौक में अपना वोट दिया और कहा सभी वोट जरूर दें। इसी तरह 85 वर्षीय राम जीत तिवारी ने अंबिकापुर मतदान क्रमांक 58 चांदनी चौक में अपना वोट दिया। उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र का पर्व है, मतदान अवश्य देना चाहिए। उन्होंने मतदान कराने हेतु की गई व्यवस्थाओं को भी सराहा।

पैर में फैक्चर के कारण चलने-फिरने में असमर्थ रुक्मणी देवी केड़िया मतदान केंद्र तक जैसे ही पहुंची, मतदाता मित्रों ने उन्हें देखा तुरंत सहायता के लिए आगे आए और उन्हें व्हीलचेयर के द्वारा मतदान कक्ष तक पहुंचाया। रुक्मणी देवी ने इस सहायता के लिए खुशी जाहिर करते हुए उनका धन्यवाद किया और मतदान के दौरान मिली इस सुविधा के लिए भी धन्यवाद किया। सभी मतदान केंद्रों में मतदाताओं के सहयोग के लिए मतदाता सहायक (वोटर असिस्टेंट) मौजूद रहे।

वोटर असिस्टेंट द्वारा मतदाताओं को मतदाता सूची में नाम ढूंढने और मतदान केंद्र के संबंध में जानकारी प्रदान करने के साथ ही वे दिव्यांग और वरिष्ठ जनों का मददगार बनकर खड़े रहे। मतदाता मित्र के रूप में एनएसएस और स्काउट गाइड के कैडेट्स मतदान केंद्रों में दिव्यांग, वरिष्ठ नागरिकों तथा शारीरिक रूप से अक्षम मतदाताओं को सहयोग प्रदान करने एवं व्हील चेयर, पेयजल, उपलब्ध कराने में सहयोगी रहे।

कलेक्टर-एसपी ने किया मतदान

मनेन्द्रगढ़ 17 नवंबर (देशबन्धु)। चुनई तिहार के दिन कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री नरेन्द्र कुमार दुग्गा ने सपरिवार आज सुबह कतार में लगकर मतदान किया। उनके साथ पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धार्थ तिवारी ने भी खोंगापानी सीआरओ कैम्प में बनाये मतदान क्रमांक 301 में सामान्य मतदताओं के समान लाइन में लग कर मतदान किया। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी दोनों मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया तथा विजीटर बुक का अवलोकन भी किया। कलेक्टर ने मतदान केंद्र में उपस्थित सुरक्षा बल के जवानों के साथ हाथ मिलाकर पूरी निष्ठा से अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही उन्होंने मतदान केंद्र में उपस्थित सभी अधिकारी-कर्मचारी को भी अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करने के लिए प्रेरित करते हुए ऑल द बेस्ट कहा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने परिवार के साथ सेल्फी ली। एसपी ने भी मतदान केंद्र में बनाए गए सेल्फी जोन में सेल्फी लिया। कलेक्टर ने मतदान केंद्र में उपस्थित सभी मतदाताओं को जागरूकता के साथ मतदान करने के लिए बधाई देते हुए शुभकामनाएं दी। मतदान केन्द्र में दिव्यांग मतदाताओं को मतदान कराने के लिए स्काउट गाइड के बच्चों को तैनात किया गया है। जिनको सेवा मित्र का नाम दिया गया है। कलेक्टर ने मतदान केन्द्र में उपस्थित बीएलओ को सभी का सहयोग करने की सलाह दी। इसके साथ ही कलेक्टर ने सभी मतदाता से अपने मताधिकार का उपयोग करने की अपील की।

99 वर्षीय यशोदीया ने किया अपने मताधिकार का प्रयोग

मनेंद्रगढ़ 17 नवंबर (देशबन्धु)। लोकतंत्र को मज़बूत बनाने के लिए सभी वर्ग के मतदाताओं ने वोट डाल कर अपनी सहभागिता दी है। जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के विधानसभा क्षेत्र क्रमांक`1 भरतपुर-सोनहत के बौरीडांड मतदान केन्द्र क्रमांक 288 में 99 वर्षीय यशोदीया बाई पति स्व. शिवधन सिंह ने उम्र की बाधाओं को आत्मविश्वास और हौसला से पीछे छोड़ उत्साह के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग किया। यह अन्य बुजुर्ग और युवा मतदाताओं के लिए लोकतंत्र के निर्माण में अपने योगदान के लिए प्रेरणास्रोत है।

रायगढ़ जिले में 80 प्रतिशत मतदान

रायगढ़ 17 नवंबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ में दूसरे चरण के मतदान के तहत शुक्रवार को रायगढ़ जिले की चारों विधानसभा सीटों के लिये मतदान केन्द्रों में सुबह से ही मतदान शुरू हो चुका था। रायगढ़ जिले की चार सीटों के लिये करीब 8 हजार कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई थी। जिनमे महिला व पुरूष शामिल थे। शाम 6 बजे तक मिली जानकारी के अनुसार जिले में 80 प्रतिशत से अधिक मतदान हो चुका था। जिसमें खरसिया विधानसभा में सबसे अधिक 84 प्रतिशत तथा रायगढ़ विधानसभा में सबसे कम 74 प्रतिशत मतदान की जानकारी सामने आई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ में हो रहे दूसरे चरण के विधानसभा चुनाव के लिये आज सुबह से ही जिले भर के मतदान केन्द्रों में मतदान के लिये महिला पुरूषों की भीड जुटनी शुरू हो गई थी। सुबह की पाली में बड़ी संख्या में मतदाताओं ने मतदान केन्द्रों में पहुंचकर अपने-अपने मताधिकार का उपयोग किया। इस दौरान रायगढ़ जिला कलेक्टर कार्तिकेया गोयल और पुलिस अधीक्षक सदानंद कुमार ने भी वोट डाले। साथ ही उन्होंने आज जनता से अपील करते हुए लोकतंत्र मजबूत करने के लिए मतदान करने को कहा। दोनो ने अपने अपने वोट डालने के बाद जिले में शांतिपूर्ण मतदान की जानकारी दी। साथ ही साथ हाथी प्रभावित इलाकों मे भी मतदान कराने के लिए टीमों को तैनात किए जानें की भी जानकारी दी गई।

बुजुर्ग, दिव्यांग व युवाओं ने उत्साह से किया अपने मताधिकार का प्रयोग

बलरामपुर 17 नवंबर (देशबन्धु)। विधानसभा निर्वाचन 2023 के अन्तर्गत दूसरे चरण में जिले में 17 नवम्बर को मतदान सम्पन्न हुआ। शहरी एवं ग्रामीण इलाको में युवाओं से लेकर बुजुर्ग मतदाताओं में मतदान करने भारी उत्साह नजर आया। युवा, बुजुर्ग, पुरूष एवं महिलाएं सभी मतदान के इस महापर्व में बढ़-चढ़ के हिस्सा लिए तथा हर वर्ग के लोग अपने मताधिकार का प्रयोग करने संबंधित मतदान केन्द्र पहुंच कर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले के विधानसभा क्षेत्रों में बुजुर्ग, दिव्यांग मतदाताओं के लिए विशेष मतदान केन्द्र बनाये गये है। जहां उन्हें मतदान करने हेतु विशेष सुविधा दी गई। बुर्जुगों एवं दिव्यांगों के लिए मतदान केन्द्र में व्हील चेयर की व्यवस्था की गई। इसके साथ ही मतदाता मित्र लगाए गए जो मतदान कक्ष तक ले जाने में उनकी सहायता किये। जिला प्रशासन द्वारा मतदान केन्द्र में किये गये सुविधाओं के साथ बुजुर्ग एवं दिव्यांग मतदाताओं ने उत्साह के साथ किया अपने मताधिकार का प्रयोग। साथ ही युवाओं मतदाताओं का ध्यान रखते हुए दोनों विधानसभा क्षेत्रो में युवा मतदान केन्द्र भी बनाये गये थे जहां युवा मतदाताओं ने बढ़-चढ़कर अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

संगवारी मतदान केन्द्र रहा आकर्षण का विषय

निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करने के लिए आदर्श और संगवारी मतदान केंद्र की पहल की है। इसके तहत जिले के विधानसभा क्षेत्रो में 25 मतदान केंद्र को संगवारी तथा आदर्श मतदान केन्द्र बनाया गया है। संगवारी मतदान केन्द्रों में महिला अधिकारी-कर्मचारियों की ड्युटी लगायी गयी थी। संगवारी तथा आदर्श केन्द्रो को जिला प्रशासनों द्वारा तैयार किया गया था जिसमें मतदान केन्द्रों के बाहर टेन्ट व जिले के प्राकृतिक धरोहरों को प्रदर्शित किया गया था जो मतदाताओं के आकर्षण का केन्द्र रहा।

सामान्य प्रेक्षक डॉ. अभीर ने किया मतदान केंद्र का निरीक्षण

बलरामपुर 17 नवंबर (देशबन्धु)। विधानसभा निर्वाचन 223 के अन्तर्गत विधानसभा क्षेत्र क्रमांक`7-रामानुजगंज, `8-सामरी के निर्वाचन हेतु आज 17 नवम्बर को मतदान दिवस के अवसर पर जिले के मतदाता उत्साहपूर्वक मतदान करने मतदान केन्द्रों में पहुंचे। इस दौरान सामान्य प्रेक्षक`7-रामानुजगंज श्री ताई काये एवं सामान्य प्रेक्षक`8-सामरी डॉ. जय कृष्ण अभीर ने मतदान केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने जिले के विभिन्न ग्रामों में बने मतदान केन्द्रों में पहुंचकर वहां पर मौजूद मतदान अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। मतदान करने के लिए युवा और महिला मतदाताओं में खासा उत्साह देखा गया। आज प्रातः से ही मतदाताओं की लम्बी-लम्बी कतार मतदान केन्द्रों पर देखी गई। जहां युवाओं के साथ वरिष्ठ तथा दिव्यांग मतदाताओं ने भी अपने मताधिकार का उपयोग किया।

लोकतंत्र के महापर्व में पूर्णाहुति देने मतदाताओं ने लिया बढ़-चढ़कर हिस्सा

सार-संक्षेप

सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले में 73.31 प्रतिशत मतदान

सारंगढ़ 17 नवंबर (देशबन्धु)। नवगठित सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले को स्थापना के एक वर्ष के दौरान ही विधानसभा निर्वाचन 2023 को संपन्न कराने का अवसर प्राप्त हुआ। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. फरिहा आलम सिद्दीकी के नेतृत्व में और सामान्य प्रेक्षक तापस राय, पवन कुमार, पुलिस प्रेक्षक राजेन्द्र कुमार मीणा और व्यय प्रेक्षक रत्नेश कुमार सिंह के जिले में उपस्थिति, सहयोग और मार्गदर्शन में मतदान कार्य संपन्न हुआ। 17 नवंबर को शाम 5 बजे की स्थिति में सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले में 73.31 प्रतिशत, सारंगढ़ विधानसभा-17 में 78.04 प्रतिशत और बिलाईगढ़ विधानसभा-43 में 69.18 प्रतिशत मतदान हुआ।

जिले के बिलाईगढ़ विधानसभा के बाघमला मतदान केन्द्र क्रमांक 338 में 93 वर्षीय महिला मतदाता डोकरी पटेल ने उम्र की बाधाओं को आत्मविश्वास और हौसला से पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने स्वयं लाठी के सहारे पैदल आकर उत्साह के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग किया। यह अन्य बुजुर्ग और युवा मतदाताओं के लिए लोकतंत्र के निर्माण में अपने योगदान के लिए प्रेरणास्त्रोत है। वास्तव में देखा जाए तो वो बुजुर्ग महिला (डोकरी पटेल) दुनियां को दिखाना चाहती है कि नाम और उम्र में क्या रखा है, अभी इस शरीर में जान और हौसला बाकी है।

खरसिया विधानसभा में कथित शराब बांटने को लेकर गर्माया विवाद

खरसिया 17 नवंबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ की हाट सीट कहे जाने वाली खरसिया विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कुरमापाली में आज मतदान के समय कुछ कांग्रेसी कार्यकर्ताओं द्वारा मतदाताओं को शराब बांटे जाने के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा विरोध करने पर की गई मारपीट और गर्मा गई है। मिली जानकारी के अनुसार कोतरा रोड पुलिस ने शुक्रवार की सुबह 11 बजे भाजपा और कांग्रेस के दो-दो कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर थाने तक लाया था उसके बाद जहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं को छोड़ दिया गया, लेकिन इस मामले में भाजपा कार्यकर्ताओं को अभी तक नही छोड़ा गया। जिसके चलते नाराज भाजपा कार्यकर्ताओं ने कोतरा रोड थाने का घेराव करते हुए उमेश पटेल की दादागिरी, पुलिस की तानाशाही बताते हुए थाने के भीतर घुसकर विरोध भी किया।

इस दरम्यान पुलिस का कोई भी वरिष्ठ अधिकारी थाने में मौजूद नही था। जिसके चलते मामला लगातार और गर्माते जा रहा है। इस संबंध में पकड़े गए दोनों भाजपा कार्यकर्ताओं का आरोप था कि उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को शराब बांटने से रोका था और इसकी सूचना पुलिस को दी थी। लेकिन पुलिस ने उन्हें दोपहर 12 बजे से लेकर अब तक थाने में बिठाकर धमकियां दी जा रही है कि जैसा बोला जा रहा है वैसे करें अन्यथा परिणाम गंभीर होंगे।

सम्बलपुरी में चरित्र शंका पर पति ने की पत्नी की हत्या

रायगढ़ 17 नवम्बर (देशबन्धु)। चक्रधर नगर थाना प्रभारी चक्रधरनगर निरीक्षक प्रशांत राव को ग्राम सम्बलपुरी से गांव के कोसाबाडी पीछे जंगल के पगडंडी में एक महिला का शव पड़े होने की सूचना मिला। तत्काल थाना प्रभारी द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को घटना की सूचना देते हुए अपने स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे। जहां गांव की शारदा खडिया पति कीर्तन खडिया उम्र 35 वर्ष का शव रक्तरंजित अवस्था में पड़ा मिला। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि शारदा और उसके पति कीर्तन खडिया के बीच घरेलू बात को लेकर विवाद हो रहा था, झगडा बढा तो कीर्तन खडिया अपने पास रखे लोहे के फावडा से शारदा खडिया के सिर में मारकर उसकी हत्या कर भाग गया है।

चक्रधरनगर पुलिस द्वारा मौके पर शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजी। घटना के संबंध में रिपोर्ट करता निराकार रठिया के रिपोर्ट पर आरोपी कीर्तन खडिया पर हत्या का अपराध दर्ज कर आरोपी की पतासाजी में लिया गया। आरोपी कीर्तन खडिया के संबंध में जानकारी मिली कि वह चोरी के मामले में जेल में था, करीब दो माह पहले बाहर आया है। गांव आने के बाद से कीर्तन उसकी पत्नी पर चरित्र शंका कर झगड़ा विवाद करता था और झगड़ा विवाद में उसकी हत्या किया है।

फरार आरोपी कीर्तन खडिया के आज सुबह गोपालपुर में देखे जाने की सूचना पर तत्काल टीआई प्रशांत राव स्टाफ के साथ दबिश देकर आरोपी को हिरासत में लिया गया। आरोपी द्वारा चरित्र शंका पर उसकी पत्नी की हत्या करना स्वीकार किया, जिसके मेमोरेंडम पर हत्या में प्रयुक्त लोहे का फवड़ा, घटना समय पहने कपड़े (खून लगे) तथा घटनास्थल के पास से महत्वपूर्ण साक्ष्य को सुरक्षित जप्त किया गया है। आरोपी कीर्तन खडिया पिता जयमंगल खडिया उम्र करीब 31 वर्ष साकिन सम्बलपुरी थाना चक्रधरनग जिला रायगढ को आज हत्या के अपराध में गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। आरोपी पतासाजी, गिरफ्तारी में थाना प्रभारी चक्रधरनगर निरीक्षक प्रशांत राव आहेर, उप निरीक्षक जी.एल. साहू, प्रधान आरक्षक लोमश राजपूत, आरक्षक सुशील यादव की अहम भूमिका रही है।

प्रतिबंधित क्षेत्र में सीधे घुस आया ट्रेलर

रायगढ़ 17 नवम्बर (देशबन्धु)। जिला मुख्यालय में मतदान के दौरान ट्रैफिक पुलिस की बड़ी लारपवाही सामने आई है। बताया जा रहा है कि हरियाणा से जिंदल सामान लेने आ रही बड़ी ट्रेलर रास्ता भूल कर दी 49 उम स्थिति छातामुडा चैक से ओवर ब्रिज को पार करते हुए सीधे शहर भारी भीड़ वाले इलाके निगम कार्यालय पुराना शनि की तरफ आ गई। इस दौरान ट्रेलर चालक को चैक पर किसी पुलिस कर्मी ने रोका न ही जुट मिल थाने की पुलिस ने रोक टोक की। शहर के बीचों बीच अचानक ट्रेलर के आ जाने से उस वक्त हड़कंप मच गया जब बड़ी ट्रेलर को आगे पीछे करने के लिए जगह नहीं मिली। इससे ड्राइवर परेशान हो गया,उसे यह नही समझ आया कि गाड़ी को वह आगे बढ़ाए या वापस ले। ऐसी स्थिति में सड़क जाम होने की स्थिति बन गई। तभी किसी ने पुलिस को फोन किया। तब पुलिस और उड़न दस्ता की टीम मौके पर पहुंची फिर उनकी सहायता से करीब 15 मिनट में किसी तरह ट्रेलर को बैक कर वापस दी 49 की तरफ भेजा गया। फिर लोगों ने राहत की सांस ली। साथ ही ट्रैफिक पुलिस की लापरवाही को लेकर लोगों में नाराजगी भी देखी गई।

टीभूराम पटेल का निधन

डभरा 17 नवंबर (देशबन्धु)। ग्राम सपोस के सेवानिवृत शिक्षक टीभूराम पटेल का हृदयघात हो जाने के कारण 16 नवंबर 2023 को अचानक निधन हो गया। वे प्रधान पाठक के रूप में प्राथमिक शाला लटेसरा में पदस्थ थे जो सेवानिवृत्ति हुए थे इनके पीछे दो पुत्र और एक पुत्रियां छोड़ गए हैं ग्राम सपोस के स्थानीय मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार किया गया जिसमें स्वजातीय बंधु एवं आसपास के लोग शामिल हुए मुखाग्नि उनके पुत्रों द्वारा दी गई।

कई मतदान केन्द्रों में मतदान जारी

जांजगीर-चांपा जिले में शाम 5 बजे तक 65.57 प्रतिशत मतदान

जांजगीर, 17 नवम्बर (देशबन्धु)। लोकतंत्र के महापर्व में पूर्णाहुति देने मतदाताओं ने आज बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जिसमे नये युवा मतदाता से लेकर दिव्यांग व उम्रदराज भी शामिल है। इसी वजह से जिले के तीन विधानसभाओं में अनंतिम आंकड़े अनुसार 65.57 प्रतिशत मतदान शाम 5 बजे तक होने की जानकारी आई है, हालांकि कई मतदान केद्रो में शाम 5 बजे के बाद भी मतदान की प्रक्रिया जारी रही जिससे मतदान का प्रतिशत और भी बढ़ सकता है। राहत की बात यह भी कि सभी 811 मतदान केद्रो में मतदान की प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से निपटने की सूचना मिली है।

निर्वाचन नियंत्रण कक्ष से मिली जानकारी के अनुसार शाम 5 बजे तक जिले में अनंतिम आंकड़े अनुसार 65.57 प्रतिशत मतदान हुआ है। जिसमें अकलतरा विधानसभा क्षेत्र में 67.97 प्रतिशत, जांजगीर-चांपा में 68.63 प्रतिशत एवं पामगढ़ में 60.20 प्रतिशत मतदान हुआ है। जिले में शाम 5 बजे के बाद भी कई मतदान केन्द्रों में मतदान जारी हैं। विधानसभा चुनाव को लेकर पखवाड़े भर तक चुनावी शोरगुल व गहमा गहमी का माहौल अब थम गया है। मतदाताओं ने भी अपने मताधिकार को इव्हीएम में बंद कर दिया है जो आगामी 3 दिसंबर को प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेगा। जिले के तीनों विधानसभा में बनाए गए 811 मतदान केद्रो में मतदान की प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से निपटने की सूचना मिली है जो निश्चित रूप से जिला प्रशासन एवं जिला पुलिस के लिए राहत की बात है इससे पूर्व ही जिला प्रशासन ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अधिकांश थाना क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला था एवं गुंडे मवालियों के जिला बदर की कार्यवाही भी की गई थी जिसका सुखद परिणाम शांतिपूर्वक मतदान प्रक्रिया पूर्ण होने को लेकर देखा जा सकता है।

दादा, बेटा के साथ पोता भी पहुंचे मतदान केन्द्र

मतदान के दौरान जिले में एक साथ तीन पीढ़ियां मतदान करते हुए दिखाई दी। दादा का हाथ थामे पोता मतदान केन्द्र की ओर जाते हुए तो कहीं पर बेटा अपने मां का हाथ थामे जाते हुए दिखाई दिए। इसी तरह नजारे अन्य मतदान केन्द्रो में भी दिखाई दिए। जांजगीर-चांपा विधानसभा के मतदान केन्द्र क्रमांक 102 बुनियादी प्रशिक्षण संस्था में श्री आनंद राम यादव उम्र 79 व श्रीमती आर के यादव वर्ष 79 के परिवार ने अपने पूरे परिवार के साथ मतदान करने पहुंचे। उनके साथ पुत्र श्री दीपक यादव व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती दीप्ति यादव तथा उनके पौत्र दिव्यांश यादव उम्र 19 वर्ष ने मतदान किया। इसी प्रकार नैला के मतदान केन्द्र क्रमांक 78 में 94 वर्षीय श्री लखन लाल दुबे अपने पूरे परिवार के साथ मतदान करने पहुंचे। उनके पुत्र श्री श्यामसुन्दर उम्र 54 वर्ष तथा उनके पौत्र श्री ध्रुव कुमार दुबे 19 वर्ष ने उनके साथ मतदान किया। श्री दिव्यांश यादव एवं श्री ध्रुव कुमार दुबे ने पहली बार अपने मताधिकार का उपयोग किया। उन्होंने बताया कि अपने पूरे परिवार के साथ हमने मतदान किया। पहली बार जब केन्द्र में पहुंचे तो त्यौहार की तरह लगा। लोकतंत्र के इस पर्व में सहभागिता निभाने का अवसर प्राप्त हुआ जो बेहद ही सुखद लगा।

कलेक्टर ने मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

विधानसभा निर्वाचन 2023 में आज जिले के विभिन्न मतदान केन्द्रो का कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी एवं पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने निरीक्षण किया। उन्होंने जांजगीर, नैला, बनारी, अकलतरा, कोटमीसोनार के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शांतिपूर्ण मतदान के लिए सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और कहा कि मतदाता निष्पक्ष और निर्भीक होकर अपने मताधिकार का उपयोग करें। उन्होंने मतदान केन्द्रों में मतदाताओं को उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं का अवलोकन किया एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कलेक्टर ने लोकतंत्र के महापर्व में सभी मतदाताओं से मतदान करने की अपील की। जिले में शांतिपूर्ण ढंग से निर्वाचन की प्रक्रिया सुचारू रूप से चल रही है। मतदाता सहज एवं स्वस्फूर्त अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहें हैं।

18 से 19 वर्ष आयु वर्ग के 35 हजार से ज्यादा वोटर्स

आज संपन्न हुए विधानसभा निर्वाचन में नव मतदाताओं ने उमंग व उत्साह के साथ पहली बार मतदान किया। जिला प्रशासन द्वारा स्कूलों, कालेजो में 17 से अधिक आयु वर्ग के भावी मतदाताओं का नाम निर्वाचक नामावली में जोड़ने के लिए विशेष अभियान कई चरणों में चलाया गया था। इस अभियान के चलते बड़ी संख्या में स्कूलों एवं महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के नाम जोड़े गये। इनमें विधानसभा निर्वाचन तक 18 वर्ष से 19 वर्ष आयु पूर्ण करने वाले 35 हजार 711 युवाओं के नाम निर्वाचक नामावली में जुड़े। ये मतदाता पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहें हैं। जिले के विभिन्न मतदान केन्द्र में वोट डालने आये ऐसे युवाओं ने बताया कि लोकतंत्र के पर्व में सहभागिता का अनुभव अद्भुत है। निर्वाचन की पूरी प्रक्रिया में उन्हें अपने मत का महत्व पता चला। वे इस बात से उत्साहित है कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में उनकी भी भूमिका है। ग्राम सरखों के युवा मतदाता मनीष सूर्यवंशी, कु. रश्मि, कु. राजेश्वरी, चन्द्रसेन, ने कहा कि पहली बार वोट डालकर बेहद अच्छा लगा। जया सोनी, मेघा चन्द्रा, सुधांशु राठौर, अनुवेशा तिवारी, श्रेया दीवान, तनुषा कर्ष, संगीता सूर्यवंशी, नीलम दुबे, ध्रुव दुबे, प्रेम सूर्यवंशी ने कहा कि मतदान के लिए उनके मन में कई दिनों से उत्साह था। दिव्यांश यादव, स्वयं अग्रवाल, आकाश सिंह, कु.रोशनी कश्यप, कु. नेहा कश्यप ने कहा कि जब से उन्हे ईपिक मिला था तब से वे मतदान करने के लिए रोमांचित थे। पूरी प्रक्रिया को लेकर मन में कई तरह के सवाल थे, मतदान करने के बाद बहुत अच्छा लगा। सभी युवाओं ने सेल्फी पॉइंट पर फोटो खिंचवाई और सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म में शेयर भी की। कु. जाहन्वी सिंह, अभिजीत सिंह ने ग्राम महंत के मतदान केन्द्र में परिवारिक सदस्यों के साथ वोट डाला। उन्होंने कहा कि पहली बार मतदान करना त्यौहार मनाने जैसा लगा। वंशिका यादव, साक्षी यादव, सृष्टि यादव ने अपने-अपने परिवार सदस्यो के साथ मतदान किया।

नव विवाहित जोड़ों ने सेल्फी पॉइंट में एक साथ ली सेल्फी

विधानसभा निर्वाचन 2023 में सभी वर्गों में मतदान के प्रति जागरूकता एवं खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। नवदम्पति भी जबरदस्त उत्साह के साथ वोट कर लोकतंत्र को मजबूत करने में भागीदारी निभा रहे है। जिले के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 34 जांजगीर-चांपा के मतदान केंद्र क्रमांक 34, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक स्कूल जांजगीर मतदान केंद्र में नवदम्पति डंकेश्वर यादव और उमा यादव ने उत्साह के साथ मतदान कर मतदान केंद्र के सेल्फी में अमिट स्याही दिखाते हुए फ़ोटो भी खिंचवाई। इसी प्रकार नैला के मतदान केंद्र क्रमांक 80 में भी नवदम्पति शिवनारायण राठौर व भगवती राठौर ने मतदान केन्द्र में बनाये गए सेल्फी पॉइंट में फ़ोटो खिंचवाकर लोकतंत्र मजबूत करने में अपनी सहभागिता निभाई।

महिला मतदाताओं ने बढ़ चढ़कर लिया हिस्सा

चंद्रपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम साल्हे में विधानसभा का चुनाव आज सफलतापूर्वक मतदान पीठासीन अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। मतदान में गाव की महिला मतदाताओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया एवं अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

सड़क किनारे बैठे पिता-पुत्र को कुचला तेज रफ्तार कार ने, दोनो की मौत

जांजगीर, 17 नवम्बर (देशबन्धु)। अकलतरा थाना क्षेत्र के अमरताल गांव में तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे बैठे पिता-पुत्र को कुचल दिया। हादसे के बाद दोनों को अकलतरा अस्पताल ले जाया गया था, जहां डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मृतक आशीष खांडेकर अमरताल गांव का पंच था। दोनों के शव का पोस्टमार्टम आज सुबह किया गया। मामले में पुलिस द्वारा जांच की जा रही है।

दरअसल, अमरताल गांव का आशीष खांडेकर, अपने 14 साल के बेटे अभिजीत के साथ सड़क किनारे खाट में बैठकर धान की फसल की रखवाली कर रहे थे। इस दौरान तेज रफ्तार कार ने दोनों पिता-पुत्र को कुचल दिया और हादसे में दोनों की मौत हो गई है। घटना के बाद कार में सवार लोग मौके से फरार हो गए। खबर है कि कार में सवार लोगों को भी चोट आई है। दूसरी ओर, ग्रामीणों की भीड़ जुट गई थी और घटना को लेकर लोगों में आक्रोश देखा गया।

नहाय-खाय के साथ छठ पर्व का हुआ आगाज

पारिवारिक शांति की कामना से की जाने वाली सूर्य उपासना का महापर्व

जांजगीर, 17 नवम्बर (देशबन्धु)। पुत्र प्राप्ति और पारिवारिक शांति की कामना से की जाने वाली छठ पूजा की शुरूआत आज नहाय-खाय के साथ शुरू हुई। छठमाता एवं सूर्य देवता को समर्पित इस पर्व की तैयारी में भोजपुरी समाज व छठपूजा आयोजन समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य जुट गए हैं।

व्यवसायिक एवं अन्य कारणों से यहां आकर बस चुके हजारों की संख्या में बिहार एवं उत्तर प्रदेश के निवासियों द्वारा मनाया जाने वाला यह पर्व अब छत्तीसगढ़ की संस्कृति में भी घुलने लगा है। इसके बारे में यह मान्यता है कि जो भी सच्चे मन से छठ माता की आराधना करता है, उसकी मनोकामना अवश्य पूर्ण होती है। आमतौर पर पूरे भारत में मनाए जाने वाले अन्य पर्वों में किसी भगवान की मूर्ति को प्रतीक मानकर पूजन किया जाता है, लेकिन छठ पर्व में संपूर्ण पृथ्वी को अपनी ऊर्जा से संचारित करने वाले सूर्य देव की प्रत्यक्ष पूजा की जाती है। यह एकमात्र पर्व है, जिसमें पहले डूबते हुए सूर्य को अर्ध्य दिया जाता है। 17 नवंबर को नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया।

बगैर लहसून एवं प्याज उपयोग किए लौकी की सब्जी और भात, चना दाल और चावल खाकर शुद्धीकरण किया गया। 19 नवंबर की शाम डूबते हुए सूरज को अर्ध्य दिया जाएगा। नदी के घाट में संध्या पूजा के बाद छठव्रती वापस घर लौटेंगे और भजन-कीर्तन के साथ रात्रि जागरण करेंगे। अगले दिन 20 नवंबर की सुबह उगते हुए सूरज की पूजा कर अर्ध्य दिया जाएगा। इसके बाद ही 36 घंटे के निर्जला उपवास तोड़ा जाएगा। छठ पूजा की तैयारी जोर-शोर से की जा रही है। नगर के भीमा तालाब, चांपा के हसदेव नदी के डोंगाघाट, केराझरीया महादेव घाट, अखराघाट, पाढ़ीघाट के प्रमुख रूप से छठ पूजा होगी। इन सभी घाट में साफ-सफाई कराई जा रही है।

कुमुद बेरीवाल का स्वर्गवास

रायगढ़ 17 नवम्बर (देशबन्धु)। नगर के प्रतिष्ठित सीनियर एडवोकेट स्व.ओम प्रकाश बेरीवाल जी के धर्मपत्नी श्रीमती कुमुद बेरीवाल जी का आज लंबी बीमारी के बाद उनका निधन हो गया। उन्होंने अपैक्स हॉस्पिटल में अपनी अंतिम सांस ली। वे 72 वर्ष की थे। श्रीमति बेरीवाल अपने पीछे दो पुत्र तरुन बेरीवाल व अरुन बेरीवाल (डिस्ट्रिक जज राजस्थान) और दो पुत्री सहित भरापूरा परिवार छोड़ गई। उनकी अंतिम यात्रा कल 18 नवंबर शनिवार को दोपहर 3 बजे उनके कृष्ण कुंज कॉलोनी भगवानपुर स्थित निवास से निकाली जाएगी। कयाघाट मुक्तिधाम उनका अंतिम संस्कार होगा।

खरसिया में पहली बार वोट डालने वालों में दिखा उत्साह

नगर पालिका अध्यक्षा राधा सुनील शर्मा ने वार्ड 16 में किया मतदान

खरसिया 17 नवंबर (देशबन्धु)। अमन चैन और शांति का टापू कहे जाने वाले खरसिया नगर में 17 नवंबर 2023 को विधानसभा चुनाव छिटपुट वादविवाद को छोड़कर शांतिपूर्ण संपन्न हुआ नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत 18 वार्डों में 80 से 85 परसेंट तक मतदान हुआ ग्रामीण क्षेत्रों में शाम तक 60 से 70त्न तक मतदान हो चुका था एवं मतदाताओं की लाइन लगी हुई थी। खरसिया नगर की प्रथम महिला नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती राधा सुनील शर्मा ने अपने गृह वार्ड में आज वोटिंग की और मतदाताओं से अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने एवं लोकतंत्र को मजबूत करने का आवाह्न किया एवं भरोसे की सरकार बनवाने की मतदाताओं से अपील की। आज पहली बार मतदान करने वाले युवाओं ने जोशखरोश उत्साह के साथ लोकतंत्र के उत्सव छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में अपनी आहुति दी इन्होंने प्रेस को जानकारी देते हुए कहा कि उन्हें आज पहली बार मतदान करने का अवसर मिला और उन्होंने इस सुअवसर पर उस प्रत्याशी को अपना मत दिया है जो क्षेत्र के विकास और उत्थान के लिए कार्य करे आम जनता को साथ लेकर चले और क्षेत्र में अमन चैन कायम रखते हुए युवाओं के भविष्य के लिए कार्य करे। सड़क बिजली पानी और सबसे महत्वपूर्ण शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करें हमने ऐसे प्रत्याशी को वोट दिया है और उनसे हमारी यह अपेक्षा भी है कि वह क्षेत्र के मतदाताओं की भलाई का कार्य करेंगे।

बताते चलें कि शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न करवाने में पुलिस अनुविभागीय अधिकारी खरसिया प्रभात पटेल थाना प्रभारी राकेश मिश्रा चौकी प्रभारी सौरभ द्विवेदी एवं उनके मातहत पुलिस के जवानों की बहुत ही सार्थक और सराहनीय भूमिका रही इनके द्वारा मतदान दिवस से तीन-चार दिन पूर्व ही खरसिया विधानसभा के संपूर्ण क्षेत्र के चप्पे चप्पे पर गस्त करते हुए निगरानी रखी एवं लगातार फ्लैग मार्च किया और विधानसभा के प्रत्येक बूथ पर लगातार पेट्रोलिंग की। यहां बताना लाजिमी होगा कि देश की रक्षा में हमेशा सजग रहने वाले सशस्त्र सुरक्षा बल के जवान एवं अर्ध सैनिक बलों की भूमिका सबसे अहम रही जो प्रत्येक बूथ पर अपनी संपूर्ण तैयारी एवं सजगता के साथ विधानसभा चुनाव करवाने में सफल रही। रायगढ़ जिले में सबसे अधिक पोलिंग बूथ 289 खरसिया विधानसभा में है। खरसिया विधानसभा से कुल 8 प्रत्याशी अपना भाग्य आजमा रहे हैं जिनमें दो बार के विधायक छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री उमेश पटेल लगातार तीसरी बार कांग्रेस से परिमल यादव जोगी कांग्रेस से प्रवीण विजय जायसवाल आम आदमी पार्टी से महेश साहू भारतीय जनता पार्टी से भवानी सिंह सिदार बाल्टी छाप में यशवंत निषाद छड़ी छाप में गोवर्धन राठिया एवं निर्दलीय विनोद चंद्र सिंह राठौर टॉर्च छाप में अपना भाग्य आजमा रहे हैं।

देश विदेश

गाजा के संयुक्त राष्ट्र आश्रय स्थल विस्थापितों से खचाखच भरे

गाजा, 17 नवम्बर (एजेंसियां) । मध्य और दक्षिणी गाजा में फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) द्वारा प्रबंधित आश्रय स्थल विस्थापितों से खचाखच भरे हुए हैं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, यूएनआरडब्ल्यूए की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि गाजा में 1.6 मिलियन से अधिक लोग आंतरिक रूप से विस्थापित हो गए हैं, इनमें से लगभग 813,000 लोग 154 यूएनआरडब्ल्यूए प्रतिष्ठानों में शरण ले रहे हैं।

शेख हसीना ने बीएनपी, जमात से कहा, माफी मांगें और चुनाव में हिस्सा लें

ढाका, 17 नवम्बर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने शुक्रवार को कहा कि मुख्य विपक्षी दल बीएनपी को जमात-ए-इस्लामी के साथ मिलकर हत्याओं के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए और आगामी आम चुनाव में हिस्सा लेना चाहिए। प्रधानमंत्री ने बांग्लादेश आवामी लीग की चुनाव संचालन समिति की बैठक को संबोधित करते हुए कहा, 'उन्हें (बीएनपी और जमात) अपने अपराधों के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए और फिर आगामी राष्ट्रीय चुनावों में भाग लेना चाहिए।' प्रधानमंत्री ने कहा कि जिन्होंने आम लोगों को मारा है उन्हें लोग वोट क्यों देंगे और लोग उन पर भरोसा क्यों करेंगे। उन्होंने कहा, 'लोग उन पर भरोसा नहीं करते। उनकी पहचान हत्यारों और साजिशकर्ताओं के रूप में हो गई है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि अगर किसी में लोगों के लिए काम करने की ईमानदारी और साहस है तो उन्हें चुनाव लड़ना चाहिए। उन्होंने कहा, 'जिसे भी जनता का समर्थन मिलेगा, वह सरकार बनाएगा।' प्रधानमंत्री ने कहा कि चुनाव लोगों का संवैधानिक अधिकार है और चुनाव का दरवाजा सभी के लिए खुला है।

बीएनपी और जमात अपने अपराधों के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए और फिर आगामी राष्ट्रीय चुनावों में भाग लेना चाहिए। जिन्होंने आम लोगों को मारा है उन्हें लोग वोट क्यों देंगे और लोग उन पर भरोसा क्यों करेंगे:- शेख हसीना, प्रधानमंत्री बांग्लादेश

उन्होंने लोगों से सहयोग भी मांगा ताकि चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से और समय पर हो सके। प्रधानमंत्री ने कहा, 'लोगों को अपना वोट (चुनाव में) इस नारे के साथ देना चाहिए - 'मैं जिसे चाहूं उसे अपना वोट डालूंगा'।' उन्होंने कहा कि सभी को आकर चुनाव में हिस्सा लेना चाहिए। उन्होंने कहा, '(सभी को) लोगों के पास जाना चाहिए और अपने लिए वोट मांगना चाहिए।' प्रधानमंत्री ने समय पर चुनाव की घोषणा करने और आगजनी तथा हिंसा के कारण दबाव में नहीं आने के लिए चुनाव आयोग को भी धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार डिजिटल बांग्लादेश शुरू करने में सफल रही है। हर कोई इसका लाभ उठा रहा है। हमारी सरकार भविष्य में 'स्मार्ट बांग्लादेश' भी लॉन्च करेगी। हमें उम्मीद है कि ऐसी योजनाओं से युवाओं को लाभ मिलेगा।'

अलबामा राज्य से कांग्रेस के लिए चुनाव लड़ने को तैयार भारतीय-अमेरिकी व्यवसायी

न्यूयॉर्क, 17 नवंबर (एजेंसियां)। एक भारतीय-अमेरिकी व्यवसायी और रियल एस्टेट ब्रोकर 21 उम्मीदवारों के साथ अलबामा राज्य से कांग्रेस के लिए चुनाव लड़ने को तैयार हैं। 39 वर्षीय विमल पटेल अगले साल 5 मार्च को होने वाले प्राथमिक चुनाव में 13 डेमोक्रेट और आठ रिपब्लिकन के साथ उस जिले के लिए चुनाव लड़ेंगे, जो दक्षिण अलबामा में फैला है और इसमें मोंटगोमरी काउंटी और मोबाइल काउंटी का एक हिस्सा शामिल है। उन्होंने कहा, 'आप देखिए, क्वालिफाई करने के बाद मैं काम पर वापस आ गया। मैं करियर राजनीतिज्ञ नहीं हूं। मुझे चिंता है कि ये करियर राजनेता क्या कर रहे हैं और यदि आप भी चिंता करते हैं तो हमें इसे ठीक करने के लिए आगे आना चाहिए।' पटेल ने फेसबुक पर लिखा, हमारे पास यहां सर्वसम्मति से उम्मीदवार चुनने का अवसर है जो व्यवस्था को हिला देगा। पटेल ने 'एएल डॉट कॉम' को बताया कि उनका व्यावसायिक कौशल उन्हें कांग्रेस में प्रभावी बनाएगा और संघीय घाटे और सामाजिक सुरक्षा के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण जैसे मुद्दों से निपटने में मदद करेगा। उनके अनुसार वाशिंगटन में रहने वालों ने इन मूलभूत समस्याओं का जवाब शालीनता के साथ दिया है। इससे पहले पटेल 2022 में दूसरी जिला सीट के लिए मैदान में थे और डेमोक्रेटिक प्राइमरी में फीलिस हार्वे-हॉल से हार गए थे। पटेल का परिवार 1980 में भारत से आकर बस गया। अमेरिका में जन्में, विमल पटेल ने ट्रॉय के चार्ल्स हेंडरसन हाई स्कूल से स्नातक की उपाधि प्राप्त की और 2007 में ऑबर्न से राजनीति विज्ञान की डिग्री हासिल की। 2007 में स्नातक होने के बाद, पटेल ने ट्रॉय, मोंटगोमरी और डोथन में होटल और यूफौला में एक लॉन्ड्रोमैट के साथ अपने परिवार के आतिथ्य व्यवसाय को संभालने के लिए ट्रॉय लौटने का फैसला किया।

सुडोकू 6379

				9			3	8
8			5			1		
		1			3	4	5	
6					5		8	
	5						6	
	8		2					7
	7	2	1			6		
		8			2			3
3	6			4				

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6379

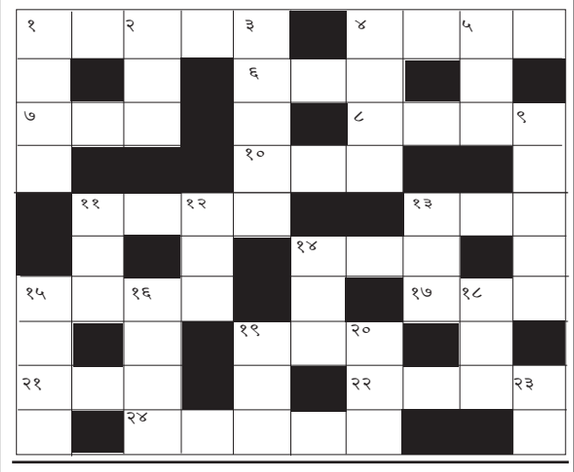

बायें से दायें:-

१. पराधीनता, गुलामी
४. जिस पर नज़र न पड़ी हो, जो देखा न गया हो
६. रक्षा करने या रखे जाने का भाव
७. विनती, आवेदनपत्र
८. युद्धसंबंधी
१०. यज्ञ करना
११. भलामानस, सज्जन
१३. तृण, घास-फूस
१४. कठिन
१५. शांत, नीरव, निर्धन, सन्नाटा
१७. स्वर्ण, धतूरा
१९. मां का बच्चे के प्रति किया जाने वाला स्नेह, वात्सल्य
२१. एक राक्षसी
२२. अस्वीकार या असहमति जताना
२४. कांपना

ऊपर से नीचे:-

१. पैदल चलने वाला
२. शरीर के भीतर पाई जाने वाली श्वेत-चमकदार डोरी जैसी संरचना
३. विश्वामित्र के पुत्र का नाम
४. मृत्यु, समाप्ति, अंत
५. दानव, दैत्य, देवताओं के शत्रु
९. तकलीफदेह
११. किसी देवता की स्तुति में रचित पद
१२. युक्ति, प्रयत्न
१३. केसर-चंदन आदि में ललाट पर बनाया गया चिह्न, टीका
१४. किसी व्यापारिक संस्थान में लेन-देन या लेखा-जोखा करने वाला
१५. देवता और दैत्य
१६. संग-संग, एक साथ
१८. मिसाल, उदाहरण (उर्दू)
१९. कामदेव
२०. कसना, तानकर बांधना
२३. ध्वनि, शब्द

वर्ग पहेली-6378

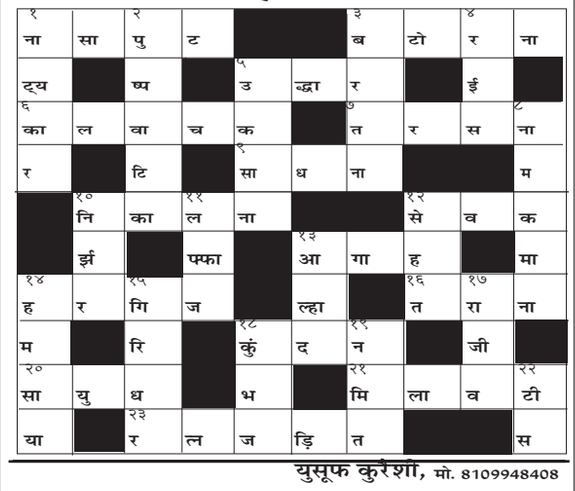

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : शनिवार 18 नवम्बर , 2023 कार्तिक शुक्ल पक्ष 5

राशिफल

मेष - आप किसी भी प्रकार से संकट में ना पड़ें। व्यवसाय में आज पार्टनर के साथ वाणी संयमित रखें। आज भाग्य आपका साथ नहीं देगा। काम में सफलता भी शीघ्र नहीं मिलेगी, लेकिन दोपहर के बाद स्थिति में सुधार होगा।

वृषभ - आज आप कुछ ज्यादा ही भावुक रहेंगे। शारीरिक स्वास्थ्य पर भी इसका नकारात्मक असर पड़ सकता है। आज नए काम शुरू ना करें। वाणी में संयम बरतें। खान-पान में ध्यान रखें। व्यवसाय के क्षेत्र में विघ्न आ सकता हैं।

मिथुन - आज आप मौज-मस्ती में व्यस्त रहने वाले हैं। मनोरंजक प्रवृत्ति में खोए रहेंगे। दोस्तों के साथ बाहर जाने का कार्यक्रम बनेगा। अच्छे खान-पान और अच्छे वस्त्र खरीदने में आपकी रुचि रहेगी।

कर्क - किसी तरह का आर्थिक लाभ आपको हो सकता है। व्यापार करने वालों के लिए आज का दिन लाभदायी है। काम की सफलता के कारण पदोन्नति और यश मिलेगा।

सिंह - साहित्य-कला के प्रति आज आप में रुचि रहेगी। पेट से सम्बंधित परेशानी से शरीर अस्वस्थ रह सकता है। दोपहर के बाद आर्थिक संकट मिट सकता है। घर का वातावरण आनंदमय रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कन्या - किसी बात की चिंता से आज शरीर भी शिथिल रहेगा। माता का भी स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। परिजनों के साथ विवाद हो सकता है। धन हानि के भी योग हैं। पानी से संभलकर चलें। यात्रा न करें।

तुला - आज का दिन नए काम शुरू करने के लिए अनुकूल है। आध्यात्मिक और ज्योतिष जैसे विषयों में आज आपकी रुचि बनी रहेगी। दोपहर के बाद ताजगी और प्रसन्नता का अभाव रहेगा। घर में कलेश का वातावरण रहेगा।

वृश्चिक - परिजनों के साथ मनदु-ख की स्थिति आ सकती है। वाणी पर संयम रखना होगा। काम में अपेक्षित सफलता नहीं मिलेगी। मन में किसी बात को लेकर दुविधा रहेगी। काम का भार अधिक रहेगा।

धनु - आज का दिन आप के लिए शुभ फलदायी है। आज भाग्य आपका साथ देगा और आर्थिक रूप से आपको फायदा होगा। शारीरिक और मानसिक रूप से आप उत्साही तथा प्रफुल्लित बने रहेंगे।

मकर - आज वाणी पर संयम रखें। क्रोध की मात्रा बढ़ जाने से किसी के साथ उग्र चर्चा या विवाद हो सकता है। मन में चिंता रहेगी। आध्यात्मिकता में रुचि लेने से आपका मन शांत रहेगा।

कुंभ - आज का दिन सब तरह से लाभप्रद है। सामाजिक क्षेत्र में आप अधिक सक्रिय रहेंगे। उसके फलस्वरूप मान प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। विवाह योग्य युवाओं को अनुकूल जीवनसाथी मिलने के योग हैं।

मीन - आज का दिन सब प्रकार से आप के लिए लाभदायी है। किसी परोपकार के काम में आप व्यस्त रहेंगे। व्यवसाय में उचित आयोजन से व्यापार वृद्धि कर सकेंगे। अधिकारी आप के काम की प्रशंसा करेंगे।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

चीन-अमेरिका संबंधों के लिए एक नया शुरुआती बिंदु बना 'सैन फ्रांसिस्को विजन'

बीजिंग, 17 नवम्बर (एजेंसियां)। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने 15 नवंबर की सुबह अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से मुलाकात की। पिछले साल 14 नवंबर को इंडोनेशिया के बाली द्वीप में चीन और अमेरिका के राष्ट्रपतियों की मुलाकात के बाद यह एक और महत्वपूर्ण बैठक थी। चीन और अमेरिका के राष्ट्रपतियों के बीच इस बैठक का महत्व न केवल 'बाली लौटना' और असामान्य स्थिति को हल करना है। यह एक रणनीतिक, ऐतिहासिक और अग्रणी कदम भी है कि चीन-अमेरिका संबंधों को वापस पटरी पर लाएं। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने 'पांच समानताएं' प्रस्तावित की, जिसने चीन और अमेरिका के स्थिर विकास के लिए पांच स्तंभ रखे और द्विपक्षीय संबंधों के भविष्य के लिए 'सैन फ्रांसिस्को विजन' खोला। सही समझ स्थापित करना चीन-अमेरिका संबंधों का शुरुआती बिंदु है। केवल रिश्तों की स्थिति को स्पष्ट करने और एक-दूसरे की प्रेरणाओं और इरादों को सही ढंग से समझने से ही बातचीत और सहयोग प्रभावी ढंग से किया जा सकता है।

राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने कहा कि चीन हमेशा स्थिर, स्वस्थ और टिकाऊ चीन-अमेरिका संबंध बनाने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। साथ ही चीन के ऐसे हित हैं, जिनकी रक्षा की जानी चाहिए, ऐसे सिद्धांत हैं जिनकी रक्षा की जानी चाहिए, और ऐसी मूल बातें हैं जिनका पालन किया जाना चाहिए। चीन को उम्मीद है कि चीन और अमेरिका भागीदार बन सकते हैं, एक-दूसरे का सम्मान कर सकते हैं और शांतिपूर्वक सह-अस्तित्व में रह सकते हैं।

चीन और अमेरिका के राष्ट्राध्यक्षों की यह बैठक समग्र स्थिति के आधार पर चीन-अमेरिका संबंधों और विश्व स्थिति को स्थिर बनाने के लिए चीन द्वारा की गई एक प्रमुख रणनीतिक विकल्प है।

'युद्ध समाप्त होने के बाद गाजा में यहूदियों को बसाने की अनुमति दें'

तेल अवीव, 17 नवम्बर (एजेंसियां)। इजरायल में कई दक्षिणपंथी संगठनों ने युद्ध समाप्त होने के बाद गाजा में यहूदी लोगों को बसाने की अनुमति देने के लिए बेंजामिन नेतन्याहू सरकार पर दबाव बढ़ाना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि यहूदी लोगों का बसना क्षेत्र में सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। उन्होंने सरकार से युद्ध समाप्त होने के तुरंत बाद क्षेत्रों में यहूदी आबादी को फिर से बसाने का आह्वान किया। दक्षिणपंथी संगठनों के गठबंधन ने इज़रायल सरकार से कहा है कि वह पहले कदम के रूप में उत्तरी गाजा में पुनर्वास के लिए पहल करे और फिर इसे नित्ज़न, एल सिनाई और डुगित जैसी पूर्व यहूदी बस्तियों तक विस्तारित करे जो अश्कलोन के करीब हैं। 7 अक्टूबर को हमास ने गाजा की सीमा से लगे अश्कलोन में एक बड़ा हमला किया। नाहला आंदोलन के ज़विव एलिमेलेक ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि पूरे गाजा में यहूदी आबादी के व्यापक पुनर्वास की आवश्यकता है और कहा कि ओस्लो समझौते के बाद गाजा की वापसी को रद्द करना होगा।

फिलीपींस में 7.2 तीव्रता का भीषण भूकंप

मनीला, 17 नवम्बर (एजेंसियां)। दक्षिणी फिलीपींस में शुक्रवार को रिक्टर पैमाने पर 7.2 तीव्रता का जबरदस्त भूकंप आया, हालांकि जानमाल के नुकसान की फिलहाल कोई खबर नहीं हैं। फिलीपीन इंस्टीट्यूट ऑफ वोल्केनोलॉजी एंड सीस्मोलॉजी के अनुसार, अपतटीय भूकंप स्थानीय समय के अनुसार शुक्रवार शाम 4.14 बजे आया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि भूकंप का केंद्र दावाओ ऑक्सिडेंटल क्षेत्र में सारंगानी शहर से लगभग 30 किमी दक्षिण पश्चिम में भूतल से 10 किमी की गहराई पर था। संस्थान ने कहा कि टेक्टोनिक भूकंप के बाद अभी और झटके आएंगे तथा नुकसान होगा। इस बात की भी तत्काल कोई जानकारी नहीं है कि भूकंप के कारण सुनामी की चेतावनी जारी हुई है या नहीं। जनरल सैंटोस सिटी और आस-पास के प्रांतों सहित मिंडानाओ द्वीप के आसपास के इलाकों में भी भूकंप का जोरदार झटका महसूस किया गया। प्रशांत 'रिंग ऑफ फायर' के साथ स्थित होने के कारण फिलीपींस में अक्सर भूकंपीय गतिविधियां होती रहती हैं।

हवाई सुरक्षा ने दमिश्क के पास इजरायली हमले को विफल किया: सीरियाई सेना

दमिश्क, 17 नवम्बर (एजेंसियां)। सीरियाई सेना ने शुक्रवार को कहा कि राजधानी दमिश्क में हवाई सुरक्षा ने सुबह होने से पहले उसके आसपास के क्षेत्र में इजरायली मिसाइल हमलों को रोक दिया। शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने एक बयान में सेना के हवाले से कहा, लगभग 2:25 बजे, इजरायली सेना ने इजराइल के कब्जे वाले गोलान हाइट्स की दिशा से दमिश्क के आसपास के कई बिंदुओं को निशाना बनाते हुए हवाई हमला किया। इसमें कहा गया, 'हमारी हवाई सुरक्षा ने मिसाइलों को विफल कर दिया और उनमें से अधिकांश को रोक दिया गया।' सेना ने कहा कि हमले के परिणामस्वरूप कुछ भौतिक क्षति हुई। इस बीच, ब्रिटेन स्थित युद्ध निगरानीकर्ता सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि इजरायली हवाई हमलों ने दमिश्क के आसपास हिजबुल्लाह आतंकवादी समूह से संबंधित साइटों पर हमला किया। इसमें कहा गया है कि 2023 की शुरुआत से, उसने सीरियाई क्षेत्र को इजरायल द्वारा निशाना बनाने की 52 घटनाओं का दस्तावेजीकरण किया है। इसमें कहा गया है कि हमलों के परिणामस्वरूप हथियार और गोला-बारूद डिपो, मुख्यालय, केंद्र और वाहन सहित लगभग 106 लक्ष्य प्रभावित हुए। इज़राइल ने सीरिया पर ईरानी समर्थित मिलिशिया की मेजबानी करने का आरोप लगाया है।

गाजा अस्पताल के पास एक और इजरायली बंधक का मिला शव : आईडीएफ

यरूशलम। इजरायली सेना ने शुक्रवार को कहा कि हमास-नियंत्रित क्षेत्र में सबसे बड़ी चिकित्सा सुविधा के परिसर में 65 वर्षीय अपहृत के अवशेष पाए जाने के ठीक एक दिन बाद, गाजा में अल-शिफा अस्पताल के पास एक और बंधक का शव पाया गया। एक्स पोस्ट में, इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने कहा कि शव 19 वर्षीय कॉर्पोरल नोआ मार्सिआनो का था, जिसकी 7 अक्टूबर को हमास आतंकवादियों ने अपहरण कर हत्या कर दी थी। पोस्ट में कहा गया, 'उसका शव गाजा में शिफा अस्पताल के पास आईडीएफ सैनिकों द्वारा पाया और निकाला गया। आईडीएफ परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता है और उनका समर्थन करना जारी रखेगा।' मार्सिआनो के शव की खोज दो दिन बाद हुई जब इजरायली सेना ने पुष्टि की कि उसकी मृत्यु हो गई है और उसके परिवार को भी उसके निधन की सूचना दी गई है।

आज का इतिहास

1727-महाराजा जय सिंह द्वितीय ने जयपुर शहर की स्थापना की। शहर के वास्तुकार बंगाल के विद्याधर चक्रवर्ती थे।
1738-फ्रांस और ऑस्ट्रिया के बीच शांति समझौते पर हस्ताक्षर हुए।
1772-पेशवा माधवराव प्रथम के छोटे भाई नारायणराव ने गद्दी संभाली।
1833-हॉलैंड और बेल्जियम के बीच जोनहोवेन संधि पर हस्ताक्षर हुए।
1901-फ़िल्मकार, अभिनेता और निर्देशक वी शांताराम का जन्म हुआ।
1909-अमेरिका ने निकारागुआ पर हमला किया।
1910-भारत के प्रसिद्ध क्रांतिकारियों में से एक बटुकेश्वर दत्त का जन्म।
1918-उत्तरपूर्वी यूरोपीय देश लातविया ने रूस से स्वतंत्रता की घोषणा की।
1922-तुर्की के युवराज अब्दुल मजीद द्वितीय को खलीफा चुन लिया गया।
1948-बिहार की राजधानी पटना के पास स्टीमर 'नारायणी' दुर्घटनाग्रस्त होने से पांच सौ लोग डूबे।
1956-मोरक्को ने स्वतंत्रता हासिल की।
1959-आईएनएस विराट को ब्रिटिश रॉयल नेवी में कमीशंड किया गया।
1962-परमवीर चक्र से सम्मानित भारतीय सैनिक शैतान सिंह का निधन।
1963-अमेरिकी टेलीफोन कंपनी बेल सिस्टम्स दुनिया के सामने पहला ऐसा फोन लाई जिसमें बटन वाला डायलिंग पैड था।
1972-बाघ को राष्ट्रीय पशु चुना गया था।
2003-श्वार्जेनेगर ने कैलीफ़ोर्निया के गवर्नर पद की शपथ ली थी।

कूटनीति नेतन्याहू ने दोहराया हम गाजा पर कब्जा करने की कोशिश नहीं कर रहे

हमें गाजा का विसैन्यीकरण व कट्टरवाद खत्म करना होगा: नेतन्याहू

वाशिंगटन/जेरूसलम, 17 नवम्बर (एजेंसियां)। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दोहराया है कि उनका देश गाजा पर कब्जा करने की कोशिश नहीं कर रहा, लेकिन हमारा लक्ष्य हमास-नियंत्रित क्षेत्र को विसैन्यीकरण और कट्टरपंथ से मुक्त करना है। उन्होंने गुरुवार को सीबीएस न्यूज इंटरव्यू के दौरान यह टिप्पणी की, जिसमें उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि इजरायल 'न्यूनतम नागरिक हताहतों के साथ' हमास का सफाया करने की कोशिश कर रहा है।

'हम आतंक को फिर से उभरने से रोकने के लिए समग्र सैन्य जिम्मेदारी चाहते हैं... हम कब्जा करना नहीं चाहते। वह हमारा लक्ष्य नहीं है, लेकिन हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि वहां जो होता है वह अलग हो।' प्रधानमंत्री ने कहा, 'ऐसा करने के लिए हमें गाजा को विसैन्यीकृत करना होगा और हमें गाजा को कट्टरपंथी बनाना होगा।' उन्होंने यह भी कहा कि फिलिस्तीनियों को हमास से आजाद कराने से उन्हें बेहतरीन भविष्य मिलेगा। गाजा के अल-शिफा अस्पताल में इजरायली सैन्य छापे के बारे में, नेतन्याहू ने कहा कि इस बात के 'मजबूत संकेत' हैं कि हमास ने 7 अक्टूबर के हमले के बाद बंधक बनाए गए लोगों को अस्पताल के अंदर रखा हुआ है। उन्होंने सीबीएस न्यूज को बताया, 'हमारे पास इस बात के पुख्ता

संकेत थे कि उन्हें शिफा अस्पताल में रखा गया था, यही एक कारण है कि हम अस्पताल में दाखिल हुए।' प्रधानमंत्री ने कहा, 'अगर वे (वहां) थे, तो उन्हें बाहर निकाल लिया गया।' उन्होंने कहा कि उनकी सरकार के पास 'बंधकों के बारे में खुफिया जानकारी' है। अधिकारियों के मुताबिक, गाजा में 237 लोगों को बंदी बनाया जा रहा है, जिनमें इजरायली, विदेशी नागरिक और बच्चे शामिल हैं। अब तक, हमास द्वारा चार नागरिक बंधकों को रिहा कर दिया गया है, और एक महिला सैनिक को इजरायली बलों ने बचाया है। इजरायल ने कहा है कि हमास अस्पताल के नीचे एक कमांड सेंटर रखता है, साथ ही चिकित्सा परिसर को आधार के रूप में उपयोग करता है। हालांकि, आतंकवादी समूह द्वारा आरोपों का बार-बार खंडन किया गया है।

जब नेतन्याहू से कैदियों की अदला-बदली के प्रस्तावित सौदे और बंधकों की रिहाई के लिए इजराइल कितना करीब है, के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने सीबीएस न्यूज से कहा जमीनी कार्रवाई शुरू करने से पहले हम जितने करीब थे, उससे कहीं ज्यादा करीब हैं... (जमीनी आक्रमण शुरू हो गया है) हमास पर युद्ध विराम के लिए दबाव डालें।

सुडोकू 6379 का हल

5	2	6	4	9	1	7	3	8
8	3	4	5	6	7	1	2	9
7	9	1	8	2	3	4	5	6
6	1	9	3	7	5	2	8	4
2	5	7	9	8	4	3	6	1
4	8	3	2	1	6	5	9	7
9	7	2	1	3	8	6	4	5
1	4	8	6	5	2	9	7	3
3	6	5	7	4	9	8	1	2

दुनिया को जानें

माने पर परमाणु ऊर्जा विस्तार की योजना बना रहा है स्वीडन

स्टॉकहोम, 17 नवम्बर (एजेंसियां)। स्वीडन सरकार नई परमाणु ऊर्जा को बड़े पैमाने पर विस्तार करने की योजना बना रही है। इसको लेकर सरकार ने कहा कि 2045 तक वह चाहती है कि देश में 10 नए रिएक्टर हो, जिनमें से दो 2035 तक चालू हो जाएंगे। ऊर्जा मंत्री एब्बा बुश ने एक संवाददाता सम्मेलन में 100 प्रतिशत नवीकरणीय से 100 प्रतिशत जीवाश्म-मुक्त बिजली उत्पादन में नीति बदलाव की रूपरेखा बताते हुए कहा, इसका मतलब स्वीडन की ऊर्जा नीति का एक ऐतिहासिक पुनर्गठन होगा। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने मंत्री के हवाले से कहा, 'हमें 25 साल के भीतर बिजली उत्पादन दोगुना करना है।' उन्होंने कहा, इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए, परमाणु रिएक्टरों की संख्या पर लगी सीमा हटा दी जाएगी और नए रिएक्टरों के लिए अनुमति देने की प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित और तेज किया जाएगा। बुश ने कहा, सरकार ने नई परमाणु ऊर्जा में निवेश के लिए क्रेडिट गारंटी शुरू करने का भी फैसला किया है। नए परमाणु बुनियादी ढांचे में राज्य और निवेशकों के बीच जोखिम-साझाकरण के लिए एक आर्थिक मॉडल भी विकसित किया जाएगा।

खेल जगत

सूर्यकुमार यादव ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 में भारत की कप्तानी करेंगे : रिपोर्ट

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)। ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या अभी तक टखने की चोट से उबर नहीं पाए हैं, एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सूर्यकुमार यादव ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी टी20 घरेलू श्रृंखला में भारत की कप्तानी कर सकते हैं। पांच मैचों की टी20 सीरीज 23 नवंबर को विजाग में शुरू होगी और 3 दिसंबर को हैदराबाद में समाप्त होगी। इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के अनुसार, अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति यादव को कप्तानी के लिए पदोन्नत कर सकती है क्योंकि पांड्या 2023 विश्व कप के दौरान लगी चोट के कारण बाहर हो गए थे और उनके टखने की चोट से उन्हें पूरी तरह से ठीक होने में कम से कम दो महीने लगेंगे। पांड्या के दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन टी20 और तीन वनडे मैचों में भी हिस्सा नहीं लेने की संभावना है। यादव ने भारत के वेस्टइंडीज दौरे के दौरान उप-कप्तान के रूप में कार्य किया, जिसमें कैरेबियाई और अमेरिका में पांच टी20 मैच खेले।

मुश्किल हालात में सर्वश्रेष्ठ करने की जिद है शमी की ताकत

- शमी मिले मौके लपक कर बने भारत के तेज आक्रमण के तुरुप के इक्के
- न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल विकेट चटका शमी ने किया ट्रोलर्स का मुंह बंद

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली,17 नवंबर (देशबन्धु)। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने बतौर तेज गेंदबाज अपनी रफ्तार और धार की बदौलत सेमीफाइनल सहित बाद के छह मैचों में 23 विकेट चटका कर भारत को मौजूदा आईसीसी वन डे क्रिकेट विश्व कप के फाइनल में अहम भूमिका निभाई है। भारत अब अहमदाबाद उनके आईपीएल के गुजरात टाइटंस के लिए बराबर खेलने के कारण चिर परिचित मैदान पर खेलने के कारण खासा परिचित होने के कारण पांच बार चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल में गेंद से ऐसी ही रफ्तार के साथ धार दिखाने कर जीत दिलाकर वन डे विश्व कप खिताब जिताने की आस कर रहा है। हार्दिक पांडया के चोट के तीसरे मैच में चोट चलते बाहर होने पर चौथे मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ धर्मशाला में भारत की एकादश में मिले मौके को भुनाते हुए शमी ने पिछले छह मैचों में तीन में पांच या इससे अधिक विकेट चटका कर अब खुद को भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण का तुरुप का इक्का साबित किया है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि शुरू के तीन मैचों में शुरुआती एकादश का हिस्सा न होने के बाद चौथे मैच से न्यूजीलैंड के खिलाफ मौके को भुना कर वह अब भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के तुरुप के इक्के बन गए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में मुंबई में सात विकेट चटका मैन ऑफ द मैच बन भारत को 70 रन से जीत दिलाने के बाद शमी ने कहा भी वह अपने मौकों का इंतजार कर रहे थे। शमी के बचपन के कोच बदरुद्दीन सिद्दिकी ने भी यही कहा शमी अपनी कूवत दिखाने के लिए मौके का इंतजार कर रहे थे मौका मिलने पर अपनी कूवत दिखाई भी। भारत के कप्तान रोहित शर्मा ही मौजूदा संस्करण में न्यूजीलैंड के केन विलियमसन सहित सहित हर प्रतिद्वंद्वी टीम का कप्तान शमी की गेंदबाजी का कायल है और उन्हें सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज बता रहा है। शमी का अपने कौशल और मेहनत के साथ किस्मत भी पर भरोसा उनके और टीम इंडिया के काम आया। शमी की बदकिस्मती कहिए या फिर किस्मत का फेर की शमी को टीम इंडिया में बेहद प्रतिभाशाली होने के बावजूद अब से पहले कभी भी वह सम्मान नहीं मिल मिला जिसके वह बराकर अधिकारी रहे हैं।

उत्तर प्रदेश के अमरोहा के सहसपुर के बाशिंदे भारत के 33 बरस के मोहम्मद शमी की बतौर तेज गेंदबाज ताकत मुश्किल हालात में सर्वश्रेष्ठ करने की उनरकी जिद है। पत्नी हसीन जहां से कानूनी जंग झेलने के बावजूद सिर्फ अपनी गेंदबाजी पर फोकस रखना ही शमी की कामयाबी का सबसे बड़ा सबब है। 2021 में टी-20 विश्व कप में एक दिन ढीले प्रदर्शन पर ट्रोलर्स ने उन्हें 'पाकिस्तान गद्दार' तक कहा लेकिन ऐसे में विराट कोहली की तारीफ करनी होगी कि वह सबसे पहले सबसे आगे उनके समर्थन में आगे आए। जब न्यूजीलैंड के खिलाफ मुंबई में मौजूदा वन डे विश्व कप के सेमीफाइनल में उनसे जसप्रीत बुमराह की गेंद पर कप्तान केन विलियमसन का कैच छूटा तो कुछ ट्रोलर्स ने कुछ ओझी बात कह कर उनकी आलोचना की लेकिन शमी सात न्यूजीलैंड के सात विकेट चटका भारत को फाइनल में पहुंचा सभी का मुंह बंद कर दिया। खेल में कैच छूटते हैं लेकिन इस तरह की ओछी हरकत वाकई निंदनीय है। खैर खिलाड़ी को अपने करियर में इस तरह के मंजर कई बार चाहे अनचाहे देखने ही पड़ जाते हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चेन्नै में भारत की मौजूदा विश्व कप पहले मैच में एकादश में छह विकेट से जीत में जब शमी को एकादश से बाहर रखा गया तो किसी ने भी खुल कर इसकी आलोचना करने के बजाय एक चुप, सौ सुख की नीति अपनाते हुए मौन रहना ज्यादा मुनासिब समझा। हार्दिक पांडया को चोट के चलते मिले मौके को दोनों हाथ से लपकने वाले मोहम्मद शमी जानते हैं कि वह उत्तर प्रदेश के छोटे से गांव से आते हैं उनके लिए खुद पहले अपने प्रदेश में रणजी ट्रॉफी टीम में जगह न मिलने पर बंगाल जैसे खानपान से लेकरएक अलग और अनजान परिवेश में जाकर वहां टीम में जगह बनाना और फिर भारतीय क्रिकेट टीम में तीनों फॉर्मेट में अपने लिए अलग जगह बनाना वाकई काबिलेतारीफ है। यूं भी पश्चिम उत्तर प्रदेश की मिट्टी में कुछ ऐसा है कि यहां से आने वाले बाशिंदे बात की बजाय अपने काम से चाहे वह खेल हो या कोई भी काम अपना नाम बनाने में भरोसा रखते हैं। मौजूदा वन डे विश्व कप में जहां भारत के तोप तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और नौजवान मोहम्मद सिराज की गेंदों पर चौके और छक्के जड़े गए उन्हीं पर अपने सीम मूवमेंट और स्विंग से बराबर विकेट चटका कर भारत के कप्तान रोहित शर्मा के संकटमोचक बनकर उभरे। शमी ने मौजूदा वन डे विश्व कप में भारत के कुल पांचवें मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ धर्मशाला में मौका पाकर पांच विकेट चटकाने उसे जीत दिलाने के बाद मुंबई की उमरभरी गर्मी में फिर न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में एकदम पाटा यानी सपाट विकेट पर मात्र 57 रन देकर सात चटका जीत दिला कर खुद को इस संस्करण का सबसे खतरनाक तेज गेंदबाज साबित किया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ शमी के सात विकेट किसी भी भारतीय गेंदबाज का वन डे क्रिकेट विश्व कप के इतिहास में सबसे शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन है। शमी की कामयाबी का सबब है उनके गेंदबाजी कौशल के साथ उनकी मेहनत और जीवट का नतीजा है।

मै अपने मौकों का इंतजार कर रहा था : शमी

शमी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में सात विकेट चटकाने के बाद कहा, %मैं अपने मौकों का इंतजार कर रहा था। मैं सफेद गेंद से बहुत ज्यादा क्रिकेट नहीं खेला। मेरा मौजूदा वन डे विश्व कप भारत की एकादश में वापसी धर्मशाला में न्यूजीलैंड के खिलाफ हुई। विविधता की बहुत बात होती है लेकिन मैं अभी भी विकेट लेने के लिए नई गेंद को आगे पिच कराने में यकीन करता हूं, मुझसे विलियमसन का आसान कैच छूटा , जो कि मुझे नहीं छोडऩा चाहिए था और मुझे खुद को बहुत बुरा लगा। बावजूद इसके मेरा फोकस रफ्तार कुछ कम कर यह देखते था कि क्या न्यूजीलैंड के बल्लेबाज हवा में स्ट्रोक खेलते हैं। हम इसी मौके और विविधता का इतजार कर रहे थे। पिच बहुत बढिय़ा थी और और इस पर दोपहर में काफी रन बने थे । रात में ओस का कुछ अंदेशा था । यदि ओस होती तो गेंद तेजी से पिच पर निकलती है औद इस रन बन सकते हैं। सेमीफाइनल में अपने शानदार प्रदर्शन से खुश हूं क्योंकि पिछले दो विश्व कप में हम सेमीफाइनल में हार गए थे।कौन जाने फिर कब किसे मौका मिले, हमने सब कुछ झोंक दिया और क्योंकि हम इस मौके को गंवाना नहीं चाहते थे।

भारत-ऑस्ट्रेलिया विश्व कप फाइनल से पहले अहमदाबाद होटल का किराया बढ़कर 1 लाख रुपये हो गया

अहमदाबाद, 17 नवंबर (एजेंसियां)। आईसीसी वनडे विश?व कप फाइनल की उलटी गिनती चरम पर पहुंच गई है, खासकर उन क्रिकेट प्रेमियों के लिए, जो 19 नवंबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ग्रैंड फिनाले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत का मुकाबला देखने के लिए उत्सुक हैं। हालांकि, प्रशंसकों को इस ऐतिहासिक क्षण का हिस्सा बनने के अपने प्रयासों में अप्रत्याशित बाधाओं का सामना करना पड़ता है।

बुनियादी आवास अब 10,000 रुपये प्रति रात की भारी कीमत पर आते हैं, जबकि लक्जरी होटल शहर में एक रात ठहरने के लिए करीब 1 लाख रुपये चार्ज कर रहे हैं। उड़ान की कीमतें भी बढ़ गई हैं, जिससे अहमदाबाद के लिए राउंड-ट्रिप टिकटों में 200-300 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। फाइनल की पूर्व संध्या पर दिल्ली से उड़ान की कीमत अब 15,000 रुपये है।

आवास और टिकट सुरक्षित करना एक कठिन चुनौती बन गया है। विश?व कप कार्यक्रम की घोषणा के बाद प्रशंसकों को उड़ान की लागत में वृद्धि और अत्यधिक होटल टैरिफ का सामना करना पड़ा। जैसे ही भारत ने फाइनल में अपना स्थान सुरक्षित किया, स्थिति और खराब हो गई, अहमदाबाद में होटल की कीमतें आसमान छूने लगीं। यह पहली बार नहीं है, जब क्रिकेट ने शहर में इस तरह की हलचल पैदा की है।

ऐसा ही परिदृश्य 15 अक्टूबर को भारत-पाकिस्तान मैच के लिए सामने आया था, जब होटल टैरिफ नई ऊंचाइयों पर पहुंच गया था। बुकिंग.कॉम, मेकमाईट्रिप और एगोडा जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अहमदाबाद में ठहरने के लिए खोजों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, जो भारत-पाकिस्तान टकराव के दौरान देखी गई मांग को दर्शाता है।

मैच टिकटों का अंतिम बैच, जो 13 नवंबर को बिक्री के लिए आया था, तेजी से बिक गया। बुकमायशो पर उपलब्ध सबसे सस्ते टिकट की कीमत 10,000 रुपये थी। टूर्नामेंट में मेन इन ब्लू की उल्लेखनीय अजेय लय ने फाइनल को लेकर प्रत्याशा को और बढ़ा दिया है, जिससे यह देश भर के क्रिकेट प्रशंसकों के लिए जीवन में एक बार होने वाले आयोजन में बदल गया है।

भारत, ऑस्ट्रेलिया बड़े अवसरों के लिए अजनबी नहीं : स्टार्क

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)। वर्ल्ड कप-2023 का फाइनल 19 नवंबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। खिताबी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया की भिड़ंत टीम इंडिया से होगी। यह पहला मौका नहीं होगा जब ये दोनों टीमें एक हाई प्रेशर मैच के लिए मैदान में उतरेगी, क्योंकि 2003 में एक दूसरे के खिलाफ फाइनल मुकाबले खेलने के अलावा यह टीमें पहले कई बार फाइनल मुकाबला खेल चुकी है।

पिछले दो वनडे विश्व कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने फाइनल में पहुंचने के बाद कहा कि उनका चल रहे टूर्नामेंट में प्रदर्शन ज्यादा अच्छा नहीं रहा लेकिन उनके जोड़ीदार जोश हेज़लवुड और उनके अन्य साथियों ने दमदार प्रदर्शन किया जिससे टीम को संतुलन मिला। दक्षिण अफ्रीका को दूसरे सेमीफाइनल के रोमांचक मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने हराकर फाइनल में जगह बनाई है, जहां उनका सामना भारत से होगा। खिताबी मुकाबले के बारे मे बात करते हुए स्टार्क ने क्रिकबज से कहा, भारत चल रहे वर्ल्ड कप की सर्वश्रेष्ठ टीम है और अब तक वो टूर्नामेंट में अजेय हैं। इसलिए, कोई टीम विश्व कप की सर्वश्रेष्ठ टीम को हराए बिना विश्व कप नहीं जीत सकती। साथ ही ऐसे खिताबी मुकाबले के लिए भारत और ऑस्ट्रेलिया अजनबी नहीं हैं क्योंकि वो ऐसे हाई वोल्टेज मुकाबले से पहले भी कई बार परिचित हुई हैं। यह मुकाबला बेहद रोमांचक होने वाला है।

मदद कर रही परिस्थितियों के बीच नई गेंद से ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाज़ी और ओपनर्स द्वारा की गई बल्लेबाज़ी ने रोमांचक सेमीफ़ाइनल में अंतर पैदा किया। मिचेल स्टार्क ने 34 रन देकर तीन विकेट लेते हुए अपना स्पेल पूरा किया और जब विजयी रन बने तब भी वह मैदान पर मौजूद थे। भले ही स्टार्क के लिए गेंदबाज़ के तौर पर टूर्नामेंट मुश्किल रहा है, लेकिन दक्षिण अफ़्रीका को उन्होंने जोश हेजलवुड के साथ मिलकर पहले 12 ओवर में ही 24/4 के स्कोर पर पहुंचा दिया था। दोनों ने मिलकर मैच में पांच विकेट चटकाए। भले ही मैच में कई सारे रोमांचक पल आए, लेकिन इन दोनों की गेंदबाज़ी अंत में सबसे बड़ा अंतर बनी।

स्टार्क ने कहा, मुझे लगता है कि पावरप्ले ने ही हमें लाभ दिया। मैच में कई सारे अहम लम्हें रहे, लेकिन जोश के साथ इस तरह मैच की शुरुआत करना शानदार था। पूरे टूर्नामेंट के दौरान शायद पावरप्ले में विकेट लेना हमारी मजबूती नहीं रही, इसलिए इस तरह का पावरप्ले में दबदबा बनाना अच्छा लगा। जोश ने जिस तरह आठ ओवर में केवल 12 रन देकर दो विकेट लिए, वह अदभुत था।

उन्होंने आगे कहा, जॉश के पिच मैप को देखें तो टेस्ट मैच गेंदबाज़ी में वह यही शानदार तरीके से करता है। आज़ वह बेहतरीन रहे और जिस तरह से हमने एक-दूसरे को सहारा दिया और जैसा पावरप्ले हमारा रहा, उसी से बीच के ओवरों में भी हमने मोमेंटम हासिल किया और इसी तरह हम मैच शुरु करना चाहते थे। बड़े मैच में ऐसा करना अच्छा था। लीग स्टेज में जब दोनों टीमें भिड़ी थीं तब क्विंटन डिकॉक ने शतक लगाया था और उनकी टीम ने 311/7 का स्कोर खड़ा किया था। एडन मारक्रम के बल्ले से भी अर्धशतक आया था, लेकिन सेमीफ़ाइनल में दोनों बल्लेबाज़ कुछ ख़ास नहीं कर सके। स्टार्क ने कहा, हम जानते हैं कि अगर दक्षिण अफ़्रीका के हाथ में विकेट हों तो अंतिम के ओवरों में वे कितने खतरनाक हो जाते हैं। हम ये भी जानते थे कि अगर 20 ओवर के अंदर हम क्लासेन और मिलर को आउट कर ले जाते हैं फिर हमारा काम हो जाएगा। गेंद के साथ सब प्लान के मुताबिक हुआ। बल्लेबाज़ी में ऑस्ट्रेलिया ने पहले छह ओवर में ही 60 रन बना दिए थे जिसमें डेविड वॉर्नर ने 18 गेंदों में 29 रन बनाए थे। ट्रैविस हेड ने 48 गेंदों में 62 रनों की पारी खेली।

स्टार्क ने कहा, जिस तरह से हेड और वॉर्नर ने बल्लेबाज़ी की उससे दक्षिण अफ़्रीका पर पहले 10 ओवर में ही दबाव आ गया। पूरे टूर्नामेंट में हमने देखा है कि कुछ मौक़ों पर पहले 10 ओवर कितने मुश्किल हो सकते हैं। कई बार आपको भाग्य का भी साथ मिलता है, लेकिन ओपनिंग साझेदारी में दोनों ने बहुत अच्छा खेल दिखाया।

सार संक्षेप

कोहली के खिलाफ एडम जम्पा पर रहेगा फोकस : कोपलैंड

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया के एडम ज़म्पा ने विराट कोहली को आठ मौकों पर आउट किया है। पूर्व क्रिकेटर ट्रेंट कोपलैंड का मानना है कि फाइनल मुकाबले में भारतीय बल्लेबाजों के खिलाफ मध्य ओवरों में लेग स्पिनर का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल किया जा सकता है। विराट कोहली वर्तमान में विश्व कप 223 में 1 मैचों में 1.57 के औसत और 9.68 के स्ट्राइक रेट से 711 रन के साथ सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। दूसरी ओर, ज़म्पा 21.4 की औसत और 5.47 की इकॉनमी रेट के साथ 22 विकेट के साथ प्रतियोगिता में दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। एसईएन रेडियो पर कोपलैंड ने कहा, कोहली हर किसी के खिलाफ बहुत अच्छे हैं। वहीं, एडम ज़म्पा सबसे अलग हैं और भारतीय परिस्थितियों में यह एक शानदार मुकाबला होगा, जो ऑस्ट्रेलिया के लिए वरदान साबित हो सकता है। अगर विराट तेजी से आगे बढ़ते हैं, तो हम उस मध्य चरण के दौरान एडम ज़म्पा का भारी उपयोग देखेंगे। कोहली ने वानखेड़े स्टेडियम में सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना 5 वां वनडे शतक बनाकर महान सचिन तेंदुलकर के पहले के सर्वकालिक रिकॉर्ड को तोड़कर,अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रविवार को होने वाले फाइनल में प्रवेश किया।

वर्ल्ड कप फाइनल मैच देखने अहमदाबाद जाएंगे पीएम मोदी : रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया के रोमांचक मुकाबले को देखने के लिए पीएम मोदी भी अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम पहुंच सकते हैं। न्यूज़18 क्रिकेटनेक्स्ट की रिपोर्ट में बताया गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुख्य अतिथि होने की संभावना है। साथ ही टीम इंडिया के विश्व कप विजेता कप्तान एमएस धोनी और कपिल देव के भी मैच की शोभा बढ़ाने की संभावना है। इस विश्व कप में भारत के मैचों में लगातार भाग लेने वाले सचिन तेंदुलकर के खिताबी मुकाबले के लिए भी स्टेंड में मौजूद रहने की उम्मीद है। प्रमुख राजनेताओं, पूर्व क्रिकेटरों और वर्तमान खिलाड़ियों के परिवारों के अलावा, बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) और आईसीसी (अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) का पूरा शीर्ष नेतृत्व इस आयोजन की शोभा बढ़ाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके अतिरिक्त, विभिन्न राज्य संघों के प्रतिनिधि भी इस अवसर पर अहमदाबाद में मौजूद रहेंगे। गुरुवार को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में दूसरे सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका को तीन विकेट से हराने के बाद विश्व कप 223 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया का सामना भारत से होगा। 19 नवंबर, रविवार को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच ट्रॉफी की जंग होगी।

आपको यह परिभाषित करने की जरूरत है कि चोक क्या है : रॉब वाल्टर

कोलकाता, 17 नवंबर (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने यह मानने से इनकार कर दिया कि प्रोटियाज टीम 2023 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया से तीन विकेट से हार कर फिर से चोकर्स साबित हो गयी है। गुरुवार का परिणाम विश्व कप के नॉकआउट में दक्षिण अफ्रीका के लड़खड़ाने की लंबी सूची में नवीनतम था और इसे एक चोक कहा जा रहा है, जो दो दशकों से अधिक समय से उन पर हावी है।

वाल्टर ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मुझे लगता है कि आपको यह परिभाषित करने की ज़रूरत है कि चोक क्या है। मेरे लिए, चोक का मतलब उस मैच को हारना है जिसे आप जीतने की स्थिति में हैं। इस उदाहरण में, हम शुरू से ही आठ गेंदों से पीछे थे और हमने वास्तव में प्रतियोगिता में वापसी के लिए संघर्ष किया और एक स्कोर बनाया जिससे हमें मौका मिला और फिर वे एक फ़्लायर के पास पहुंचे और हमने संघर्ष किया और हमने स्कोर बनाया, हम मैच में वापस आ गए। निश्चित रूप से हम 30 या 40 रन पीछे थे, लेकिन अभी भी सात विकेट गिरे थे और कुछ चीजें थीं, गेंदें थोड़ी ही देर में उछल रही थीं, थोड़ा अंदरूनी किनारा था जिसे लिया जा सकता था, आप जानते हैं, इसलिए मेरे लिए दूर-दूर तक कुछ भी नहीं है एक गला घोंटना जो आज वहां हुआ। यह टूर्नामेंट में नंबर दो और तीन की दो अच्छी टीमों के बीच एक गंभीर मुकाबला था। उन्होंने कप्तान तेम्बा बावुमा का भी बचाव किया, जो चार गेंद में शून्य पर आउट हो गए थे और 100त्न फिट भी नहीं थे, जिस तरह से उन्होंने टूर्नामेंट में दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी की है। सबसे पहले, मैंने उसे

बताया कि मुझे उस पर कितना गर्व है। आप जानते हैं कि उन्होंने आज शाम को अविश्वसनीय रूप से अच्छी तरह से खिलाड़ियों को मार्शल किया। खेल को करीब लाने और देने के लिए, मुझे लगा कि आप रणनीतिक रूप से जानते हैं कि उन्होंने किस तरह से संचालन किया, साथ ही जाहिर तौर पर मैदान पर उनके चारों ओर जिस तरह के वरिष्ठ सदस्य थे, मैदान की स्थिति के माध्यम से बनाए गए विभिन्न दबाव, मुझे लगा कि यह एक उत्कृष्ट प्रयास था उस स्कोर का बचाव करने के लिए। लेकिन इससे आगे कभी-कभी टूर्नामेंट में आगे बढ़ना आसान नहीं होता है जब आप अपना प्रदर्शन नहीं कर रहे होते हैं लेकिन आपके आस-पास के बल्लेबाज होते हैं लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि हम एक इकाई के रूप में काम करते हैं। वह मुख्य व्यक्ति थे जिन्होंने हमें पहली बार इस टूर्नामेंट में पहुंचाया, मुझे लगता है कि लोग यह भूल जाते हैं। इसलिए मैं बस यह सुनिश्चित करना चाहता था कि वह इस बात से अवगत हो कि वह इस टीम में कितना महत्वपूर्ण है और मुझे उसके प्रयासों और पूरे टूर्नामेंट में जिस तरह से उसने नेतृत्व किया, उस पर कितना गर्व है। वाल्टर ने कहा कि वह रविवार को अहमदाबाद में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच विश्व कप फाइनल नहीं देखेंगे, लेकिन उन्हें लगा कि रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम के लिए प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीतना उचित होगा।

ईमानदारी से कहूँ तो, लगभग 1 प्रतिशत संभावना है कि मैं देखूँगा। और भी अधिक ईमानदार होने के लिए, मुझे वास्तव में कोई परवाह नहीं है। लेकिन विश्व कप भारत में होने के कारण, घरेलू देश के लिए विश्व कप जीतना हमेशा अच्छा होता है। ऑस्ट्रेलियाई चेंज रूम में मेरे बहुत सारे दोस्त हैं, इसलिए उनमें से कुछ के लिए मेरे मन में शायद एक नरम स्थान है, खासकर कोच के लिए, कि वे अच्छा प्रदर्शन करें। लेकिन यह देखते हुए कि जब हम आखिरी बार यहां भारत के खिलाफ खेले थे और टीम को जो समर्थन मिला था, और वह बड़ी आशा और प्रेरणा थी जो घरेलू मैदान पर विश्व कप जीतने से वास्तव में मिलती है। मुझे लगता है कि भारत का जीतना ही उचित होगा। साथ ही, वे प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ टीम रहे हैं और उन्होंने सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेला है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि ऐसा ही होगा।

हार को पचा पाना मुश्किल है : तेम्बा बावुमा

कोलकाता, 17 नवम्बर (आईएएनएस)। तमाम प्रयासों के बावजूद साउथ अफ्रीका सेमीफाइनल के तिलिस्म को तोड़ नहीं पाई और उसे गुरूवार को ऑस्ट्रेलिया से तीन विकेट से हार का सामना करना पड़ा। विश्व कप से बाहर होने पर निराश दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा ने मैच के बाद कहा, इस हार को शब्दों में बता पाना बहुत कठिन है। हमने बल्ले और गेंद से जिस तरह की शुरुआत की वही टर्निंग प्वाइंट रहा, हम वहां बुरी तरह हारे। परिस्थितियों और बेहतरीन आक्रमण ने हमारा टॉप ऑर्डर बिखेर दिया। उन्होंने हमें पूरी तरह दबाव में डाला। क्लासेन के आउट होने से पहले हम मोमेंटम हासिल कर रहे थे और सभी को पता है कि आखिरी के ओवरों में वह कितने खतरनाक हो सकते हैं।

बावुमा ने शतकधारी डेविड मिलर की तारीफ़ करते हुए कहा कि उन्होंने दिखाया कि एक खिलाड़ी के रूप में वह क्या कर सकते हैं। मिलर ने 101 रन बनाये लेकिन दक्षिण अफ्रीका 212 रन पर सिमट गया। ऑस्ट्रेलिया ने सात विकेट पर 215 रन बनाकर फ़ाइनल का टिकट हासिल कर लिया। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान ने ऑस्ट्रेलिया को फ़ाइनल के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा, ऑस्ट्रेलिया को फाइनल के लिए शुभकामनाएं। मैच में अधिकतर समय उनका खेल शानदार रहा और वे जीत के हकदार थे।

[अर्थ जगत]

पेट्रोल और डीजल की कीमतें यथावत

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी लौटने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज यथावत रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर पर रहा।

सर्वाधिक बढने वाले शेयर

महिंद्रा एंड महिंद्रा	4.09 प्रतिशत
पावरग्रिड	1.50 प्रतिशत
इंडसइंड बैंक	1.31 प्रतिशत
टाटा मोटर्स	1.06 प्रतिशत
एलटी	1.00 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

हिंदुस्तान यूनिलीवर	1.56 प्रतिशत
टेक महिंद्रा	1.33 प्रतिशत
इंफोसिस	1.22 प्रतिशत
रिलायंस	1.11 प्रतिशत
बजाज फाइनेंस	1.00 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	47,310
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	31,400
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	70,096
वायदा	70,183
चांदी सिक्का लिवाली	870
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौंड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2500-2600
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

चावल

चीनी एस	3640-3740
चीनी एम	3800-3900
मिल डिलीवरी	3520-3620
गुड़	4300-4400

दाल-दलहन

चना	6450-6550
दाल चना	7450-7550
मसूर काली	7800-7900
उड़द दाल	10600-10700
मूंग दाल	9900-10000
अरहर दाल	10400-10500

आरबीआई ने रुपये में व्यापार करने में निर्यातकों की मदद के लिए बैंकों को विशेष खाता खोलने की अनुमति दी

मुंबई, 18 नवंबर (एजेंसियां)। आरबीआई ने शुक्रवार को एक आदेश जारी कर विशेष रुपया वोस्ट्रो खाता रखने वाले बैंकों को अपने ग्राहकों को उनके निर्यात से जुड़े लेनदेन के निपटान में सक्षम बनाने के लिए एक अतिरिक्त विशेष चालू खाता खोलने की अनुमति दी। इस कदम का उद्देश्य निर्यातकों को अधिक परिचालन लचीलापन प्रदान करना है।

आरबीआई ने पिछले साल 11 जुलाई को अधिकृत डीलर बैंकों के पास रखे गए भागीदार व्यापारिक देश के संवाददाता बैंकों के विशेष रुपया वोस्ट्रो खातों के माध्यम से भारतीय रुपये में निर्यात/आयात के चालान, भुगतान और निपटान के लिए एक अतिरिक्त व्यवस्था की थी।

आरबीआई के इस कदम का उद्देश्य उन देशों के बीच व्यापार प्रवाह बढ़ाना है जो अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का डॉलर की बजाय रुपये में निपटाना पसंद करते हैं। घरेलू स्तर पर, रुपये में निर्यात और आयात करने वाले व्यवसायों को

विनिमय दर के उतार-चढ़ाव से बेहतर ढंग से बचाया जा सकता है।

कोयला क्षेत्र में की गई प्रगति की झांकी प्रस्तुत कर रहा है कोल इंडिया मंडप

कोयला सचिव अमृत लाल मीणा ने प्रगति मैदान में चल रहे भारत के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईएफटी) 2023 में कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के प्रदर्शनी मंडप का शुक्रवार को दौरा किया और कोयला क्षेत्र के विकास में देश की इस महारत्न कंपनी के प्रयासों की सराहना की। श्री मीणा के साथ अपर सचिव विस्मिता तेज और मंत्रालय के अन्य अधिकारी भी थे। श्री मीणा ने कोल इंडिया के प्रयासों की सराहना करते हुए और सीआईएल से भारत के कोयला क्षेत्र की प्रगति के बारे में नागरिकों के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए पहल करते हुए विकास के पथ पर आगे बढ़ने का आह्वान किया। मंडम में लगी झांकियों में कोल इंडिया के विभिन्न व्यावसायिक और तकनीकी विकास के प्रयासों के साथ साथ सामुदायिक कल्याण और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कंपनी के कार्यों को भी दर्शाया गया है। मंडप में पिछले दशक में कोल इंडिया की उपलब्धियों को प्रदर्शित किया, जिसमें देश की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने और पर्यावरणीय स्थिरता और आस-पास के समुदायों के कल्याण के प्रति समर्पण सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाया गया है। इसमें दर्शाया गया है कि कैसे कोलडैशबोर्ड जैसे लाइव पोर्टल सहायक कंपनी के साथ-साथ नए शामिल वाणिज्यिक खनिकों द्वारा कोयला उत्पादन और ऑफ-टेक की तत्काल की स्थिति दिखाते हैं। कंपनी का एक अन्य पोर्टल, उत्तम सीआईएल के विभिन्न क्षेत्रों में उत्पादित कोयले की गुणवत्ता पर प्रकाश डालता है। मेले में कोयला खान निगरानी प्रबंधन प्रणाली (सीएमएसएमएस) की नागरिक-केंद्रित पहल भी प्रदर्शित की गयी जा रही है, जो किसी भी नागरिक को खनन प्रहरी एप के माध्यम से अपने फोन पर कोयला खान के नजदीक अवैध या संदिग्ध गतिविधि की रिपोर्ट करने की सुविधा देती है।

91 प्रतिशत भारतीय जेन जेड कर्मचारी कार्यस्थल पर एआई अपनाने को तैयार

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)। भारत में जेन जेड कार्यस्थल में कर्मचारी जेनरेटिव एआई का उपयोग करने के लिए उत्साहित है। 91 प्रतिशत ने कहा कि वे अपने नियोक्ता के लिए रोजमर्रा के काम में प्रौद्योगिकी को अपनाने के लिए तैयार हैं। शुक्रवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

एडोब के फ्यूचर वर्कफोर्स स्टडी फॉर इंडिया के अनुसार, जहां 81 प्रतिशत जेन जेड कर्मचारियों ने अपने काम को बढ़ाने के लिए जेनरेटिव एआई का लाभ उठाया है, वहीं 45 प्रतिशत अपनी नौकरी से संबंधित कठिन कौशल के लिए प्रशिक्षण चाहते हैं, जबकि 40 प्रतिशत सॉफ्ट स्किल के लिए प्रशिक्षण चाहते हैं।

एडोब इंडिया के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक प्रतिभा महापात्र ने कहा, जेन ज़ेड कर्मचारी अब तक की सबसे तकनीक-प्रेमी पीढ़ी हैं, और वे जेनरेटिव एआई जैसी तकनीकों को अपनाने के लिए उत्सुक हैं। इस अवसर का लाभ उठाने के लिए, संगठनों को इन प्रौद्योगिकियों को अपनाने और एक ऐसी संस्कृति को बढ़ावा देने के बीच संतुलन बनाना चाहिए जो उभरती आवश्यकताओं के अनुरूप हो।

जेन जेड काम पर अपने दृष्टिकोण देने

के लिए उत्सुक है। अधिकांश उत्तरदाताओं (96 प्रतिशत) का कहना है कि वे अपने साथियों और सहकर्मियों को प्रतिक्रिया देने में सहज हैं। देश में जेन जेड श्रमिकों का भारी बहुमत (93 प्रतिशत) न केवल प्रभाव में, बल्कि कॉर्पोरेट सीढ़ी से सी-सूट तक बढ़ने के लिए उत्सुक हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है, 87 प्रतिशत का कहना है कि वे अपनी कंपनी में करियर विकास के अवसरों के बारे में अच्छा महसूस करते हैं, जबकि 46 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने पदोन्नति के लिए कोई स्पष्ट रास्ता नहीं होने को नौकरी छोड़ने के शीर्ष कारणों में से एक माना है।

जेन जेड भी करियर मार्गदर्शन के लिए उत्सुक है। 91 प्रतिशत का कहना है कि उनका मानना है कि कार्यस्थल सलाहकार उनके करियर के लिए महत्वपूर्ण है। हालांकि, केवल 76 प्रतिशत जेन ज़ेड रिपोर्ट करते हैं कि काम के दौरान कोई गुरु होता है।

होण्डा ने लाँच की की नई 'सीबी350'

नई दिल्ली, 17 नवम्बर, (एजेंसियां)। प्रीमियम मिड-साइज़ 350सीसी मोटरसाइकिल सेगमेन्ट में अपनी स्थिति का मजबूत बनाते हुए होण्डा मोटरसाइकिल एण्ड स्कूटर इंडिया ने आज नई रेट्रो-क्लासिक सीबी350 का लॉन्च करने की घोषणा की जिसकी दिल्ली में एक्स शोरूम कीमत 199900 रुपये है। कंपनी ने आज यहां कहा कि टेक्नोलॉजी और परफोर्मेन्स के शानदार संयोजन तथा टाईमलैस क्लासिक डिज़ाइन में तैयार की गई होण्डा सीबी350 की उपभोक्ता अपने नज़दीकी बिगविंग डीलरशिप पर बुकिंग कर सकते हैं और जल्द ही डिलीवरी शुरू कर दी जाएगी। उसने कहा कि नई सीबी350 के लॉन्च के साथ अपनी मिड-साइज़ 350सीसी मोटरसाइकिल रेंज का विस्तार किया गया है। इस रेट्रो क्लासिक मोटरसाइकिल का लॉन्च नए उपभोक्ताओं को तेज़ी से बढ़ते सीबी परिवार में शामिल होने के लिए उत्साहित करेगा। नई सीबी350, होण्डा के आइकोनिक स्टाइलिंग मूल्यों के साथ टाईमलैस क्लासिक डिज़ाइन का संयोजन है। कला और शक्ति का संयोजन यह मोटरसाइकिल बीते युग की भव्यता का प्रमाण है, जिसे आज के राइडरों के लिए नया आयाम दिया गया है। सीबी350 माचो लुक और मस्कुलर फ्यूल टैंक के साथ आती है। ऑल-एलईडी लाइडिंग सिस्टम (राउण्ड एलईडी हैडलैम्प, एलईडी विंकर्स और एलईडी टेल लैम्प) इसके स्टाइलिंग क्रशंट को कई गुना बढ़ा देते हैं।

मिर्जापुर के पीतल की चमक देश के कई प्रदेशों में फैली

मिर्जापुर,17 नवम्बर (एजेंसियां)। मिर्जापुर के पीतल की चमक इस बार बिहार, ओडिशा, झारखंड आदि प्रदेशों तक पहुंच गयी है। डाला छठ पर्व पर पीतल नगरी में निर्मित सूप का बिहार सहित अन्य राज्यों में धूम रहेगी। सूप की मांग को देख व्यवसायी और बर्तन निर्माता के चेहरे खिले हैं।

दरअसल, मिर्जापुर का पीतल अपनी बेहतर गुणवत्ता को लेकर पूरे देश में प्रसिद्ध है। यहां के कारीगर जस्ता और तांबे को उचित अनुपात में मिश्रण कर बेहतरीन पीतल बनाने में महारत हासिल कर रखी है। इस तरह के पीतल देश में नही बनते। लिहाजा यहां के पीतल की मांग पूरे देश में रहती रही है। यहां केवल बड़े बर्तन बनने से यह पीतल नगरी पिछड़ गयी थी। पर समय

के साथ परिवर्तन करने से फिर सम्भावना बलवती हुई।

डाला छठ महापर्व पर पीतल के सूप,दीपक, लोटा घंटी सहित अन्य पूजन सामग्री बनी और बाजार में सजी हुई है। बाजार में आठ सौ ग्राम से लेकर एक किलो तक के पीतल के सूप मौजूद हैं।इसी तरह के अन्य पूजन सामग्री भी ग्राहकों की क्षमता के मुताबिक छोटे बड़े कम वजनी है। पीतल के बड़े निर्माता विश्वनाथ अग्रवाल बताते हैं कि इस बार डाला छठ पर्व पर जिले के पीतल के सूप की मांग बिहार झारखंड ओडिशा असम राज्य सहित पूर्वांचल में है।वे बताते हैं कि अब तक तीन टन से अधिक सूप की डिलिवरी की जा चुकी है। ऐसे यहां बर्तन के कई निर्माता हैं।

स्थानीय दुकानदारों द्वारा अपने प्रतिष्ठान पीतल के बने पूजन सामग्री को सजाया है। डाला छठ पूजन के लिए लोगों को आकर्षित कर रही है। मां विंध्यवासिनी देवी के दर्शन पूजन करने आने वाले दर्शनार्थियों में पीतल के सूप आकर्षण के केन्द्र है।वे मिर्जापुर के प्रसिद्ध पीतल लेना नही भूल रहे हैं।खुले बाजार में सूप की कीमत 680रुपये प्रति किलो निर्धारित है। फिलहाल पीतल की चमक देश में बढ़ने से उत्साहित हैं। उनके चेहरे पर भी चमक स्पष्ट दिखती है।

सार संक्षेप

फेडरल बैंक ने पेश किया यूपीआई लाइट, छोटे पेमेंट को बनाएगा बेहद आसान

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के फेडरल बैंक ने शुक्रवार को कहा कि उसने अपने ऑनलाइन नेटवर्क पर छोटे मूल्य के डिजिटल लेनदेन के लिए यूपीआई लाइट लॉन्च की सुविधा शुरु की है । उल्लेखनीय है कि नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन (एनपीसीआई)ने पिछले दिनों यूनीफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) का आसान संस्करण 'यूपीआई लाइट' प्रस्तुत किया था। फेडरल बैंक के कार्यकारी निदेशक शालिनी वॉरियर कहती हैं, यूपीआई देश में हो रही डिजिटल क्रांति का केंद्र बिंदु है। यूपीआई लाइट' ग्राहकों को एक तेज, बहुत कारगर और किफायती नकद लेनदेन का विकल्प उपलब्ध कराता है। उन्होंने कहा कि फेडरल बैंक यूपीआई लाइट लॉन्च करके ग्राहकों को एक बड़ी डिजिटल सुविधा उपलब्ध कराने में दूसरी बैंकों से आगे है। यूपीआई लाइट में दैनिक लेन-देन की सीमा अधिकतम 5 रुपए,, दैनिक भुगतान की सीमा 4; रुपए और अधिकतम बैलेंस की सीमा 2 रुपए है।

विदेशी मुद्रा भंडार 46.2 करोड़ डॉलर घटकर 59.3 अरब डॉलर पर

मुंबई। स्वर्ण भंडार में कमी आने से 1 नवंबर को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 46.2 करोड़ डॉलर घटकर 59.3 अरब डॉलर रह गया। वहीं, इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार लगातार दूसरे सप्ताह बढ़ता हुआ 4.7 अरब डॉलर बढ़कर 59.8 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से शुक्रवार को जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 1 नवंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 1.8 करोड़ डॉलर की बढ़त लेकर 522 अरब डॉलर हो गयी। वहीं, इस अवधि में स्वर्ण भंडार 6.8 करोड़ डॉलर की गिरावट के साथ 45.5 अरब डॉलर पर आ गया। आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) में 3.6 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी हुई और यह बढ़कर 18.1 अरब डॉलर हो गया। इसी तरह इस अवधि में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि 3 लाख डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 4.8 अरब डॉलर हो गई।

रुपया दो पैसे फिसला

मुंबई। शेयर बाजार में गिरावट के साथ ही आयातकों एवं बैंकरों की लिवाली के दबाव में आज अंतरबैंकिंग मुद्र बाजार में रुपया दो पैसे फिसलकर 83.25 रुपये प्रति डॉलर रह गया। वहीं, इसके पिछले कारोबारी दिवस रुपया 83.23 रुपये प्रति डॉलर रहा था। कारोबार की शुरुआत में रुपया दो पैसे उतरकर 83.25 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और यही इसका दिवस उच्चतम स्तर रहा और यह इसी स्तर पर बंद भी हुआ। वहीं, लिवाली होने से यह 83.28 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया।

बैंकिंग, तेल व गैस समूह में बिकवाली से बाजार गिरा

मुंबई 17 नवंबर (एजेंसियां)। महंगाई आंकड़ों को ध्यान में रख अगले वर्ष तक ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद से विश्व बाजार में तेजी आने के बावजूद स्थानीय स्तर पर ऊर्जा, बैंकिंग और तेल एवं गैस समेत सात समूहों में हुई बिकवाली के दबाव में आज शेयर बाजार गिर गया। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 187.75 अंक की गिरावट लेकर 65794.73 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 33.49 अंक उतरकर 19731.80 अंक पर आ गया। वहीं, दिग्गज कंपनियों के विपरीत मझौली और छोटी कंपनियों में लिवाली हुई। इससे बीएसई का मिडकैप 0.27 प्रतिशत की तेजी के साथ 33,380.58 अंक और स्मॉलकैप 0.36 प्रतिशत चढ़कर 39,598.63 अंक पर रहा। इस दौरान बीएसई में कुल 3864 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1996 में तेजी जबकि 1736 में गिरावट रही वहीं 132 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 28 कंपनियों हरे जबकि शेष 22 लाल निशान पर बंद हुई। बीएसई के सात समूहों में बिकवाली का दबाव रहा। इस दौरान ऊर्जा 0.97, वित्तीय सेवाएं 0.83, आईटी 0.10, बैंकिंग 1.48, धातु 0.14, तेल एवं गैस 1.35 और टेक समूह के शेयर 0.26 प्रतिशत गिर गए। वहीं, कमोडिटीज 0.49, सीडी 0.63, एफएमसीजी 0.79, हेल्थकेयर 0.88, इंडस्ट्रियल्स 1.17, ऑटो 0.63, कैपिटल गुड्स 1.29 और रियल्टी समूह के शेयर 0.50 प्रतिशत मजबूत रहे। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तेजी का

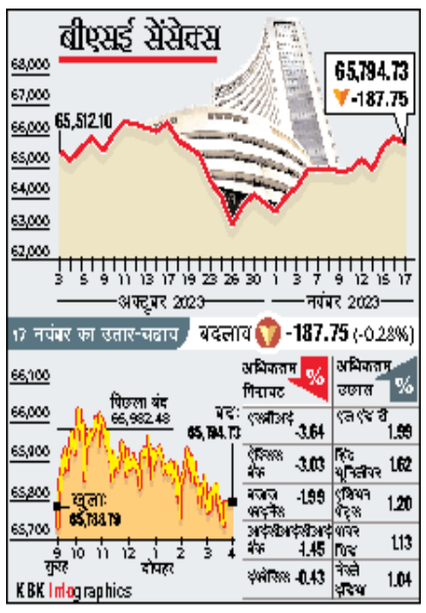

रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.88, जर्मनी का डैक्स 0.71, जापान का निक्केई 0.48 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.11 प्रतिशत चढ़ गया जबकि हांगकांग के हैंगसेंग में 2.12 प्रतिशत की गिरावट रही। शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 194 अंक लुढ़ककर 65,788.79 अंक पर खुला लेकिन लिवाली होने से थोड़ी देर बाद ही 66,037.69 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, बिकवाली के दबाव में यह कारोबार के अंतिम चरण में 65,639.74 अंक के निचले स्तर तक टूट गया। अंत में पिछले दिवस के 65,982.48 अंक के मुकाबले 0.28 प्रतिशत की गिरावट लेकर 65,794.73 अंक पर रहा। इसी तरह निफ्टी 90 अंक उतरकर 19,674.75 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 19,806.00 अंक के उच्चतम जबकि 19,667.45 अंक के निचले स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 19,765.20 अंक की तुलना में 0.17 प्रतिशत फिसलकर 19,731.80 अंक पर आ गया।

इस दौरान सेंसेक्स की जिन दिग्गज कंपनियों के शेयर नुकसान में रहे उनमें एसबीआई 3.64, एक्सिस बैंक 3.03, बजाज फाइनेंस 1.99, आईसीआईसीआई बैंक 1.45, इंफोसिस 0.43, कोटक बैंक 0.43, विप्रो 0.42, रिलायंस 0.32, बजाज फिनसर्व 0.30, एचडीएफसी बैंक 0.22, एचसीएल टेक 0.19, टेक महिंद्रा 0.17, एनटीपीसी 0.14, जेएसडब्ल्यू स्टील 0.09 और इंडसइंड बैंक 0.09 प्रतिशत शामिल हैं।

वहीं, एलटी 1.99, हिंदुस्तान यूनिलीवर 1.62, एशियन पेंट 1.20, पावरग्रिड 1.13, नेस्ले इंडिया 1.04, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.83, सन फार्मा 0.40, टाटा स्टील 0.36, मारुति 0.35, आईटीसी 0.17, टाटा मोटर्स 0.13, टीसीएस 0.13, टाइटन 0.09, अल्ट्रासिमको 0.04 और भारती एयरटेल के शेयर 0.01 प्रतिशत के लाभ में रहे।

साऊथ इंडियन बैंक आयोजित कर रही एसआईबी इग्नाइट : क्विजेथॉन

नई दिल्ली,17 नवंबर (एजेंसियां)। साऊथ इंडियन बैंक राष्ट्रीय स्तर की क्विज प्रतिस्पर्धा 'एसआईबी इग्नाइट क्विजेथॉन' आयोजित कर रही है।

इसकी घोषणा आज की गई। यह प्रतिस्पर्धा देशभर के कॉलेजों में अध्ययनरत छात्रों के लिए है। इसका उद्देश्य कॉलेज छात्रों के सामान्य और विविध विषयों का ज्ञान बढ़ाना है। बैंक ने कॉलेज में सभी विषयों की पढ़ाई कर रहे छात्रों को हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया है। क्विजेथॉन में छात्रों से वर्तमान घटनाक्रम के साथ खेल, बिजनेस, तकनीकी, कला, इतिहास और भूगोल जैसे विषयों से जुड़े सवाल पूछे जाएंगे। यह प्रतिस्पर्धा देशभर के आठ रीजन में आयोजित की जाएगी। बैंक अनुसार सभी रीजन और कॉलेज को बराबर प्रतिनिधित्व देने के लिए हर कॉलेज से अधिकतम दो ही टीमों को आमंत्रित किया गया है।

पूरी 'क्विजेथॉन' तीन हिस्सों में आयोजित होगा। पहले चरण में प्रारंभिक योग्यता दौर को ऑनलाइन

आयोजित किया है। इसमें देशभर की टीम हिस्सा ले सकेंगी। दूसरे चरण के लिए हर रीजन से पात्र आठ टीमें झोनल स्तरीय प्रतिस्पर्धा में हिस्सा लेंगी। झोनल लेवल की प्रतिस्पर्धा व्यक्तिगत होगी। इस चरण में हिस्सा ले रही टीमों को विभिन्न सवालों के जरिए अपनी त्वरित निर्णय और समस्या सुलझाने की मानसिक क्षमता का प्रदर्शन करना होगा। हर झोन की विजेता टीम 'ग्रेंड फिनाले' में जाएगी। राष्ट्रीय स्तर पर विजेता टीम को 150,00 रुपए का प्रथम पुरस्कार और दूसरे स्थान पर रही रनर अप टीम को 100,000 रुपए और तीसरे नंबर की टीम को 60,000 रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा।

जिंसों में टिकाव

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में दिसंबर का पाम ऑयल वायदा 64 रिंगिट गिरकर 3805 रिंगिट प्रति टन रह गया। वहीं, दिसंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.31 सेंट की बढ़त के साथ 51.98 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल में कोई बदलाव नहीं हुआ और वह पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिकी रही।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ।

दाल-दलहन : चना 6050-6150, दाल चना 7050-7150, मसूर काली 7650-7750, मूंग दाल 9500-9600, उड़द दाल 10600-10700, अरहर दाल 9000-9100 रुपये प्रति क्विंटल रहे।

आरआरटीएस कनेक्ट ऐप पर मिलेगी अनोखी वन-टैप टिकट बुकिंग

गाजियाबाद, 17 नवंबर (एजेंसियां)। नमो भारत ट्रेनों में यात्रा को और भी सुविधाजनक बनाने के लिए एनसीआरटीसी ने आरआरटीएस कनेक्ट मोबाइल ऐप के माध्यम से वन-टैप टिकटिंग की सुविधा शुरू की है, जो अपने तरीके की विश्व की पहली ऐसी सुविधा है। यह अपने आप में एक ऐसा अनोखा फीचर है, जो यात्रियों को आरआरटीएस स्टेशन परिसर के 300 मीटर के दायरे में कहीं से भी, केवल एक टैप से, आरआरटीएस कनेक्ट ऐप पर यात्रा के लिए क्यूआर कोड जनरेट करने की आज़ादी देगा। इस फीचर की मदद से यात्री को अपने गंतव्य स्थान तक पहुंचने के लिए क्यूयार कोड जनरेट करने के लिए न ही तो ऐप में गंतव्य स्थान लिखने और न ही यात्रा के लिए एडवांस टिकट बुक करने की ज़रूरत है। सिर्फ ऐप में वन टैप बुकिंग पर क्लिक करते ही यात्रा के लिए क्यूआर टिकट जेनेरेट हो जायगा। वर्तमान समय में लोगों के पास समय की कमी है और लोग इतने व्यस्त हैं कि उनका शेड्यूल कभी-कभी उन्हें पहले से यात्रा की योजना बनाने की अनुमति नहीं देता है। ऐसी परिस्थिति में निर्बाध और परेशानी मुक्त यात्रा अनुभव सुनिश्चित करने के एनसीआरटीसी के प्रयासों के अनुरूप, यह पहल यात्रियों को सहजता से यात्रा करने की सुविधा प्रदान करेगी और यात्रा के दौरान बिना किसी दुविधा के यात्री अपना गंतव्य स्थान भी बदल सकेंगे। यह इनोवेटिव वन-टैप बुकिंग सुविधा यात्रियों के लिए टिकटिंग प्रक्रिया को तेज और सुविधाजनक बनाती है। इससे टिकट खरीदने की प्रक्रिया में डिजिटल क्यूआर कोड जेनेरेट करने के लिए ऐप में न ही प्रस्थान स्टेशन और न ही गंतव्य स्टेशन का चयन करने की आवश्यकता होगी। आम तौर पर ऐसे किसी भी ऐप को यात्रा की शुरुआत में प्रस्थान और गंतव्य चयन की आवश्यकता होती है, जिससे यात्रा के

दौरान गंतव्य स्थान नहीं बदला जा सकता। इस नए जमाने की सुविधा का लाभ उठाने के लिए, यात्रियों को %आरआरटीएस कनेक्ट% मोबाइल एप्लिकेशन डाउनलोड करना होगा और इसका लाभ उठाने के लिए कुछ सरल शर्तें सुनिश्चित करनी होंगी। यात्रियों को इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए अपने ई-वॉलेट को मोबाइल एप्लिकेशन से लिंक करना होगा और ई-वॉलेट में न्यूनतम राशि रखनी अनिवार्य होगी, जो केवल 100 रुपए होगी।

इसके साथ ही यात्रियों को इस ऐप का उपयोग करते समय अपने मोबाइल फोन की लोकेशन सेवाओं को एक्टिव करना होगा, ताकि ऐप टिकट बुक करते समय ऐप यात्रा के लिए प्रयुक्त आरआरटीएस स्टेशन की लोकेशन को आसानी से पहचान सके। यह सेटअप एक बार की प्रक्रिया है, जो भविष्य की सभी नमो भारत यात्राओं के लिए वन-टैप टिकट बुकिंग को सक्षम करेगा। इस प्रक्रिया के पूर्ण होने के बाद, आरआरटीएस कनेक्ट मोबाइल एप्लिकेशन पर एक टैप के साथ क्यूआर कोड जनरेट हो जाएगा, जिसकी मदद से यात्री आरआरटीएस स्टेशन में क्यूआर कोड स्कैन करके प्रवेश कर सकेंगे और कॉरिडोर के किसी भी स्टेशन पर उसी क्यूआर कोड को स्कैन करके अपनी यात्रा समाप्त कर सकेंगे। क्यूआर कोड स्कैन के जरिए यात्री द्वारा की गई यात्रा के लिए गंतव्य स्टेशन के एएफसी गेट से बाहर निकलते समय निर्धारित राशि ऑटोमैटिक रूप से ई-वॉलेट से कट जाएगी।

जिले में 61.43 प्रतिशत मतदान,लोकतंत्र को मजबूत बनाने मतदाताओं ने दिखाया उत्साह

वर्ग के मतदाताओं ने मतदान में उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया

जिले में मतदान शांति पूर्ण संपन्न

बिलासपुर, 17 नवंबर (देशबन्धु)। जिले में आज संपन्न हुये विधानसभा चुनाव के मतदान में मतदाताओं में उत्साह देखा गया। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के मतदान केंद्रों में मतदाता सुबह से कतारबद्ध होकर मतदान हेतु अपनी बारी का इंतजार करते दिखाई दिये। चुनाव आयोग द्वारा स्वीप कार्यक्रम सहित अन्य माध्यम से किये गये प्रचार प्रसार एवं मतदाताओं को वोट डालने दी गई सुविधाओं की वजह से मतदान करने लोगों का उत्साह बना रहा। निर्वाचन नियंत्रण कक्ष से मिली जानकारी के अनुसार शाम 5 बजे तक जिले में 61.43 प्रतिशत अनुमानित मतदान हुआ है। जिसमें बेलतरा विधानसभा क्षेत्र में 59.08 प्रतिशत, बिलासपुर में 56.28 प्रतिशत, बिल्हा में 66.39 प्रतिशत, कोटा में 65.69 प्रतिशत, तखतपुर में 61.50 प्रतिशत एवं मस्तूरी विधानसभा क्षेत्र में 59.50 प्रतिशत अनुमानित मतदान हुआ है। निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जिले के लिए नियुक्त प्रेक्षक मतदान की प्रक्रिया का जायजा लेते रहे वहीं कलेक्टर अवनीश शरण, पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह, सहित आला अधिकारी मतदान केंद्रों का भ्रमण करते रहे। जिले में मतदान शांतिपूर्ण संपन्न हुआ।

जिले में मतदान करने लोगों में अभूतपूर्व उत्साह नजर आया। युवा मतदाता, दिव्यांग, वरिष्ठ नागरिक, महिलाएं सहित विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा आदिवासी मतदाताओं ने भी मतदान किया। बिलासपुर विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र मिशन स्कूल स्थित आदर्श मतदान केन्द्र में 85 वर्षीय वरिष्ठ मतदाता श्रीमती सुदेश भाटिया ने मतदान कर एक आदर्श मतदाता होने का परिचय दिया। 78 वर्षीय श्रीमती सुधा चंदेल, नूतन चौक स्थित शासकीय कन्या शाला, सरकण्डा मतदान केन्द्र क्रमांक 12 में 85 वर्षीय श्रीमती रामबाई सहित अन्य वरिष्ठजनों ने मतदान कर जागरूक नागरिक होने का दायित्व निभाया। कोटा विधानसभा के ग्राम करका, कुरदर और डिंडोल सहित अन्य गांवो के विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा आदिवासी मतदाताओं ने मतदान कर लोकतंत्र के निर्माण में अपना योगदान दिया। बिलासपुर विधानसभा के आदर्श संगवारी मतदान केंद्र (मतदान केंद्र क्रमांक 12) में युवा भूमिका सिंह और स्नेहा सिंह ने आज पहली बार मतदान किया। तिलक नगर स्थित सेजेस स्कूल मतदान क्र. 54 में सुश्री भूमि सिंह बघेल ने भी पहली बार वोट किया। उन्होंने बताया कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अपनी सहभागिता दर्ज कर आज वे बेहद खुश एवं उत्साहित हैं। उन्होंने सभी मतदाताओं से समय निकालकर अनिवार्य रूप से मतदान करने की अपील की। दिव्यांग मतदाताओं ने भी मतदान में बढ़-चढ़कर मतदान किया। उन्होंने बताया कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अपनी सहभागिता दर्ज कर आज वे बेहद खुश हैं।

मतदाता मित्रों ने निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत सभी मतदान केंद्रों में मतदाताओं के सहयोग के लिए मतदाता सहायक (वोटर असिस्टेंट) उपलब्ध हैं। वोटर असिस्टेंट द्वारा मतदाताओं को मतदाता सूची में नाम ढूंढने और मतदान केंद्र के संबंध में जानकारी प्रदान कर रहे है। इसके अलावा मतदाता मित्र के रूप में एनएसएस व स्काउट गाइड के कैडेट्स भी मतदान केंद्रों में दिव्यांग, वरिष्ठ नागरिकों तथा शारीरिक रूप से अक्षम मतदाताओं को सहयोग प्रदान करने एवं व्हील चेयर, पेयजल, प्राथमिक स्वास्थ्य उपलब्ध कराने में सहयोग कर रहे है। मतदाताओं ने कहा कि इनके सहयोग से ही हम मतदान केन्द्र तक वोट डालने पहुंचे है। प्रशासन की यह अच्छी सुविधा है। जिसके लिए सभी ने प्रशासन की सराहना की।

प्रेक्षकों सहित कलेक्टर ने लिया मतदान केंद्र का जायजा

मतदान दिवस पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जिले के लिए नियुक्त प्रेक्षकों ने मतदान केंद्रों में जाकर मतदान की स्थिति तथा अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मतदाताओं से भी चर्चा की। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अवनीश शरण ने मतदान केंद्रों में पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान मतदाताओं से भी चर्चा की।

मतदाता वाहन मित्र बनें मददगार

मतदान केंद्रों तक पहुंचने में जरूरतमंद मतदाताओं के लिए मतदाता वाहन मित्र भी मददगार साबित हुए।

गर्भवती महिलाओं ने भी किया मतदान

बेलतरा विधानसभा के ग्राम पंचायत फरहदा की गर्भवती मतदाता श्रीमती द्रौपदी, श्रीमती बैसाखी एवं श्रीमती राजकुमारी ने भी लोकतंत्र के इस महापर्व में मतदान कर अपनी भागीदारी सुनिश्चित की।

थर्ड जेंडर ने भी निभाई भागीदारी

जिले में तृतीय लिंग के 91 मतदाता है। तृतीय लिंग के मतदाता भी मतदान में बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले रहे हैं। तृतीय लिंग समुदाय के विजय अरोड़ा, श्रेया श्रीवास,बाला, राजिया और रेहाना ने स्वयं भी मतदान कर सभी से मतदान करने की अपील की है।

संगवारी मतदान केंद्र सहित युवा, दिव्यांग मतदान केंद्रों में दिखा उत्साह

जिले में 60 संगवारी, 30 आदर्श मतदान केंद्र बनाए गए थे। सभी विधानसभा क्षेत्रों में एक-एक युवा और दिव्यांग कर्मियों द्वारा प्रबंधित मतदान केंद्र बनाए गए थे। इन सभी केंद्रों में मतदान करने उत्साह का माहौल नजर आया। महिला मतदाताओं ने संगवारी बूथों में बढ़-चढ़ कर मतदान किया। इस दौरान संगवारी बूथ में वोट डालने के मतदाताओं ने संगवारी बूथ की सराहना की।

मतदान के बाद सेल्फी भी लेते रहे मतदाता

मतदान केंद्रों में अनेक स्थानों पर सेल्फी जोन बनाया गया था। मतदान करने के पश्चात् अनेक मतदाताओं ने सेल्फी लेकर अपनी फोटो जगह-जगह शेयर की और लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी भागीदारी देने का प्रमाण प्रस्तुत किया।

वेबकास्टिंग से मतदान केंद्रों की होती रही निगरानी

जिले में कुल 1691 मतदान केंद्र बनाए गए थे। इन मतदान केंद्रों में सुरक्षा के पुख्ता पुख्ता इंतजाम किए गए थे। मतदान केंद्रों की लाइव स्थिति जानने के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई थी। जिले में कुल 755 मतदान केंद्रों की वेबकास्टिंग की गई। जिला स्तर पर भी मतदान केंद्रों की जानकारी ली जा रही थी।

संभागायुक्त कुंजाम ने किया मतदान

बिलासपुर संभागायुक्त केडी कुंजाम ने आज सवेरे बिलासपुर विधानसभा क्षेत्र के मिशन स्कूल स्थित आदर्श मतदान केंद्र क्रमांक 59 में मतदान किया। कमिश्नर ने मतदान केंद्र में बनाए गए सेल्फी जोन में सेल्फी भी ली। उन्होंने सभी मतदाताओं से अपने मताधिकार का उपयोग करने की अपील की।

कलेक्टर व एसपी ने किया मतदान

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अवनीश शरण एवं पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह ने आज सवेरे बिलासपुर विधानसभा क्षेत्र के मिशन उच्चतर माध्यमिक स्कूल स्थित आदर्श मतदान केंद्र क्रमांक 59 में मतदान किया। पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह ने अपने परिवार के साथ मतदान किया। नगर निगम कमिश्नर कुणाल दुदावत, जिला पंचायत सीईओ अजय अग्रवाल ने भी इसी केंद्र में मतदान किया। कलेक्टर ने मतदान केंद्र में उपस्थित सुरक्षा बल के जवानों के साथ हाथ मिलाकर पूरी निष्ठा से अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही उन्होंने मतदान केंद्र में उपस्थित सभी अधिकारी-कर्मचारी को भी अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करने के लिए प्रेरित करते हुए आल द बेस्ट कहा। कलेक्टर एवं एसपी ने मतदान केंद्र में बनाए गए सेल्फी जोन में सेल्फी भी लिया। कलेक्टर ने मतदान केंद्र में उपस्थित सभी मतदाताओं को जागरूकता के साथ मतदान करने के लिए बधाई देते हुए शुभकामनाएं दी। कलेक्टर ने सभी मतदाता से अपने मताधिकार का उपयोग करने की अपील की।

बैगा जनजाति की महिला और पुरूषों ने मतदान में बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

विशेष पिछड़ी बैगा जनजाति के लोगों ने लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व में मतदान कर अपनी भागीदारी निभाई है। लोकतंत्र में जनता ही सर्वोपरि है। लोकतंत्र की मजबूती के लिए सभी को मतदान करना अनिवार्य है। जिले के कोटा ब्लॉक में 32 गांवों में लगभग 5 हजार विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा आदिवासी निवास करते हैं। इस महापर्व में उन्होंने भी आज भागीदारी निभाई है। इस बार वे बढ़-चढ़कर मतदान की प्रक्रिया में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने न केवल मतदान किया बल्कि खुशी-खुशी सेल्फी भी ली है। आज कोटा ब्लॉक के ग्राम करका, कुरदर, डिंडोल आदि गांवों के विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा आदिवासी मतदान कर जागरूकता का परिचय भी दे रहे हैं। सारे काम छोड़कर गांव डिडोल के शिव सिंह, कार्तिक राम, सियाराम, श्रीमती बुधवरिया, श्रीमती पार्वती बाई ने मतदान करते हुए विकास का रास्ता चुना है।

ग्राम सेमरताल में निर्वाचन दल की बड़ी लापरवाही

संभागीय मुख्यालय के नजदीकी ग्राम सेमरताल में निर्वाचन दल की बड़ी लापरवाही सामने आई है। यहां सुबह 8 बजे से लेकर 11 बजे तक मात्र एक ही वोट डाला जा सका था। प्रत्यक्ष दर्शियों के मुताबिक सुबह 8 बजे फेंकूराम धीवर ने पहला वोट जैसे ही डाला उसके बाद ईवीएम मशीन खराब हो गई। रिजर्व मशीन होने के बावजूद निर्वाचन दल के पीठासीन अधिकारी और अन्य कर्मियों ने दूसरी मशीन शुरू करने में 11 बजा दिए। 11बजे के बाद जैसे-तैसे मतदान शुरू हुआ तो बूथ क्रमांक 85 सेमरताल में लंबी कतार लग गई। इस दौरान गांव की 106 वर्षीय महिला फेंकनबाई यहां पहुंची और उसे भी कतार में लगकर भारी परेशानी का सामना करते हुए मतदान करना पड़ा। जबकि निर्वाचन आयोग के निर्देश के मुताबिक 80 वर्ष से अधिक के मतदाताओं को होम वोटिंग की सुविधा दी गई है। इसके बावजूद फेंकनबाई को मतदान केंद्र तक जाकर असुविधा झेलते हुए कतार में लगकर मतदान करना पड़ा। जबकि वृद्ध और असहाय मतदाता के मतदान केंद्र में पहुंचने पर मत कर्मियों को उनकी सहायता करते हुए उन्हें सीधे मतदान कक्ष में ले जाकर वोट डालने की प्रक्रिया पूरी करानी थी जबकि इस मामले में ऐसा कुछ नहीं किया गया। पूरे मामले को लेकर अधिकारियों से बातचीत करने का प्रयास किया गया पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी शिवकुमार बनर्जी ने कलमकार का फोन उठाना मुनासिब नहीं समझा।

धूम-मानिकपुर में चुनाव का बहिष्कार

मस्तूरी विधानसभा क्षेत्र के धूम और मानिकपुर के ग्रामीणों ने एक साथ मिलकर चुनाव का बहिष्कार किया है। दोपहर 12 बजे तक धूम में मात्र एक मतदान पड़ा है । इसी तरह मानिकपुर में भी ग्रामीणों ने चुनाव का बहिष्कार किया है । जिले के 6 विधानसभा क्षेत्र में सुबह 8 बजे से मतदान का काम शुरू हो गया था। दोपहर 12 बजे तक मतदान की कार्रवाई कहीं तेज तो कहीं धीमी प्रक्रिया से गुजर रही थी । मस्तूरी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत धूम और मानिकपुर के ग्रामीणों ने मतदान केंद्र के बाहर एकत्रित होकर चुनाव का बहिष्कार किया है । इस दौरान सभी महिला एवं पुरुष मतदाता धूम और मानिकपुर के मतदान केंद्र के बाहर सड़क नहीं तो वोट नहीं का नारा लगाया । साथ ही मतदान का बहिष्कार किया ।

जानकारी मिल रही है की धूमा स्थित मतदान क्रमांक 143 और 144 में कुल 2300 से ज्यादा मतदाता है लेकिन दोपहर 12 तक मात्र एक मतदान हुआ है । इसके अलावा मानिकपुर में भी ग्रामीणों ने एक तरफ से सड़क नहीं तो वोट नहीं का नारा बुलंद कर मतदान का बहिष्कार कर दिया है । जानकारी मिलने के बाद मस्तूरी विधानसभा क्षेत्र के सभी बड़े चुनाव अधिकारी और प्रशासनिक अधिकारी मतदान केंद्र पहुंच गए हैं । बावजूद इसके मतदाताओं ने मत डालने से इनकार कर दिया है । बताया जा रहा है कि मतदाताओं ने स्पष्ट रूप से अधिकारियों के प्रति नाराजगी जाहिर करते हुए कहां की हमने पहले भी इस बात को जिला प्रशासन के सामने कई बार रखा है । बार-बार सड़क की मांग किए जाने के बाद भी प्रशासन ने ना तो जर्जर सड़क को ठीक कराया और ना ही नई सड़क के निर्माण के लिए कोई कदम ही उठाया है । इधर दोनों ग्राम पंचायत के बाहर जिला प्रशासन के आला अधिकारी मतदाताओं को लगातार वोट डालने के लिए दबाव बना रहे थे। बावजूद इसके मतदाता मतदान करने से इनकार करते रहे। यहां प्रशासनिक अधिकारी मतदाताओं को मतदान के लिए मशक्कत करने में कोई कसर नहीं छोड़े। वहीं मतदाता भी अपने जिद पर सड़क नहीं तो वोट नहीं का नारा देते रहे।

पटवारी ग्रामीणों को ले जा रहा था मतदान कराने और हो गया बवाल

बिल्हा विधानसभा क्षेत्र के नगर पंचायत बोदरी के वार्ड नंबर 10 ग्राम डडहा बूथ क्रमांक 210 के मतदाताओं ने चुनाव का बहिष्कार कर दिया। दोपहर तीन बजे तक कोई भी मतदाता वोट डालने बूथ नहीं गए। इस बीच पटवारी पराग महलांग ने कुछ ग्रामीणों को अपने कार में बैठाकर जबरदस्ती वोट डलवाने ले जा रहा था।

स्थानीय लोगों की नजर पड़ते ही गुस्सा भड़क गया और महिलाओं, युवक, युवतियों ने मिलकर कार को चारों ओर से घेर लिए। पटवारी, एसडीएम, तहसीलदार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए हंगामा मचाया। महिलाओं व युवतियों ने कार के भीतर पटवारी को तीन घंटे तक बंधक बनाकर रखे।

■ बिल्हा विधानसभा के नगर पंचायत बोदरी के ग्राम डडहा बूथ क्रमांक 210 में नहीं पड़े एक भी वोट

सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंच गए। इसके बावजूद ग्रामीण पटवारी को घेरकर रखे। नगर पंचायत बोदरी के वार्ड नंबर 10 में पचास साल से सड़क नहीं बनी है। जर्जर सड़क से स्थानीय लोगों को आना जाना करना पड़ता है। बरसात के समय में वार्ड के भीतर एंबुलेंस गाड़ी भी नहीं पहुंच पाती है। यहां की जनसंख्या करीब ढाई हजार है। 960 मतदाता है। सड़क बनाने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने सैकड़ों बार जनप्रतिनिधि से लेकर जिला प्रशासन व सीएम को भी पत्र लिख चुके हैं, लेकिन अभी तक सड़क नहीं बन पाई है। इस बार ग्रामीणों ने आचार संहिता लागू होने से पहले से ही सड़क नहीं तो वोट नहीं का नारा लगाते हुए कलेक्टर को चुनाव बहिष्कार करने की चेतावनी दी थी। बीते दो दिनों से चुनाव आयोग के निर्देश पर अधिकारी व कर्मचारी बूथ में मतदान के लिए तैयारी में जुटे थे। शुक्रवार की सुबह दल बल समेत चुनाव अधिकारी व कर्मचारी बूथ पर तैनात थे। सुबह आठ बजे के बाद ग्रामीण मतदान करने नहीं पहुंचे। अधिकारी मतदाताओं का इंतजार कर रहे थे। दोपहर दो बजे तक भी बूथ में एक भी मतदान नहीं किया गया। इससे अधिकारियों ने हड़कंप मच गया। फिर चुनाव स्टाफ ग्रामीणों से संपर्क किया।

संवेदनशील मतदान केंद्र में हथियारबंद जवान रहे तैनात

विधानसभा चुनाव के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तरह से तैयार है। राजनैतिक रूप से संवेदनशील मतदान केंद्र में हथियारबंद जवानों की तैनाती की गई है। मतदान केंद्र में निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे भी लगवाए गए है। इसके अलावा उड़नदस्ता और राजपत्रित अधिकारियों की भी ड्यूटी लगाई जाएगी।

जिले में सर्वाधिक संवेदनशील मतदान केंद्र मस्तूरी विधानसभा क्षेत्र में है वहीं सबसे कम संवेदनशील बिल्हा विधान सभा में है।बिलासपुर जिले के अंतर्गत आने वाले विधानसभा क्षेत्र में आज मतदान होना है। इसके लिए प्रशासन और पुलिस प्रशासन पूरी तरह से तैयार है। अधिकारी मतदान केंद्रों तक पोलिंग पार्टी पहुंच चुकी है। शुक्रवार की सुबह से मतदान शुरु होगा। जिन मतदान केंद्रों पर विवाद की स्थित बनने की आशंका है उन्हें संवेदनशील मानकर सुरक्षा की तैयारी की गई है।

जिले के अंतर्गत आने वाले छह विधानसभा क्षेत्र में एक हजार 509 मतदान केंद्र है। इनमें से 351 मतदान केंद्रों को संवेदनशील घोषित किया गया है। संवेदनशील मतदान केंद्रों में सुरक्षा के लिहाज से हथियार बंद जवानों की तैनाती की गई है। इसके अलावा उड़नदस्ता की टीम व राजपत्रित अधिकारी भी ऐसे मतदान केंद्रों पर निगरानी करेंगे।

विधानसभा क्षेत्र मतदान केंद्र संवेदनशील मतदान केंद्रकोटा 203 56तखतपुर 288 65बिल्हा 202 35 बिलासपुर 230 60 बेलतरा 252 53 मस्तूरी 334 8216 सौ जवान कर रहे सुरक्षा मतदान के दौरान जिले में किसी भी तरह की अशांति होने पर तत्काल पुलिस बल मौके पर पहुंचेगी। साथ ही केंद्रीय बल की 36 कंपनियां भी जिले में तैनात है। एक महिला आइपीएस समेत 150 से अधिक महिला पुलिसकर्मी भी चुनाव ड्यूटी पर तैनात है। जिले में शांतिपूर्ण मतदान के लिए पुलिस बल पूरी तरह से तैयार है।

NECC
18.11.2023 अंडा मुर्गी काकरेल
फार्म 543 80 170
चिल्हर 6.50 95 195
डिलीवरी 558 सैकड़ा
दर्जन अंडा 75 रु.
मुर्गी खाद प्रति ट्राली 1000 रू.
CSPFA

प्रकाशक मुद्रक एवं सम्पादक- राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन, प्रा.लि. के लिए पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. प्रेस में मुद्रित एवं गर्ल्स कॉलेज के पास, जरहाभाटा, बिलासपुर से प्रकाशित। प्रेस पंजीयन- 52158/91 डाक पंजीयन 112-002/2002 सी जी फोन- 07752 422771, 428159 फैक्स नं. 415188